

ज्योतिष सुःख समृद्धि

Name - sample

Date - 11/11/2011 Time - 11:11:00

POB - khatu (rajasthan) INDIA

Longitude - 084:10:00 E

Latitude - 025:45:00 N



Acko Astro

www.ackoastro.com, ackoastro@gmail.com

Contact = +91 8657171000



श्री गणेशाय नमः

नवग्रह स्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काशपेयं महाद्युतिम् ।	तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदारणवसम्भवम् ।	नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ॥
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् ।	कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।	सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम् ।	बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् ।	सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।	छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् ।	सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् ।	रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः ।
 दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति ।
 नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम् ।
 ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ॥
 ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्रिसमुद्रवाः ।
 ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो व्रूते न संशयः ॥

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूँ। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरूप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूँ। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूँ। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूँ। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूँ। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक को मैं प्रणाम करता हूँ। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूँ। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूँ। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूँ। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्रीपुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

मुख्य विवरण


लिंग	पुरुष
जन्म दिनांक	11 नवम्बर 2011
जन्म समय	11:11:00
जन्म दिन	शुक्रवार
जन्म स्थान	khatu
राज्य	rajasthan
देश	INDIA
अक्षांश	025:45:00 N
रेखांश	084:10:00 E
स्थानीय समय संस्कार	00:06:40 hrs
स्थानीय समय	11:17:40 hrs
समय क्षेत्र	05:30 E
समय संशोधन	00:00:00
सांपातिक काल	14:37:47 hrs
इष्ट काल	12: 29: 52 Ghati


अवकहड़ा चक्र

पाया	लौह
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुश्पद
योनि	मेष (स्त्री)
गण	राक्षस
नाड़ी	अन्त
रज्जु	नाभि
तत्व	पृथ्वी
तत्त्वाधिपति	बुध
विहग	भारधंक
नाड़ी पद	अन्त
वेध	विशाखा
आद्याक्षर	अ
दशा बैलेंस	सूर्य – 5व00मा024दि0
वर्तमान दशा	चन्द्रमा—बुध—गुरु
भयात	10: 20: 16 Ghati
भभोग	66: 41: 54 Ghati
सूर्य राशि (वैदिक)	तुला
सूर्य राशि (पाश्चात्य)	वृश्चिक
अयनांश	N.C.Lahiri
अयनांश मान	024:01:22
देकानेट	2
फेस	IV
सूर्योदय	06:11:12AM
सूर्यास्त	05:03:49PM
जन्मदिन का ग्रह	शुक्र
जन्मसमय का ग्रह	मंगल


पंचांग विवरण


विक्रम संवत्	2068
शक संवत्	1933
संवत्सर	खर
ऋतु	शरद
मास	अग्रहन
पक्ष	कृष्ण
वार	शुक्रवार
तिथि	प्रतिपदा
नक्षत्र (पद)	कृतिका (1)
योग	वारियन
करण	बल्लव


 **लग्न**
मकर

 **राशि**
मेष

नक्षत्र – पद
कृतिका – 1

 **लग्नाधिपति**
शनि

 **राशिपति**
मंगल

 **नक्षत्रपति**
सूर्य

नक्षत्र	कृतिका	चरण	1
अधिपति	सूर्य ☉	भाव में	दशम् शुभ
देवता	अग्नि	दिशा	पूर्व
तत्व	पृथ्वी	गोत्र	अंगिरा
प्रभाव	कार्यनाश	पशु	मेष (स्त्री)
पौधे	गूलर, औदुम्बर	पक्षी	मयूर _मोर
कार्य पद्धति	सक्रिय	गुण	रजस

लग्न और राशि विवरण

लग्न विवरण		राशि विवरण	
लग्न	मकर 🐒	राशि	मेष 🐏
अधिपति	शनि 🐍	अधिपति	मंगल 🐇
तत्व	पृथ्वी	तत्व	अग्नि
स्वभाव	चर	स्वभाव	चर
भाव में	नवम् शुभ	भाव में	अष्टम् अशुभ
लिंग	स्त्री	लिंग	पुरुष
के साथ भावेश		के साथ भावेश	

राशि देवता	हनुमान जी
मंत्र	Om Hanumate Namah
	ॐ हनुमते नमः

इन राशि देवता के मंत्रों का जाप प्रत्येक राशि के इष्टदेवों का आशीर्वाद प्राप्त करने, सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने एवं बाधाओं को दूर करने तथा अच्छे भाग्य को आकर्षित करने के लिए किया जा सकता है।

तत्व	अग्नि
आप आम तौर पर उत्साही, भावुक और आवेगी होते हैं। आप ऊर्जावान हैं, अपनी भावनाओं से प्रेरित हैं और पहल करना पसंद करते हैं। आप अक्सर मिलनसार होते हैं और ध्यान का केंद्र बने रहने का आनंद लेते हैं। आप साहसी भी हैं और अपने कार्यों में काफी प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं।	

स्वभाव	चर
आप आम तौर पर आरंभकर्ता, नेता और लक्ष्य-उन्मुख होते हैं। आप परिवर्तन और प्रगति की इच्छा से प्रेरित होते हैं, अक्सर नए अवसरों और अनुभवों की तलाश में रहते हैं। आप सक्रिय रहते हैं और अपने कार्यों में काफी मुखर हो सकते हैं। आप साहसी और दृढ़ निश्चयी हैं, आपको प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों, खेलों या ऐसे व्यवसायों में सफलता मिल सकती है जिनमें शारीरिक गतिविधि और उच्च ऊर्जा शामिल है।	

घात चक्र

कार्तिक अशुभ मास	रविवार अशुभ वार	1 अशुभ प्रहर
मेष अशुभ राशि	मेष अशुभ लग्न	1, 6, 11 अशुभ तिथि
माघ अशुभ नक्षत्र	विषकुम्भ अशुभ योग	बावा अशुभ करन

शुभ बिन्दु

2 मूलांक	8 भाग्यांक	1, 4 मित्रांक
3, 6 शत्रु अंक	17, 19, 22, 26, 28, 31, 35, 37 शुभ वर्ष	शुक्रवार, शनिवार, बुधवार शुभ दिन
शुक्र, शनि, बुध शुभ ग्रह	गुरु, सूर्य अशुभ ग्रह	कर्क, तुला, धनु, कुम्भ मित्र राशि
मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक मित्र लग्न	नीलम शुभ रत्न	नीली, जमुनिया, लाजवर्त शुभ उपरत्न
पन्ना भाग्य रत्न	नरसिंह अनुकूल देवता	लोहा शुभ धातु
श्याम शुभ रंग	पश्चिम दिशा	संध्या शुभ समय
कुलथी, कस्तुरी, कृष्ण गाय, जता शुभ पदार्थ	उड़द शुभ अन्न	तेल शुभ द्रव्य

आपकी कुण्डली में लग्नाधारित प्रमुख बिन्दु



कठिन परिश्रम और .ढ़ता के माध्यम से सफलता और पहचान प्राप्त करने के लिए।

परम अकांक्षा



जीवन के सभी पहलुओं में संरचना और व्यवस्था की आवश्यकता।

उत्साहवर्धक प्रेरणा



भौतिक और सामाजिक स्थिति प्राप्त करने के लिए, और एक विरासत छोड़ दें।

जीवन का परम लक्ष्य



महत्वाकांक्षा, .ढ़ संकल्प और व्यावहारिकता।

अनोखा उपहार/योग्यता



निराशावाद और कुटिलता की प्रवृत्ति।

सुधार के क्षेत्र



में हासिल करता हूं, मैं निर्माण करता हूं मैं एक विरासत छोड़ता हूं।

मूल विचार



अपने लक्ष्यों के प्रति कठिन परिश्रम जारी रखने के लिए, साथ ही अपने भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण को प्राथमिकता देने का मार्ग खोजने के लिए।

आगे का लक्ष्य



सफलता, पहचान और भौतिक संपदा से भरा जीवन, जहां उन्होंने दुनिया पर भी एक सकारात्मक प्रभाव डाला है और एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

ब्यक्तित्व का मूल तत्व

ग्रह स्थिति (पराशरी)



सूर्य

तुला
24:26:58
विशाखा (2)
सम राशि



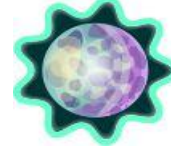
चन्द्रमा

मेष
28:44:27
कृतिका (1)
नीच राशि



मंगल

सिंह
06:00:11
मघा (2)
सम राशि



बुध

वृश्चिक
16:48:17
ज्येष्ठा (1)
मित्र राशि



गुरु (व.)

मेष
09:30:47
अश्विनी (3)
स्व नक्षत्र



शुक्र

वृश्चिक
16:59:33
ज्येष्ठा (1)
मित्र राशि



शनि

कन्या
29:33:02
चित्रा (2)
सम राशि



राहु

वृश्चिक
21:38:24
ज्येष्ठा (2)
मित्र राशि



केतु

वृष
21:38:24
रोहिणी (4)
नीच राशि



हर्षल (व.)

मीन
06:57:48
उत्तरभाद्र (2)
नीच राशि



नेपच्यून

कुम्भ
04:06:38
धनिष्ठा (4)
सम राशि



प्लूटो

धनु
11:38:00
मूला (4)
सम राशि



लग्न

मकर
02:50:12
उत्तराषाढ़ (2)



10वां कस्प

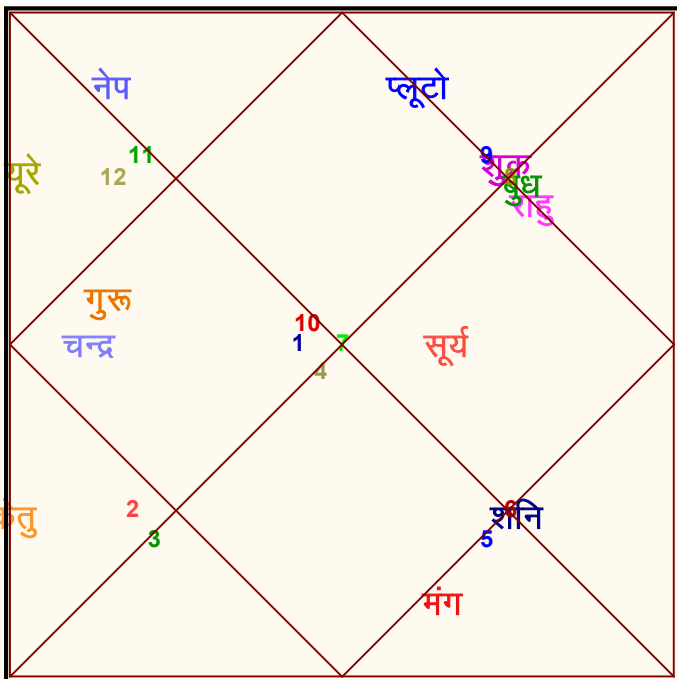
तुला
17:51:40
स्वाति (4)

ग्रह स्थिति (पराशरी)

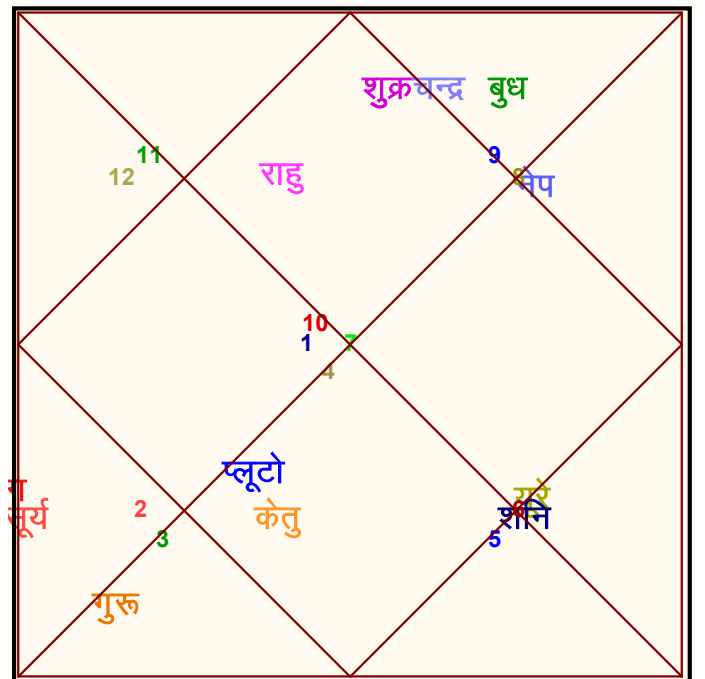
ग्रह	व/अ	राशि	अंश	नक्षत्र	पद	कारक	विशेष
AC	लग्न	♋	मकर	02:50:12	उत्तराषाढ (21)	2	
☉	सूर्य	♎	तुला	24:26:58	विशाखा (16)	2	भ्रात्रि नीच राशि
☾	चन्द्रमा	♈	मेष	28:44:27	कृतिका (3)	1	अमात्य सम राशि
♂	मंगल	♌	सिंह	06:00:11	मघा (10)	2	दारा मित्र राशि
♃	बुध	♍	वृश्चिक	16:48:17	ज्येष्ठा (18)	1	अपत्या स्व नक्षत्र
♁	गुरु	व. ♈	मेष	09:30:47	अश्विनी (1)	3	ज्ञाति मित्र राशि
♃	शुक्र	♍	वृश्चिक	16:59:33	ज्येष्ठा (18)	1	मात्रि सम राशि
♄	शनि	♎	कन्या	29:33:02	चित्रा (14)	2	आत्म मित्र राशि
♁	राहु	♍	वृश्चिक	21:38:24	ज्येष्ठा (18)	2	नीच राशि
♃	केतु	♌	वृष	21:38:24	रोहिणी (4)	4	नीच राशि
♃	हर्षल	व. ♋	मीन	06:57:48	उत्तरभाद्र (26)	2	सम राशि
♃	नेपच्यून	♋	कुम्भ	04:06:38	धनिष्ठा (23)	4	सम राशि
♃	प्लूटो	♈	धनु	11:38:00	मूला (19)	4	सम राशि

नोट : - (व.) - वक्री, (अ.) - अस्त

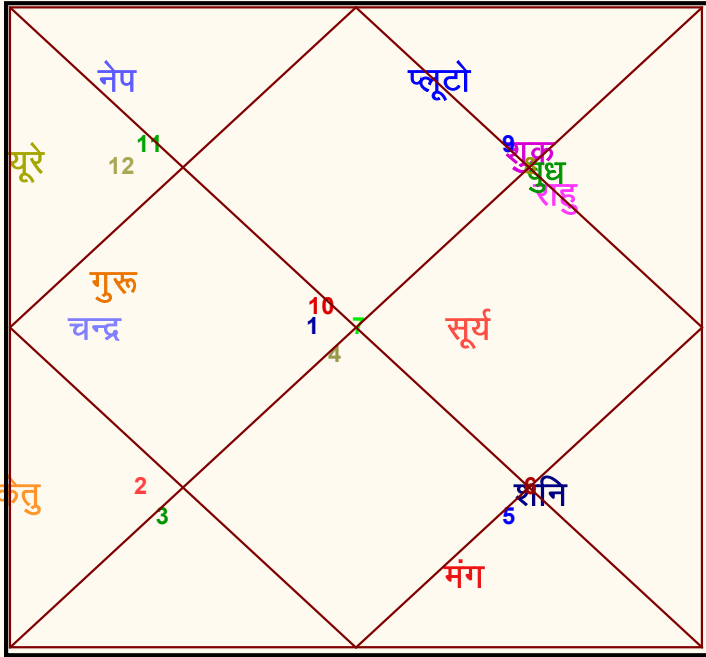
लग्न कुण्डली



नवांश कुण्डली

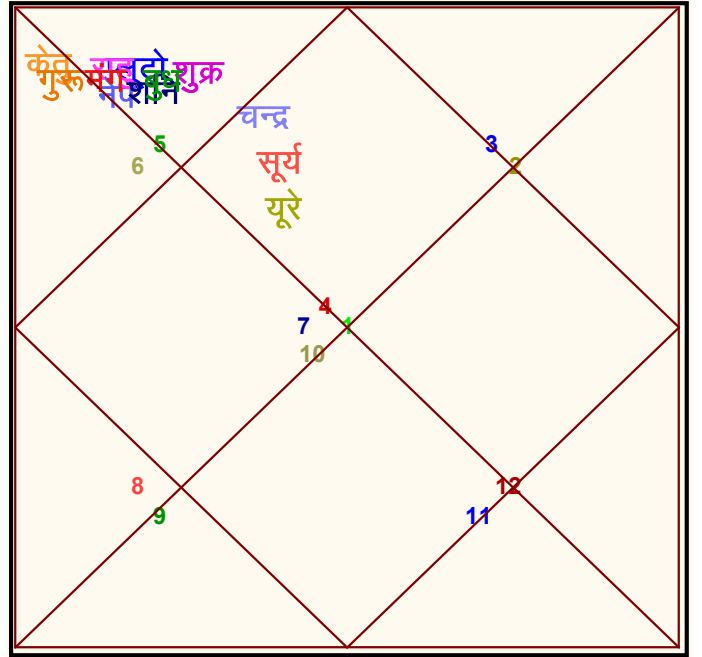


जन्म/लग्न कुण्डली (डी 1)



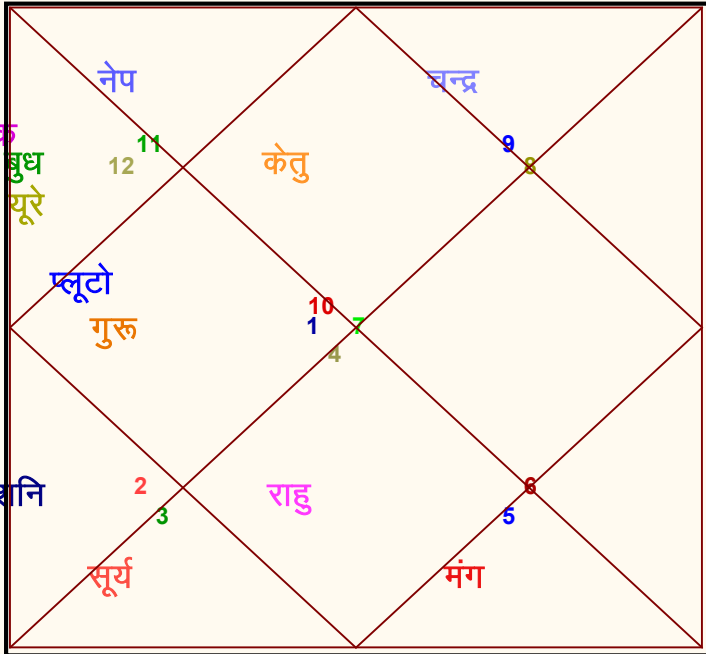
जन्मकुण्डली या लग्न कुण्डली एक व्यक्ति के जीवन की एक विस्तृत तस्वीर है। यह 12 घरों में विभाजित है जो जीवन के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, प्रत्येक घर एक अलग राशि और ग्रह द्वारा नियंत्रित होता है। विभिन्न घरों में ग्रहों और राशियों के स्थान और परस्पर क्रिया का मूल्यांकन करके, कुण्डली किसी के व्यक्तित्व, रिश्तों, नौकरी, धन और सामान्य जीवन पथ में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

होरा कुण्डली (डी 2)



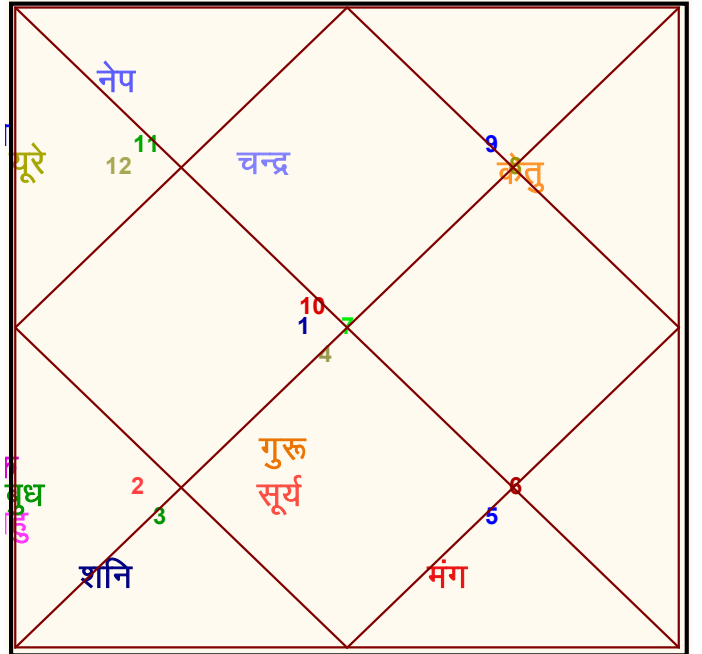
होरा कुण्डली मुख्य जन्म कुण्डली से निर्मित एक विभागीय कुण्डली है जिसका उपयोग समृद्धि और वित्तीय संभावनाओं को निर्धारित करने के लिए किया जाता है। यह जन्म कुण्डली में प्रत्येक राशि को आधे में विभाजित करता है, जिसमें सूर्य पहले अर्द्ध भाग पर शासन करता है और चंद्रमा दूसरे पर शासन करता है। ज्योतिषी ग्रहों की स्थिति और होरा कुण्डली के भीतर उनके संबंध या संयोजन का मूल्यांकन करके जीवन भर धन और वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने के लिए किसी व्यक्ति की क्षमता का अनुमान लगा सकते हैं।

द्रेष्काण कुण्डली (डी 3)



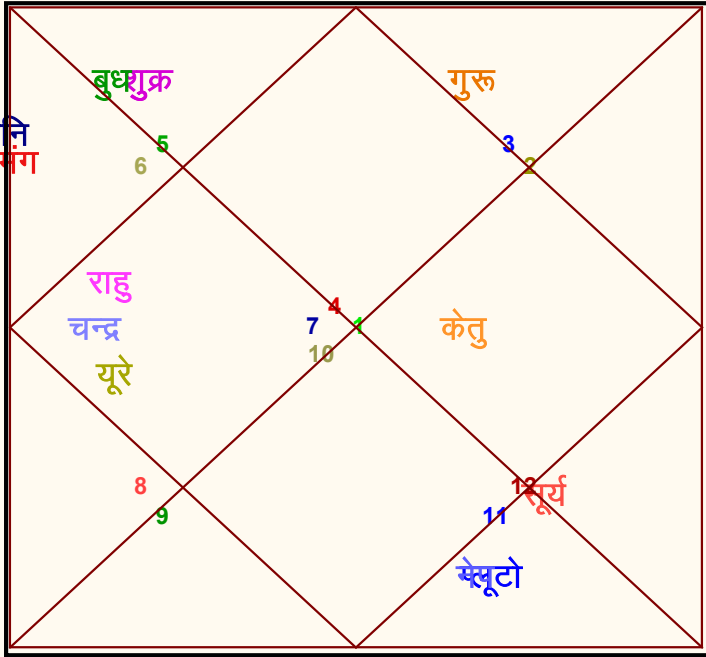
द्रेक्कन कुण्डली, प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 3 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक 10 डिग्री माप का होता है। इस कुण्डली का उपयोग किसी के जीवन पर उसके भाई-बहनों, चचेरे भाई-बहनों और अन्य करीबी रिश्तेदारों के प्रभाव का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह एक व्यक्ति की संचार क्षमता, छोटी यात्रा और साहस पर अंतर्दृष्टि भी देता है, जिससे ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के जीवन के इन क्षेत्रों का अधिक से अधिक ज्ञान प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

चतुर्थांश कुण्डली (डी 4)



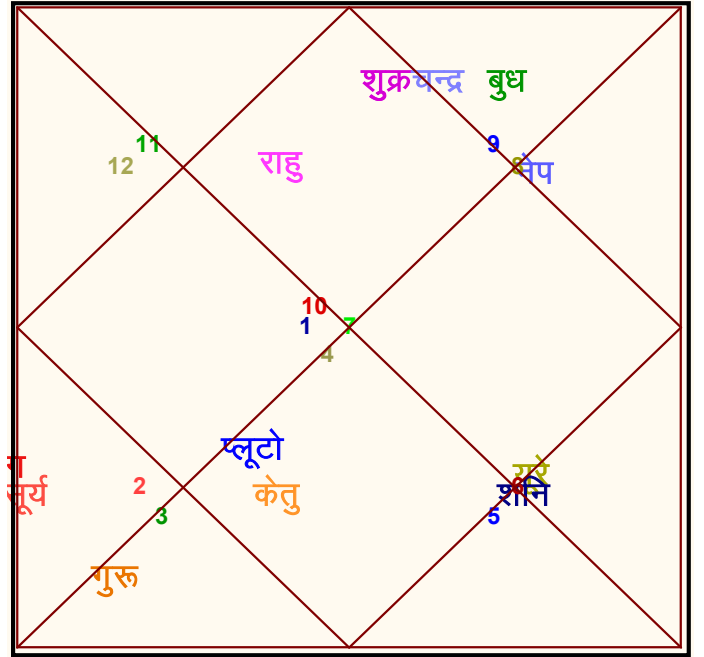
चतुर्थांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 4 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक 7.5 डिग्री तक फैला हुआ है। इस कुण्डली का उपयोग बड़े पैमाने पर किसी व्यक्ति के घर, जमीन और ऑटोमोबाइल के संबंध में उसकी खुशी, संपत्ति और भाग्य का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति की सुरक्षा, भावनात्मक कल्याण, और उनकी मां या मातृभाषा के साथ संबंध में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के जीवन के इन क्षेत्रों के बारे में बेहतर ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करता है।

सप्तमांश कुण्डली (डी 7)



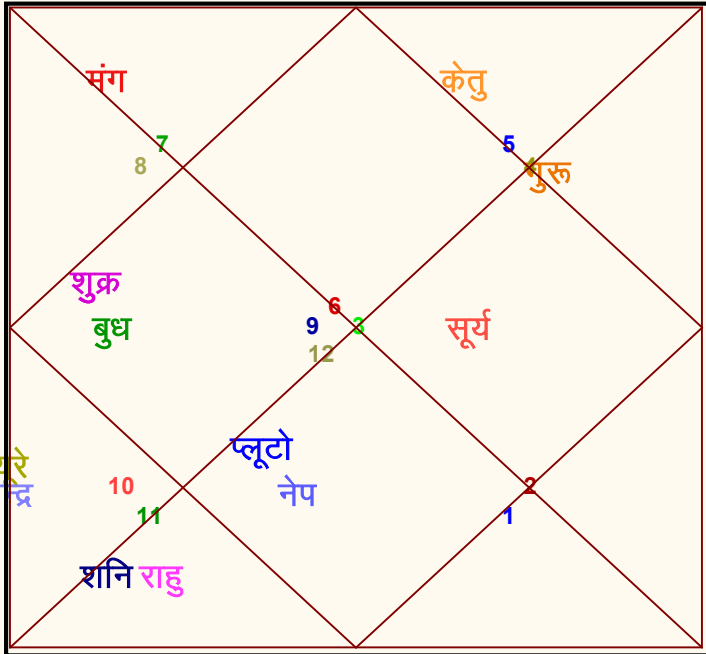
सप्तमांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो मुख्य जन्म कुण्डली के प्रत्येक चिन्ह को 7 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप लगभग 4.29 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग सामान्यतः किसी व्यक्ति के जीवन में संतान, प्रजनन क्षमता और प्रसव से संबंधित मुद्दों का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य, कल्याण और बच्चों से उत्पन्न होने वाले सामान्य आनंद के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, साथ ही साथ किसी व्यक्ति के बच्चों की संख्या के बारे में अंतर्दृष्टि भी प्रदान करता है।

नवांश कुण्डली (डी 9)



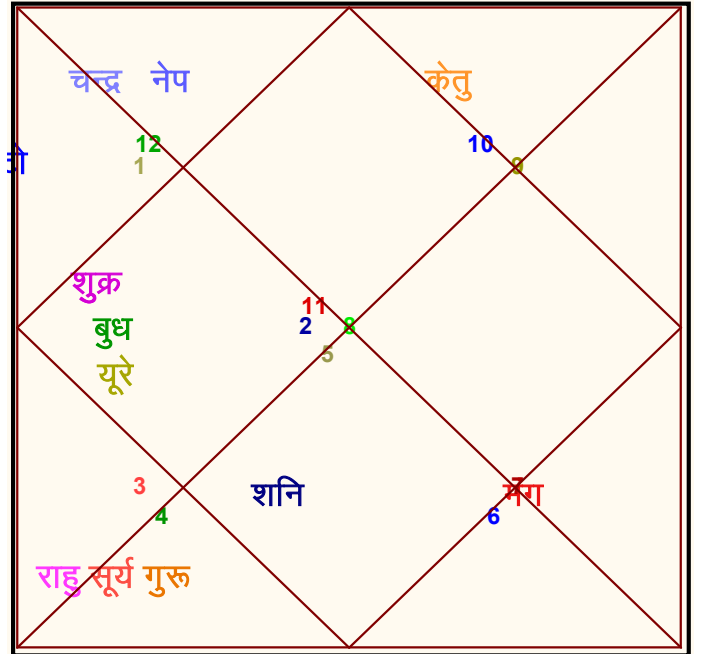
नवांश कुण्डली वैदिक ज्योतिष में एक महत्वपूर्ण संभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 9 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप 3.20 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग बड़े पैमाने पर ग्रहों की ताकत और कमजोरियों, वैवाहिक जीवन की गुणवत्ता और किसी के जीवनसाथी की प्रकृति का निर्धारण करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास और आकांक्षाओं की पूर्ति में गहरी अंतर्दृष्टि भी देता है, जिससे ज्योतिषियों के लिए व्यक्ति के जीवन के कई क्षेत्रों को समझने में यह एक महत्वपूर्ण उपकरण बन जाता है।

दशमांश कुण्डली (डी 10)



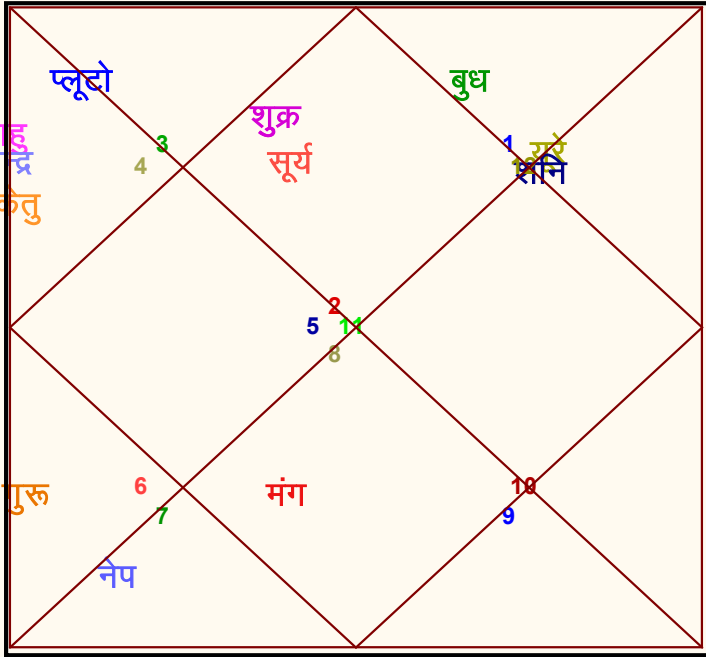
दशमांश कुण्डली एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 10 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 3 डिग्री मापता है। इस कुण्डली का उपयोग अधिकांशतः किसी व्यक्ति के करियर, पेशे और समग्र व्यावसायिक उपलब्धि का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह ज्योतिषियों को पेशेवर प्रगति और सफलता के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ सर्वोत्तम कार्य मार्ग, संभावित उन्नति और कार्यस्थल की बाधाओं के बारे में जानकारी देता है।

द्वादशांश कुण्डली (डी 12)



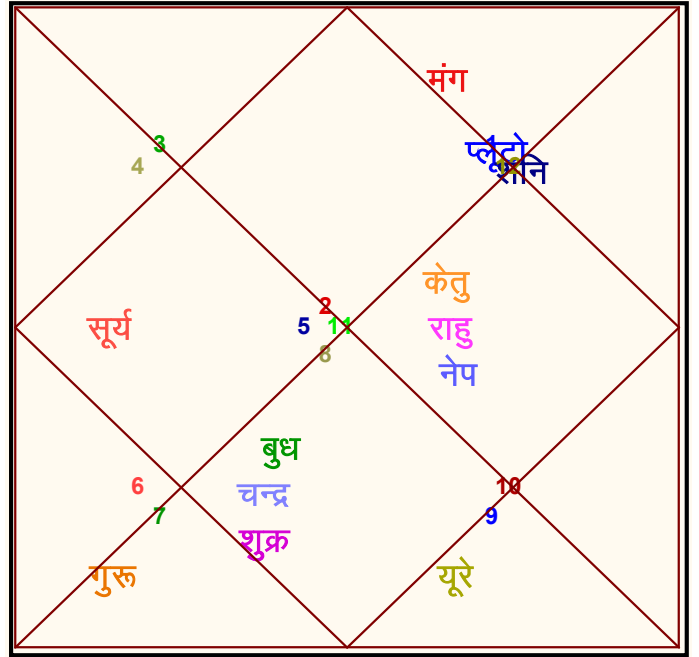
द्वादशांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 12 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 2.5 डिग्री में मापता है। इस कुण्डली का उपयोग आम तौर पर किसी व्यक्ति के माता-पिता, पूर्वजों और पारिवारिक वंश के मुद्दों की जांच करने के लिए किया जाता है। यह एक व्यक्ति के माता-पिता, विरासत और पारिवारिक कर्म के साथ एक व्यक्ति के संबंध को प्रकट करता है, ज्योतिषियों को एक व्यक्ति के जीवन के इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

षोडशांश कुण्डली (डी 16)



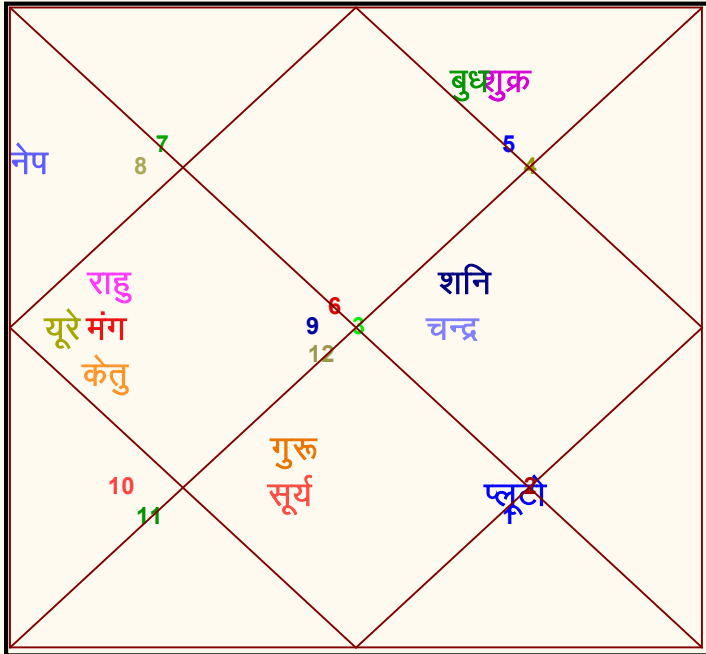
षोडशांश कुण्डली एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 16 बराबर टुकड़ों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप 1.875 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग बड़े पैमाने पर किसी व्यक्ति के ऑटोमोबाइल, आराम और विलासिता की विशेषताओं की जांच करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति की वाहन, अचल संपत्ति, और अन्य वस्तुओं को हासिल करने और बनाए रखने की क्षमता को प्रकट करता है जो उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है, जिससे ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के अस्तित्व के इन विशिष्ट पहलुओं को समझने में सहायता मिलती है।

विशांश कुण्डली (डी 20)



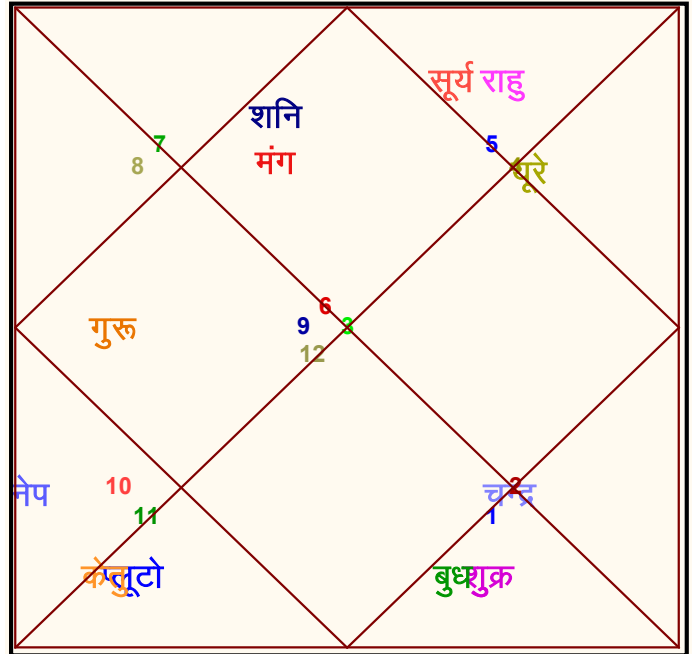
विशांश कुण्डली एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 20 बराबर टुकड़ों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 1.5 डिग्री मापता है। इस कुण्डली का उपयोग बड़े पैमाने पर किसी व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास, धार्मिक प्राथमिकताओं और अधिक ज्ञान की खोज का विश्लेषण करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति के अंतरात्मा, आध्यात्मिक क्षमता और उनके जीवन में धर्म और आध्यात्मिकता के महत्व के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जिससे ज्योतिषियों को किसी व्यक्ति के जीवन के इन तत्वों का पता लगाने में सहायता मिलती है।

चतुर्विंशांश कुण्डली (डी 24)



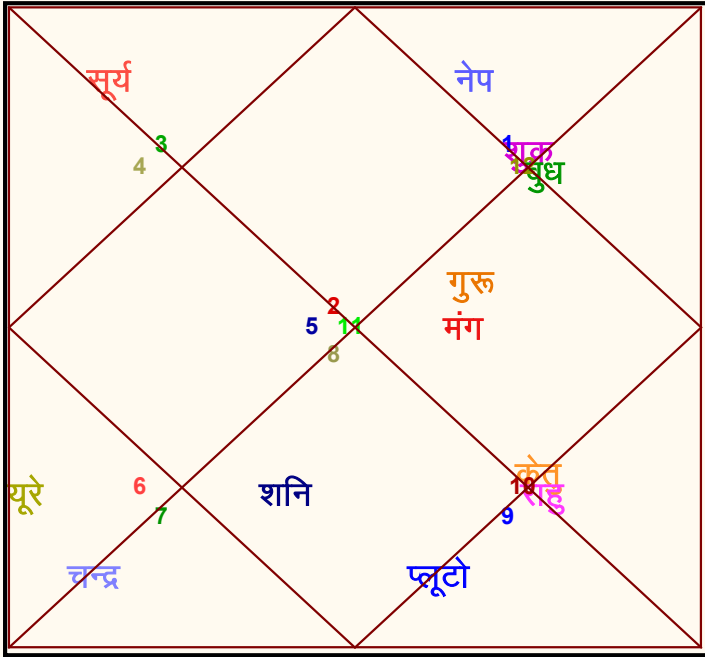
चतुर्विंशांश कुण्डली एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 24 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक की माप 1.25 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग आमतौर पर किसी व्यक्ति की शिक्षा, प्रतिभा और सीखने की क्षमता का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह कुछ विषयों, विशेषज्ञता के क्षेत्रों और शैक्षिक उपलब्धि के लिए एक व्यक्ति की योग्यता को प्रकट करता है, ज्योतिषियों को अकादमिक उन्नति प्राप्त करने और बौद्धिक क्षमता तक पहुंचने के लिए मागदर्शन प्रदान करने की अनुमति देता है।

सप्तविंशांश कुण्डली (डी 27)



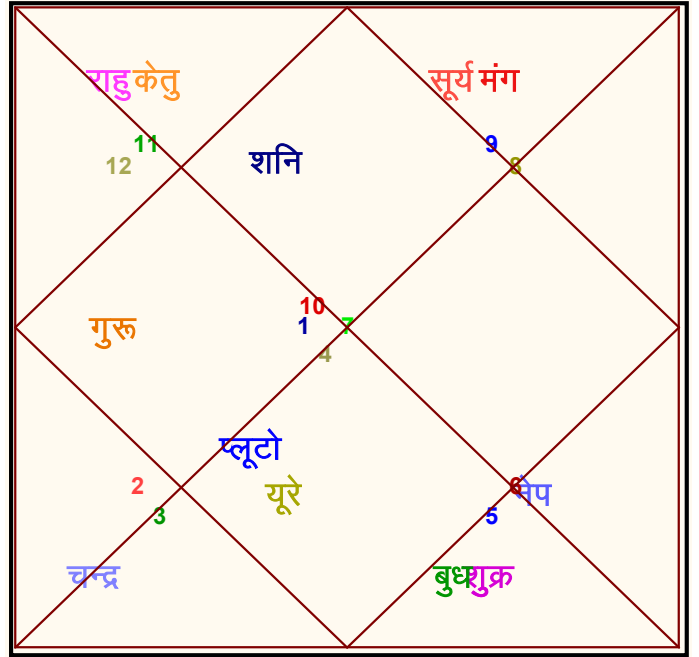
सप्तविंशांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 27 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप 1.11 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग मुख्य रूप से किसी व्यक्ति के नक्षत्रों या चंद्र राशियों की ताकत और उनके जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह ज्योतिषियों को व्यक्ति के स्वभाव, आचरण और अंतर्निहित नक्षत्रों से प्रभावित जीवन की घटनाओं के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करके व्यक्ति के भाग्य और आध्यात्मिक शुकाव के बारे में बेहतर ज्ञान देता है।

त्रिंशांश कुण्डली (डी 30)



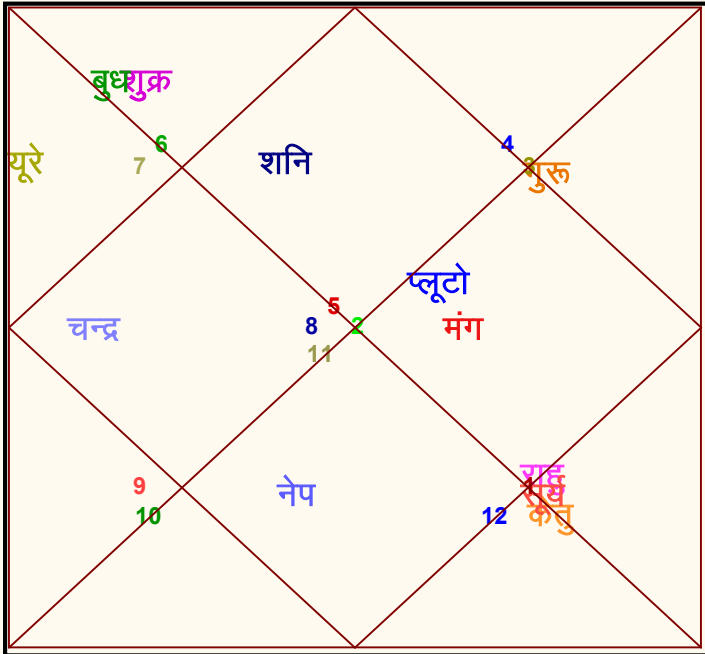
त्रिंशांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 30 बराबर टुकड़ों में विभाजित करता है, प्रत्येक को एक डिग्री में मापता है। इस कुण्डली का उपयोग ज्यादातर उन कई कठिनाइयों और आपदाओं का आकलन करने के लिए किया जाता है जो एक व्यक्ति अपने जीवन के दौरान अनुभव कर सकता है। यह एक व्यक्ति की छिपी ताकत, कमजोरियों और उनकी कठिनाइयों के स्रोत को प्रकट करता है, जिससे ज्योतिषियों को बाधाओं पर काबू पाने और जीवन के कई पहलुओं में कठिनाइयों का सामना करने हेतु मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है।

खवेदांश कुण्डली (डी 40)



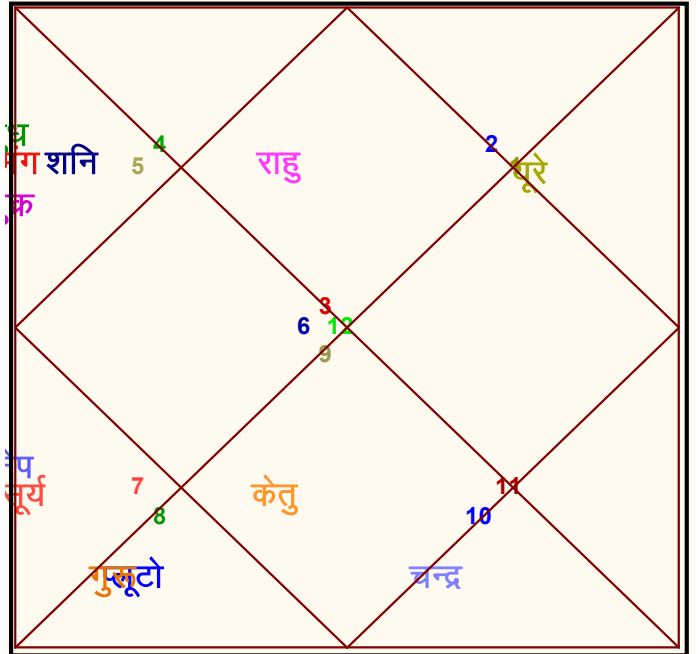
खवेदांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 40 बराबर टुकड़ों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 0.75 डिग्री मापता है। इस कुण्डली का उपयोग आम तौर पर किसी व्यक्ति की समग्र भलाई और शुभता की गहरी समझ प्राप्त करने के लिए किया जाता है। यह किसी व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके समग्र सुख और समृद्धि के बारे में जानकारी प्रदान करता है, जिससे ज्योतिषियों को जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने और एक सामंजस्यपूर्ण जीवन शैली प्राप्त करने के बारे में सलाह देने की अनुमति मिलती है।

अक्षवेदांश कुण्डली (डी 45)



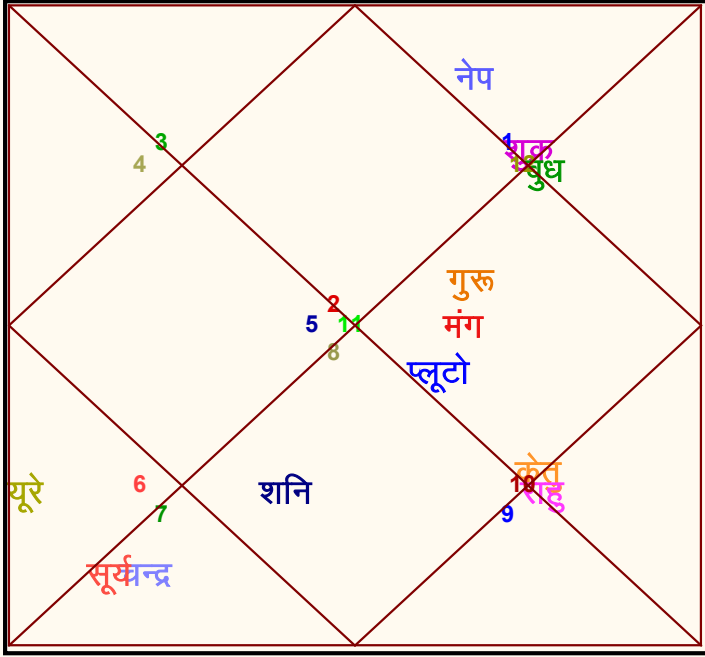
अक्षवेदांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 45 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप 0.67 डिग्री है। इस कुण्डली का उपयोग अधिकांशतः किसी व्यक्ति के आध्यात्मिक और दिव्य गुणों का आकलन करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह एक व्यक्ति की प्राकृतिक आध्यात्मिक क्षमता, दैवीय आशीर्वाद और आध्यात्मिक विकास स्तर को प्रकट करता है, जिससे ज्योतिषियों को आध्यात्मिक विकास में उन्नति और जागरूकता के उच्च स्तर की प्राप्ति हेतु मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है।

षष्ठांश कुण्डली (डी 60)



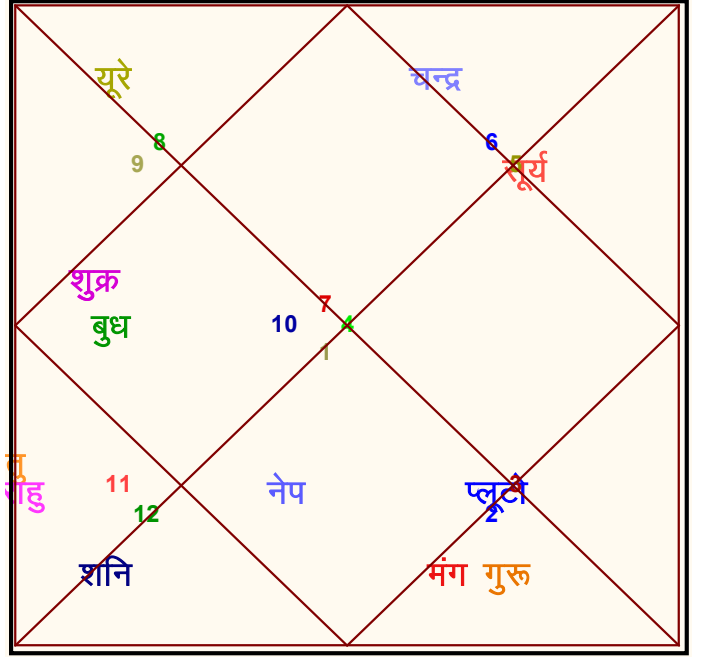
षष्ठांश कुण्डली, एक विभाजन कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 60 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 0.5 डिग्री मापता है। यह कुण्डली अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और इसका उपयोग मुख्य रूप से किसी व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करने वाले सबसे गहरे कर्म प्रभावों को प्रकट करने के लिए किया जाता है। यह एक व्यक्ति के पूर्व जीवन के कर्मों, अव्यक्त झुकावों और उनकी गतिविधियों के सूक्ष्म प्रभावों को प्रकट करता है, जिससे ज्योतिषियों को कर्म असंतुलन को ठीक करने और अत्यधिक संतोषप्रद जीवन जीने का मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है।

पंचमांश कुण्डली (डी 5)



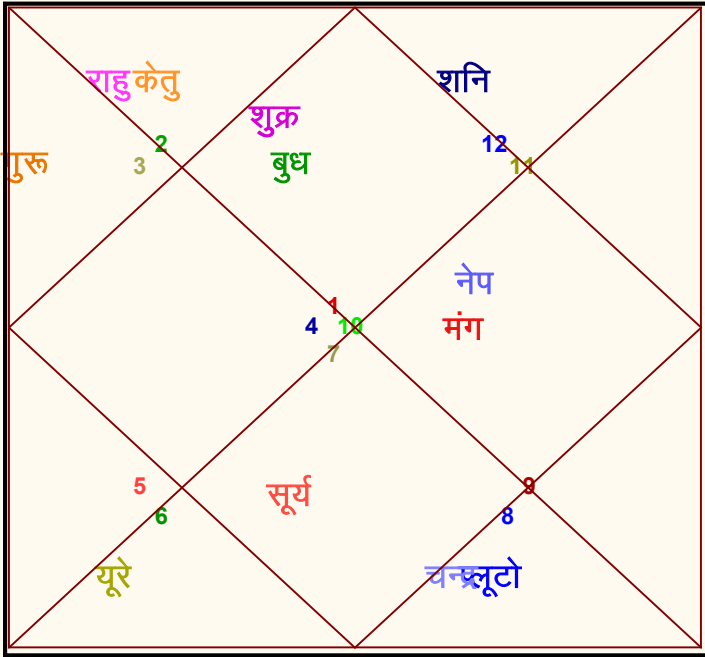
पंचमांश कुण्डली एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 5 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 6 डिग्री में मापता है। यह कुण्डली पारंपरिक वैदिक ज्योतिष में अक्सर उपयोग नहीं किया जाता है, लेकिन यह आधुनिक अभ्यास में लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। यह मुख्य रूप से जीवन के विभिन्न पहलुओं में किसी व्यक्ति की छिपी हुई प्रतिभा और क्षमता में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह उन ज्योतिषियों के लिए उपयोगी जानकारी हो सकती है जो लोगों को उनके विशेष कौशल और गुणों की खोज करने और उन्हें बढ़ावा देने में मार्गदर्शन करते हैं।

षष्ठांश कुण्डली (डी 6)



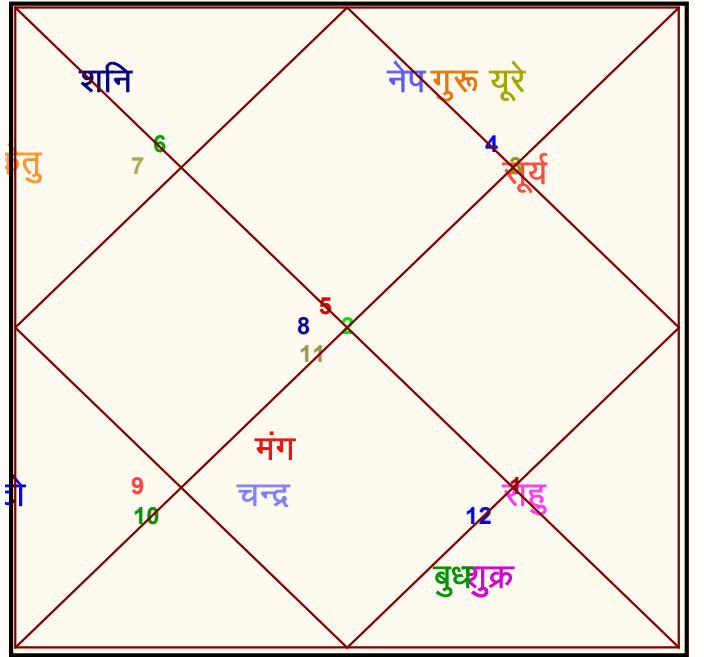
षष्ठांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 6 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक को 5 डिग्री है। इस कुण्डली का पारंपरिक वैदिक ज्योतिष में अक्सर उपयोग नहीं किया जाता है, लेकिन यह आधुनिक अभ्यास में लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। इसका प्राथमिक उद्देश्य किसी व्यक्ति की छिपी हुई शक्तियों और जीवन के कई हिस्सों में खामियों को प्रकट करना है। षष्ठांश कुण्डली ज्योतिषियों को उनकी क्षमता की खोज करने और उन्हें बढ़ावा देने के साथ-साथ समस्याओं पर काबू पाने में मार्गदर्शन करने में सहायता कर सकता है।

अष्टमांश कुण्डली (डी 8)



अष्टमांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 8 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक का माप 3.75 डिग्री है। यह कुण्डली पारंपरिक वैदिक ज्योतिष में शायद ही कभी उपयोग किया जाता है और वर्तमान अभ्यास में इसका बहुत कम उपयोग होता है। यह आमतौर पर किसी व्यक्ति की विशिष्ट विशेषताओं और उनके जीवन पथ से जुड़ी विशेषताओं का पता लगाने के लिए उपयोग किया जाता है। अष्टमांश कुण्डली ज्योतिषियों को लोगों को उनके जीवन के कई पहलुओं को समझने और सुधारने में मदद करने के लिए अधिक जानकारी दे सकता है।

एकादशांश कुण्डली (डी 11)



एकादशांश कुण्डली, एक विभागीय कुण्डली है जो प्रत्येक राशि को मुख्य जन्म कुण्डली में 11 बराबर भागों में विभाजित करता है, प्रत्येक 2.73 डिग्री के आसपास फैला हुआ है। हालांकि यह प्रायः पारंपरिक वैदिक ज्योतिष में नियोजित नहीं होता है, यह वर्तमान अभ्यास में लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। सामान्यतः इसका उपयोग किसी व्यक्ति की उपलब्धियों और जीवन के कई पहलुओं में सफलता, विशेष रूप से उनकी नौकरी और करियर में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए किया जाता है। एकादशांश कुण्डली ज्योतिषियों को उनके चुने हुए क्षेत्र में उनकी अधिकतम क्षमता तक पहुंचने में सहायता करने के लिए उपयोगी जानकारी प्रदान कर सकता है।

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	
शनि	4	2	4	4	3	4	5	3	1	4	3	2	39
गुरु	5	5	4	5	6	4	4	6	4	4	6	3	56
मंगल	3	2	5	2	2	6	2	2	2	3	4	6	39
सूर्य	6	4	5	3	4	5	5	3	3	3	3	4	48
शुक्र	5	4	4	5	5	4	1	5	5	6	4	4	52
बुध	4	3	5	4	4	7	3	6	2	4	6	6	54
चन्द्रमा	4	4	4	4	3	4	4	4	2	6	5	5	49
योग	31	24	31	27	27	34	24	29	19	30	31	30	337

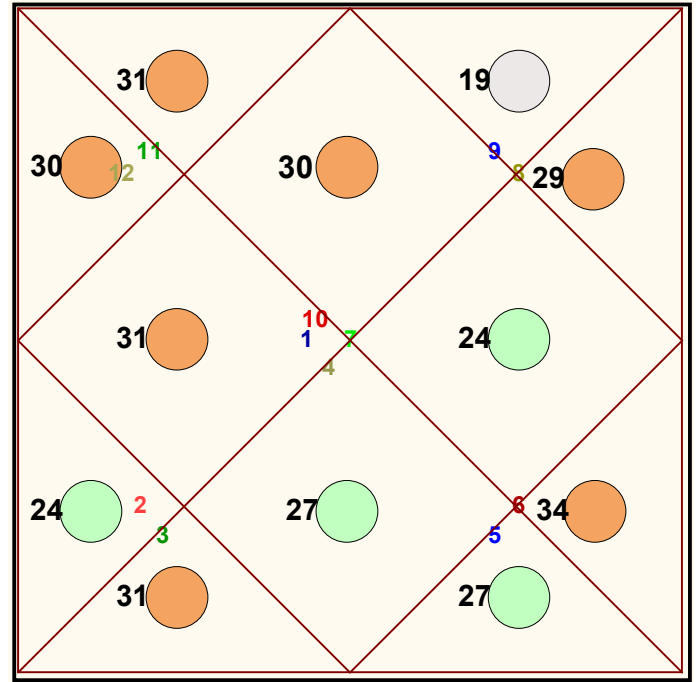
ग्रहों के बल का मूल्यांकन

ग्रहों के बल का मूल्यांकन

घटनाओं की भविष्यवाणी

अनुकूल समय की पहचान

उपाचारीय ज्योतिष



Legends :

● शुभ

● मिश्रित

● अशुभ

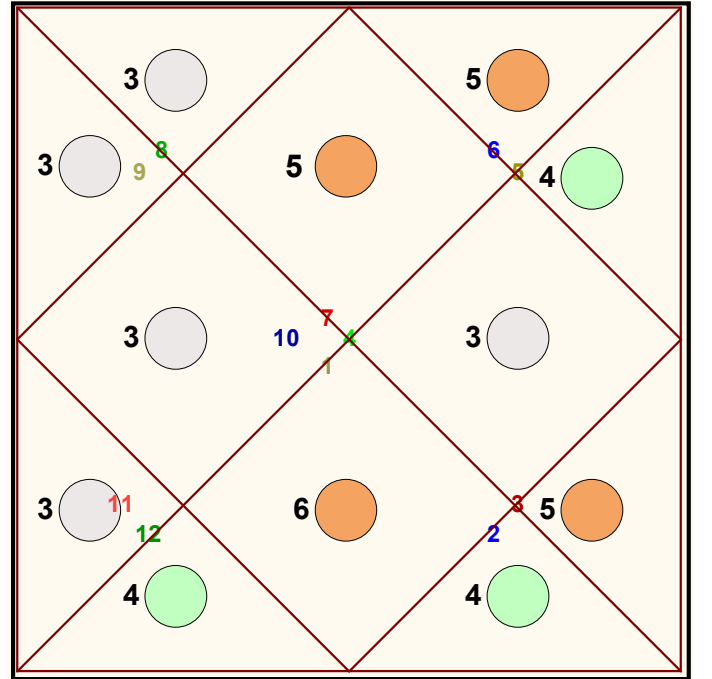
सर्वाष्टकवर्ग योग

काहल योग : आपकी जन्म कुण्डली के सर्वाष्टक वर्ग के तीसरे भाग (नौवें से बारहवें भाव राशि तक) में बहुत अधिक शुभ बिन्दु हैं। इस कारण आपकी कुण्डली में काहल योग है। आप अपने जीवन के पहले चरण (लगभग 24वर्ष तक) में कम, दूसरे चरण (24से 48 वर्ष तक) अधिक और तीसरे चरण (लगभग 48 से 72वर्ष) में सबसे अधिक सुख प्राप्त करेंगे।

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	
♄ शनि	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
♃ गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	4
♂ मंगल	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
☉ सूर्य	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
♂ शुक्र	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	3
♃ बुध	1	0	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	7
☾ चन्द्रमा	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
♃ लग्न	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6
योग	6	4	5	3	4	5	5	3	3	3	3	4	48

सूर्य का कारकत्व

- आत्मा एवं स्व
- अधिकार और नेतृत्व
- स्वास्थ्य और जीवन शक्ति
- पिता और पितातुल्य ब्यक्ति
- करियर और सफलता



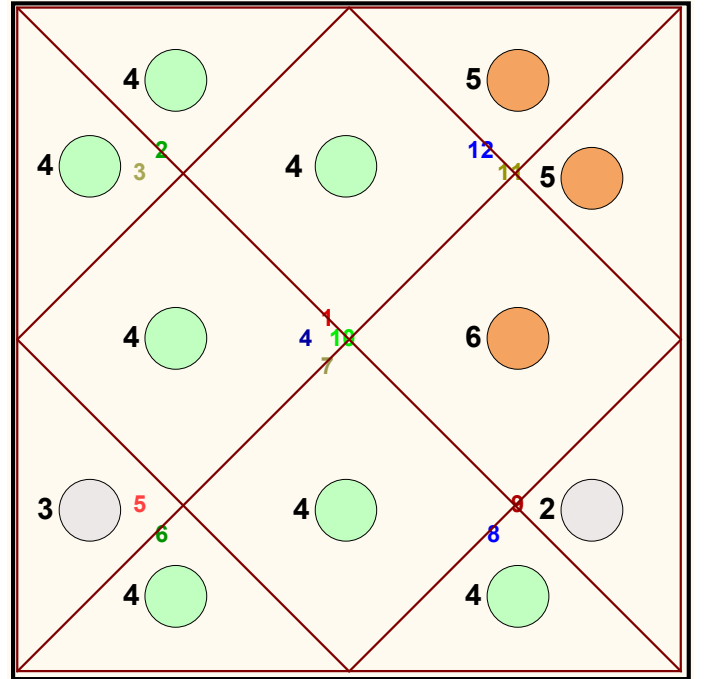
Legends :

- शुभ
- मिश्रित
- अशुभ

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	
♄ शनि	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	4
♃ गुरु	1	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	7
♂ मंगल	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	7
☉ सूर्य	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	6
♃ शुक्र	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	7
♃ बुध	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
☾ चन्द्रमा	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
♃ लग्न	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	4
योग	4	4	4	4	3	4	4	4	2	6	5	5	49

चन्द्रमा का कारकत्व

- मन और भावनाएँ
- माँ और मातातुल्य स्त्री
- घर और पारिवारिक जीवन
- कल्पना और रचनात्मकता
- विकास और पोषण



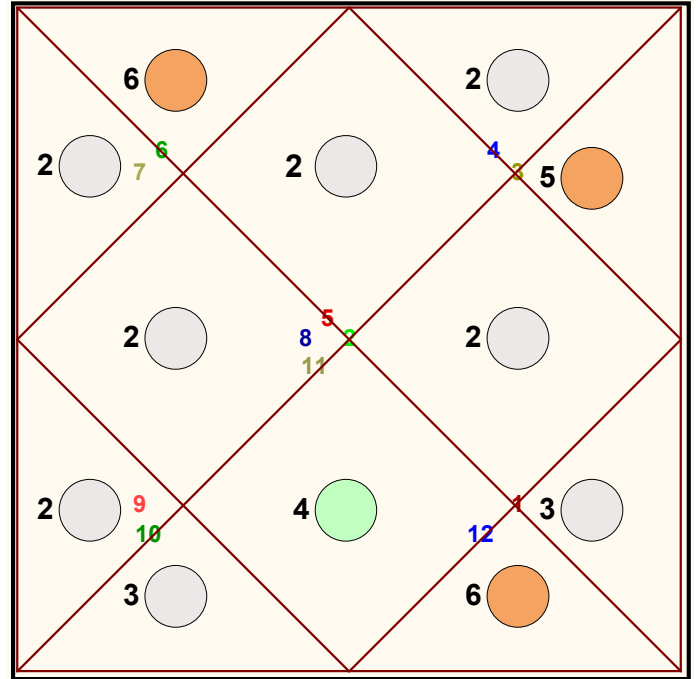
Legends :

- शुभ
- मिश्रित
- अशुभ

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	
♄ शनि	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	7
♁ गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	4
♂ मंगल	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
☉ सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	5
♃ शुक्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	4
♅ बुध	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	4
☾ चन्द्रमा	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
♋ लग्न	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	5
योग	3	2	5	2	2	6	2	2	2	3	4	6	39

मंगल का कारकत्व

- ऊर्जा और क्रिया
- जुनून और संचालन
- आक्रामकता और संघर्ष
- नेतृत्व और उद्यमशीलता
- अभियांत्रिकी और तकनीकी कौशल



Legends :

- शुभ (Orange circle)
- मिश्रित (Green circle)
- अशुभ (Grey circle)

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	
♄ शनि	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
♁ गुरु	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	4
♂ मंगल	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
☉ सूर्य	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	5
♃ शुक्र	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	8
♅ बुध	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	1	8
☾ चन्द्रमा	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	6
♋ लग्न	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	7
योग	4	3	5	4	4	7	3	6	2	4	6	6	54

बुध का कारकत्व

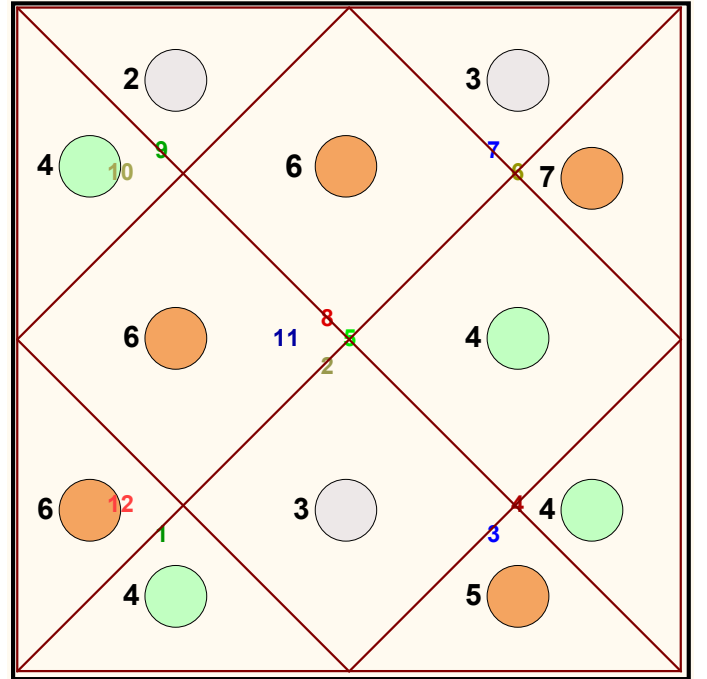
बुद्धि और संचार

वाणिज्य और व्यवसाय

अधिगम और शिक्षा

यात्रा और संचालन

रचनात्मकता और कला



Legends :

● शुभ

● मिश्रित

● अशुभ

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	
♄ शनि	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	4
♁ गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
♃ मंगल	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
☉ सूर्य	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	9
♂ शुक्र	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	6
♃ बुध	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
☾ चन्द्रमा	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	5
♋ लग्न	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	9
योग	5	5	4	5	6	4	4	6	4	4	6	3	56

गुरु का कारकत्व

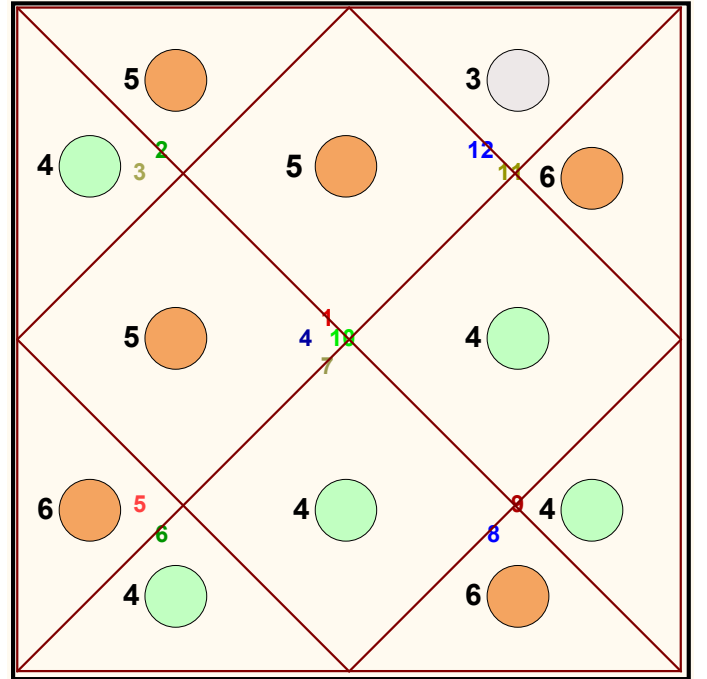
बुद्धि और ज्ञान

विकास और विस्तार

नेतृत्व और अधिकार

संतान और परिवार

आध्यात्मिकता और धर्म



Legends :

● शुभ

● मिश्रित

● अशुभ

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	
♄ शनि	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	7
♁ गुरु	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	5
♃ मंगल	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
☉ सूर्य	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	3
♁ शुक्र	0	0	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	9
♃ बुध	1	0	0	1	0	1	0	0	0	1	0	1	5
☾ चन्द्रमा	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
♁ लग्न	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
योग	5	4	4	5	5	4	1	5	5	6	4	4	52

शुक्र का कारकत्व

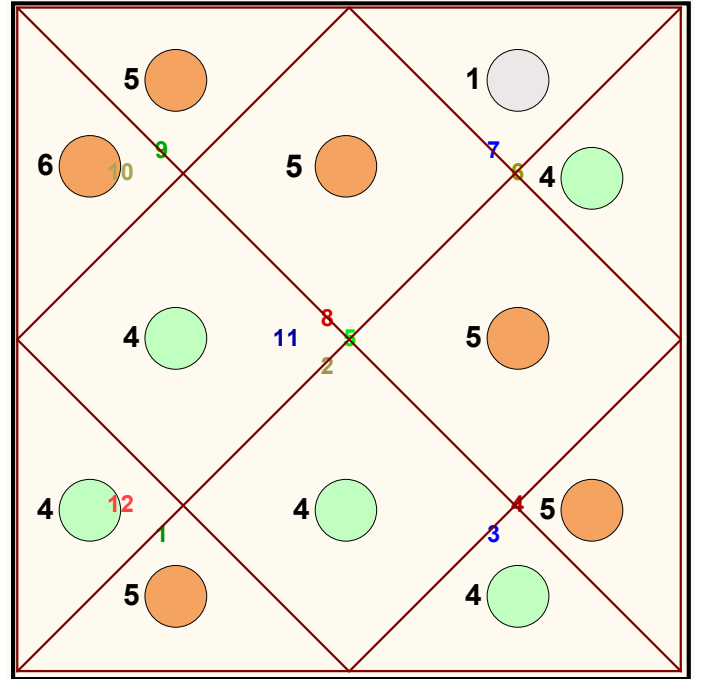
प्रेम और रोमांच

विवाह और साझेदारी

कला और सौंदर्यशास्त्र

विलासिता और सुखसुविधा

वित्त और धन



Legends :

● शुभ

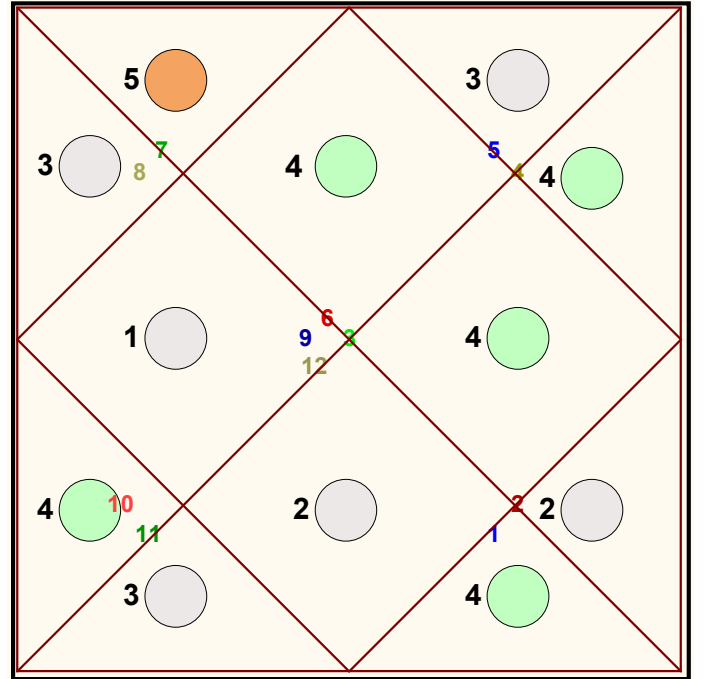
● मिश्रित

● अशुभ

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	
♄ शनि	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	4
♁ गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	4
♃ मंगल	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
☉ सूर्य	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
♃ शुक्र	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	3
♃ बुध	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	6
☾ चन्द्रमा	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
♃ लग्न	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	6
योग	4	2	4	4	3	4	5	3	1	4	3	2	39

शनि का कारकत्व

- कठिन परिश्रम और अनुशासन
- बाधाएं और चुनौतियां
- समय और कर्म
- अधिकार और नेतृत्व
- आध्यात्मिकता और वैराग्य



Legends :

- ♂ शुभ
- ♂ मिश्रित
- ♂ अशुभ

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	
♄ शनि	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	6
♁ गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
♃ मंगल	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5
☉ सूर्य	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	6
♃ शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	1	1	7
♃ बुध	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
☾ चन्द्रमा	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	5
♃ लग्न	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	4
योग	2	2	6	4	4	5	3	4	5	5	5	4	49

राहु का कारकत्व

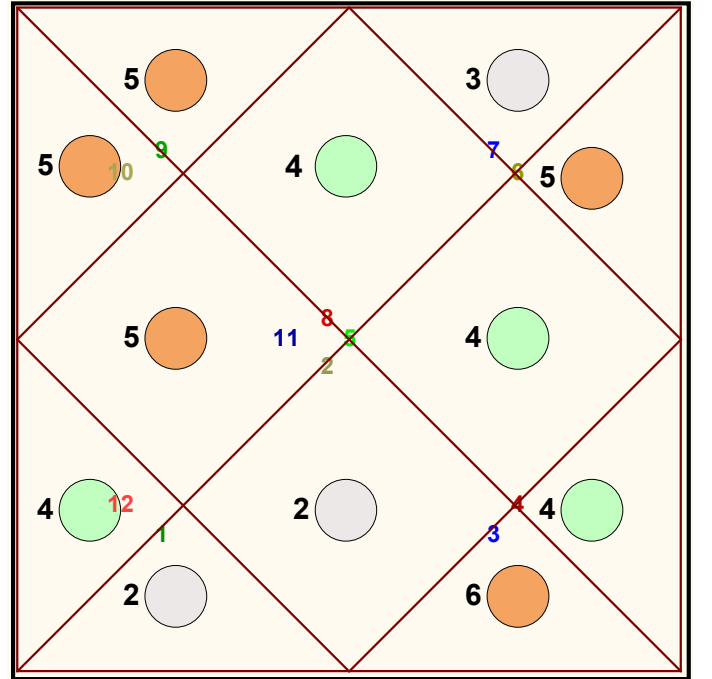
आकांक्षा और सनक

महत्वाकांक्षा और सफलता

भ्रम और धोखा

विदेश भूमि और यात्रा

आध्यात्मिकता और प्रबोधन



Legends :

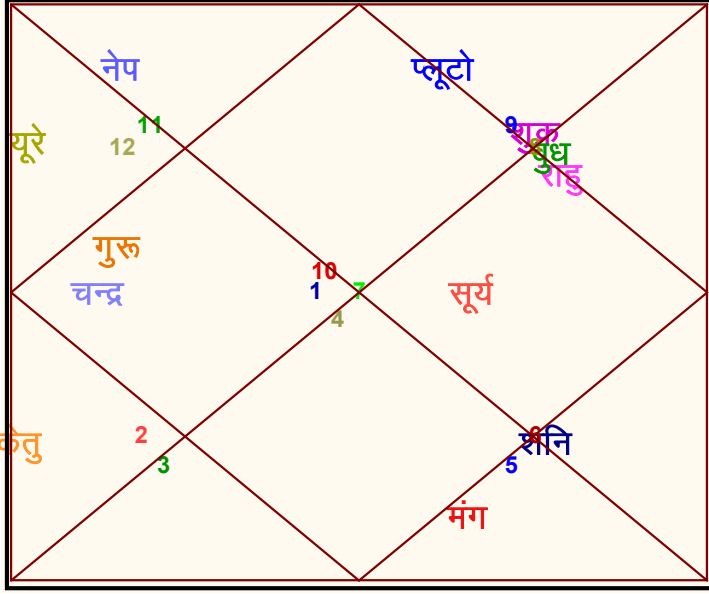
● शुभ

● मिश्रित

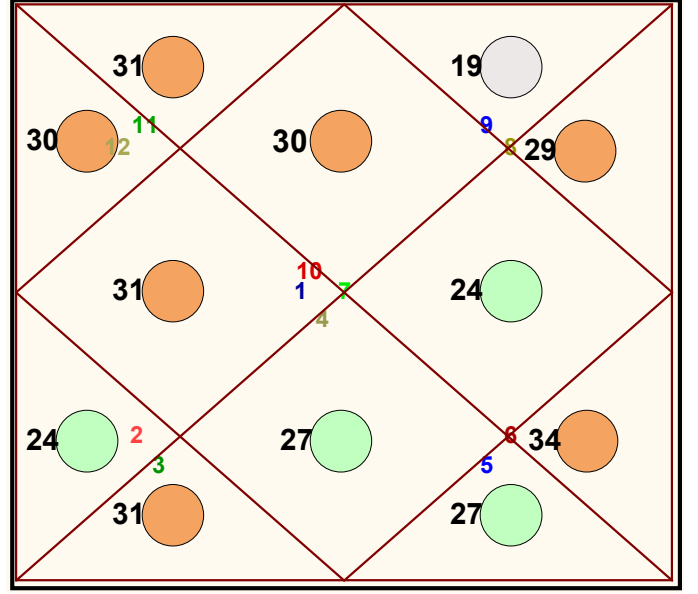
● अशुभ

सर्वाष्टक वर्ग के महत्वपूर्ण बिन्दु

लग्न कुण्डली



सर्वाष्टक वर्ग कुण्डली



तत्व चक्र

सर्वाष्टक वर्ग बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	77	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	88	दक्षिण
वायु त्रिकोन	84.25	86	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	86	उत्तर

(विशेष- सबसे ज्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पूर्व, दक्षिण, पश्चिम और उत्तर)। अगर दोनो भागों के बिन्दुओं की संख्या बराबर या आसपास हैं तो शुभ दिशा (उपू०, दपू०, उप० और दप०) होगी।)

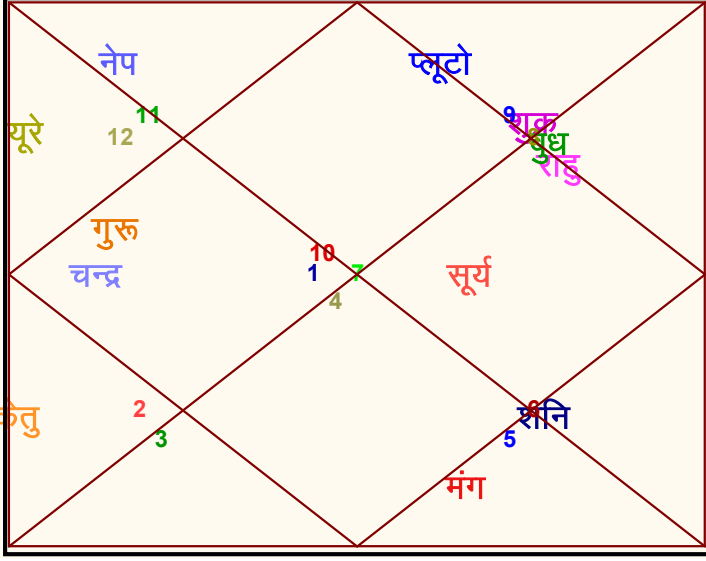
भुवन चक्र

सर्वाष्टक वर्ग बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव-राशि	112.33	112	मेहनत और लगन
पनफरा भाव-राशि	112.33	111	आर्थिक स्थिति
अपोक्लिम् भाव-राशि	112.33	114	वित्त हानि

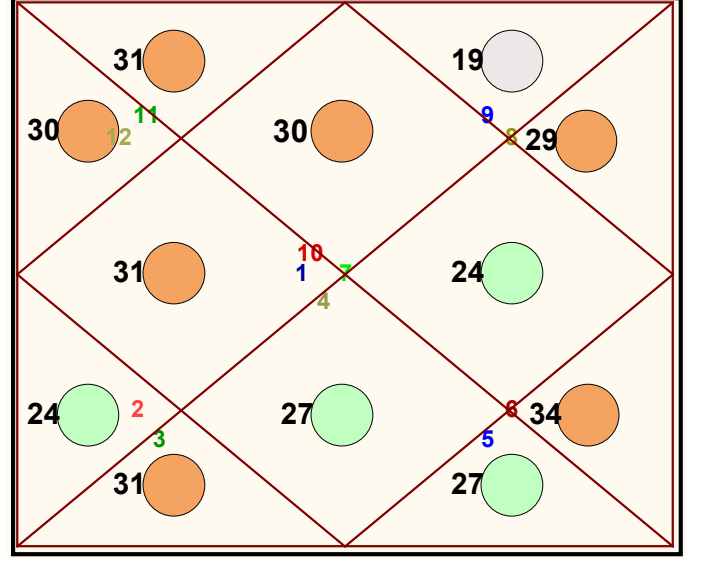
दिशा चक्र

भाग	सर्वाष्टक बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	84.25	88	बन्धु -बान्धवो से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोन	84.25	86	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	84.25	86	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	84.25	77	दुर्भाग्य और हानि

लग्न कुण्डली



सर्वाष्टक वर्ग कुण्डली



जीवन के महत्वपूर्ण कालखण्डों का अवलोकन

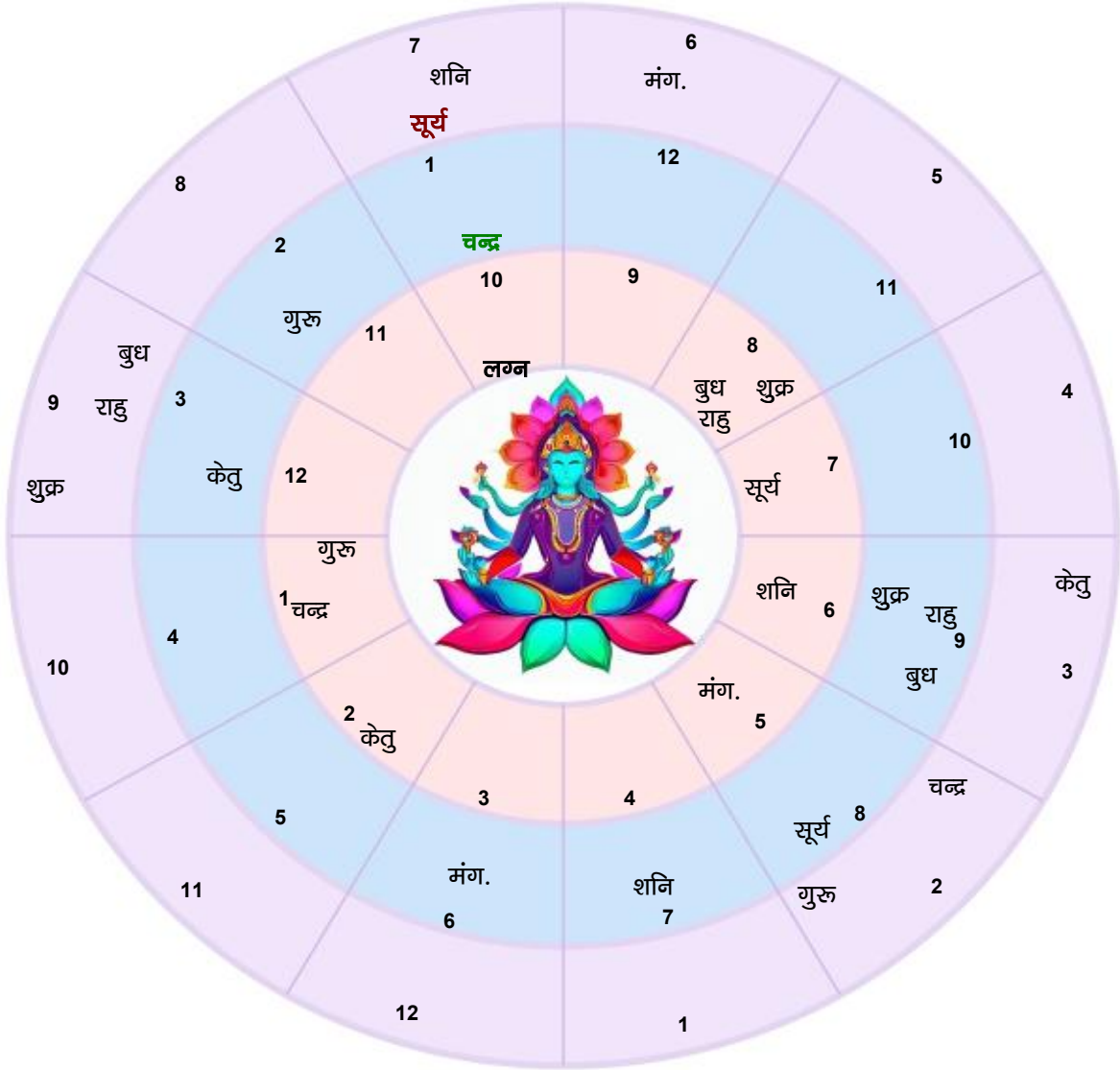
भाग	समयावधि	राशि	स. व. बिन्दु	योग	टिप्पणी	
1st	0 - 24 Years	♈	मकर	30	122	असाधारण
		♉	कुम्भ	31		
		♊	मीन	30		
		♋	मेष	31		
2nd	25-48 Years	♌	वृष	24	109	अच्छा
		♍	मिथुन	31		
		♎	कर्क	27		
		♏	सिंह	27		
3rd	> 48 Years	♐	कन्या	34	106	अच्छा
		♑	तुला	24		
		♒	वृश्चिक	29		
		♓	धनु	19		
1 - 105		106 - 118		> 118		
खराब		अच्छा		असाधारण		

कष्ट तुल्य भाव

भाव	राशि	स. व. बिन्दु	योग	टिप्पणी
6	♍	मिथुन	77	< 84 Good
8	♏	सिंह		
12	♓	धनु		> 84 Not Good

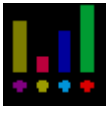


वैदिक ज्योतिष में सुदर्शन चक्र एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो किसी व्यक्ति के जीवन के तीन प्राथमिक पहलुओं, सूर्य (आत्मा), चंद्रमा (मन), और लग्न (शरीर) का प्रतिनिधित्व करने वाला एक व्यापक षष्टिकोण प्रदान करता है। यह जन्म कुंडली के एकीकृत विश्लेषण की अनुमति देता है, सटीक भविष्यवाणियों और व्यापक समझ में सहायता प्रदान करता है। यह तीन अलग-अलग षष्टिकोणों से गोचर का विश्लेषण करके घटनाओं के समय निर्धारण में भी मदद करता है। अंत में, यह समय अवधि की समग्र गुणवत्ता और किसी व्यक्ति के जीवन पर उनके प्रभावों को प्रकट करता है।



सुदर्शन चक्र शुभ और अशुभ ग्रहों के प्रभाव को दर्शाता है यह (i) लग्न (ii) चन्द्रमा और (iii)सूर्य की स्थिति से इन प्रभावों को देखता है। यह जातक की उम्र को भी दर्शाता है कि कब ये प्रभाव जातक पर पड़ेंगे।

यदि केवल शुभ ग्रहों (वृहस्पति, शुक बुध, चन्द्रमा) का प्रभाव है तो पूरा साल खुशीयो से भरा होगा और मांगलिक कार्य होंगे। यदि केवल अशुभ ग्रहों (मंगल, शनि, राहु, केतू, सूर्य) का प्रभाव है तो यह साल अमंगलकारी होगा।



बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	04.82	58.58	02.67	39.40	31.50	16.66	53.18
सप्त वर्ग बल	67.50	52.50	120.00	78.75	37.50	71.25	112.50
युग्म अयुग्म बल	15.00	00.00	15.00	15.00	30.00	15.00	00.00
केन्द्रादी बल	60.00	60.00	30.00	30.00	60.00	30.00	15.00
द्रेक्कन बल	00.00	15.00	15.00	15.00	15.00	00.00	00.00
स्थान बल	147.32	186.08	182.67	178.15	174.00	132.91	180.68
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	89.28	139.91	190.28	107.97	105.46	99.94	188.21
दिग बल	57.80	56.37	36.05	44.66	27.77	09.71	31.10
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	165.15	112.75	120.16	127.59	79.36	19.42	103.65
नतोल्लत बल	57.75	02.25	02.25	57.75	00.00	57.75	02.25
पक्ष बल	01.43	58.57	01.43	01.43	58.57	58.57	01.43
त्रिभाग बल	60.00	00.00	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00
वर्ष बल	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00	00.00	00.00
मास बल	00.00	30.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
दिन बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	45.00	00.00
होरा बल	60.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
अयन बल	07.86	06.48	43.92	57.12	45.38	01.88	40.94
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	187.04	97.29	47.60	116.30	178.95	163.20	44.62
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	167.00	97.29	71.05	103.84	159.77	163.20	66.59
चेष्टा बल	07.86	58.57	30.00	45.00	60.00	45.00	30.00
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	15.72	195.23	75.00	90.00	120.00	150.00	75.00
नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.71	34.29	42.86	08.57
द्रिक बल	-08.08	-18.63	05.51	-18.21	-24.66	-18.21	06.67
कुल षडबल	451.94	431.12	318.97	391.61	450.36	375.47	301.64
षडबल (रूप में)	7.53	7.19	5.32	6.53	7.51	6.26	5.03
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनिय अंश	115.88	119.75	106.32	93.24	115.48	113.78	100.55
तुलनात्मक स्थिति	1	3	6	4	2	5	7
इष्ट फल	08.17	58.57	08.95	42.11	43.48	27.38	39.94
कष्ट फल	51.83	01.43	51.05	17.89	16.52	32.62	20.06
दिप्ति बल	100.00	58.57	26.15	47.90	55.02	28.78	08.30

भाव संख्या	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भाव राशि	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
भावाधिपति बल	301.64	301.64	450.36	318.97	375.47	391.61	431.12	451.94	391.61	375.47	318.97	450.36
भाव दिग्बल	30.00	50.00	50.00	00.00	10.00	10.00	30.00	40.00	20.00	30.00	20.00	50.00
भाव द्विष्टिबल	03.91	12.64	05.60	-22.01	06.55	-06.32	-15.17	04.91	33.33	-15.23	-13.40	-15.88
भावबल योग	335.55	364.28	505.96	296.96	392.03	395.29	445.95	496.85	444.94	390.24	325.57	484.47
भावबल (रूप में)	5.59	6.07	8.43	4.95	6.53	6.59	7.43	8.28	7.42	6.50	5.43	8.07
तुलनात्मक स्थिति	10	9	1	12	7	6	4	2	5	8	11	3

Sun (5 y.0 m.24 d.)

दशा बैलेंश

N.C.Lahiri (024:01:22)

अयनांश



सूर्य (6 वर्ष)



चन्द्रमा (10 वर्ष)



मंगल (7 वर्ष)

11/11/2011 To 05/12/2016		
10th भाव नीच विशेष	तुला राशि विशा. (2) नक्षत्र	मित्र संबन्ध 8 भावपति
सूर्य	-----	-----
चन्द्रमा	-----	-----
मंगल	29-01-2012	00.00
राहु	24-12-2012	00.22
गुरु	12-10-2013	01.12
शनि	23-09-2014	01.92
बुध	31-07-2015	02.87
केतु	05-12-2015	03.72
शुक्र	05-12-2016	04.07

05/12/2016 To 05/12/2026		
4th भाव विशेष	मेष राशि कृति. (1) नक्षत्र	शत्रु संबन्ध 7 भावपति
चन्द्रमा	05-10-2017	05.07
मंगल	06-05-2018	05.90
राहु	05-11-2019	06.48
गुरु	07-03-2021	07.98
शनि	05-10-2022	09.32
बुध	06-03-2024	10.90
केतु	05-10-2024	12.32
शुक्र	06-06-2026	12.90
सूर्य	05-12-2026	14.57

05/12/2026 To 05/12/2033		
8th भाव विशेष	सिंह राशि मघा (2) नक्षत्र	सम संबन्ध 4, 11 भावपति
मंगल	03-05-2027	15.07
राहु	21-05-2028	15.48
गुरु	27-04-2029	16.53
शनि	06-06-2030	17.46
बुध	03-06-2031	18.57
केतु	30-10-2031	19.56
शुक्र	30-12-2032	19.97
सूर्य	06-05-2033	21.13
चन्द्रमा	05-12-2033	21.48



राहु (18 वर्ष)



गुरु (16 वर्ष)



शनि (19 वर्ष)

05/12/2033 To 05/12/2051		
11th भाव नीच विशेष	वृश्चिक राशि ज्येष्ठा (2) नक्षत्र	शत्रु संबन्ध भावपति
राहु	17-08-2036	22.07
गुरु	11-01-2039	24.77
शनि	17-11-2041	27.17
बुध	05-06-2044	30.02
केतु	24-06-2045	32.57
शुक्र	24-06-2048	33.62
सूर्य	19-05-2049	36.62
चन्द्रमा	17-11-2050	37.52
मंगल	05-12-2051	39.02

05/12/2051 To 05/12/2067		
4th भाव वक्री विशेष	मेष राशि अरि. (3) नक्षत्र	मित्र संबन्ध 12, 3 भावपति
गुरु	23-01-2054	40.07
शनि	05-08-2056	42.20
बुध	11-11-2058	44.73
केतु	18-10-2059	47.00
शुक्र	18-06-2062	47.93
सूर्य	06-04-2063	50.60
चन्द्रमा	05-08-2064	51.40
मंगल	12-07-2065	52.73
राहु	05-12-2067	53.67

05/12/2067 To 05/12/2086		
9th भाव विशेष	कन्या राशि चित्रा (2) नक्षत्र	मित्र संबन्ध 1, 2 भावपति
शनि	08-12-2070	56.07
बुध	18-08-2073	59.08
केतु	26-09-2074	61.77
शुक्र	26-11-2077	62.88
सूर्य	08-11-2078	66.04
चन्द्रमा	08-06-2080	66.99
मंगल	18-07-2081	68.58
राहु	24-05-2084	69.68
गुरु	05-12-2086	72.53



बुध (17 वर्ष)

05/12/2086 To 05/12/2103		
11th भाव स्वनक्षत्र विशेष	वृश्चिक राशि ज्येष्ठा (1) नक्षत्र	सम संबन्ध 6, 9 भावपति
बुध	03-05-2089	75.07
केतु	30-04-2090	77.48
शुक्र	28-02-2093	78.47
सूर्य	05-01-2094	81.30
चन्द्रमा	06-06-2095	82.15
मंगल	02-06-2096	83.57
राहु	21-12-2098	84.56
गुरु	28-03-2101	87.11
शनि	05-12-2103	89.38



केतु (7 वर्ष)

05/12/2103 To 05/12/2110		
5th भाव नीच विशेष	वृष राशि रोहि. (4) नक्षत्र	सम संबन्ध भावपति
केतु	03-05-2104	92.07
शुक्र	03-07-2105	92.48
सूर्य	08-11-2105	93.64
चन्द्रमा	09-06-2106	93.99
मंगल	05-11-2106	94.58
राहु	23-11-2107	94.98
गुरु	30-10-2108	96.03
शनि	08-12-2109	96.97
बुध	05-12-2110	98.08



शुक्र (20 वर्ष)

05/12/2110 To 05/12/2130		
11th भाव विशेष	वृश्चिक राशि ज्येष्ठा (1) नक्षत्र	शत्रु संबन्ध 5, 10 भावपति
शुक्र	06-04-2114	99.07
सूर्य	06-04-2115	102.40
चन्द्रमा	05-12-2116	103.40
मंगल	04-02-2118	105.07
राहु	04-02-2121	106.23
गुरु	05-10-2123	109.23
शनि	05-12-2126	111.90
बुध	05-10-2129	115.07
केतु	05-12-2130	117.90

वर्तमान दशा/अन्तर/प्रत्यन्तर/ सूक्ष्म/ प्राण दशा

दशा	ग्रह	आरम्भ	समाप्त
महादशा	चन्द्रमा	05:12:2016 (17:39:34)	05:12:2026 (19:18:58)
अन्तरदशा	बुध	05:10:2022 (23:18:58)	06:03:2024 (05:39:34)
प्रत्यन्तरदशा	गुरु	07:10:2023 (05:43:58)	15:12:2023 (04:23:58)
सूक्ष्मदशा	शुक्र	10:11:2023 (03:16:38)	21:11:2023 (15:03:18)
प्राणदशा	सूर्य	12:11:2023 (01:14:25)	12:11:2023 (15:01:45)

नोट : – सभी दिए गये समय दशा के समाप्ति काल के हैं।

विंशोत्तरी दशा ग्रहों की अवधि के निर्धारण के लिए वैदिक ज्योतिष में प्रयुक्त एक प्रणाली है, जिसे एक व्यक्ति के जीवन में दशा के रूप में भी जाना जाता है। 'विंशोत्तरी' शब्द का अर्थ संस्कृत में '120' है, जो सभी ग्रहों की अवधि के एक पूर्ण चक्र में वर्षों की कुल संख्या का प्रतिनिधित्व करता है।

यह दशा किसी व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा की स्थिति पर आधारित है, और यह वैदिक ज्योतिष के नौ ग्रहों में से प्रत्येक को निश्चित अवधि प्रदान करती है। इस प्रणाली में स्थिति के आधार पर प्रत्येक ग्रह को 6 से 20 वर्ष तक की एक विशिष्ट संख्या दी जाती है।

प्रत्येक ग्रहों की अवधि के दौरान, विचाराधीन/संबंधित ग्रह का व्यक्ति के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। यह प्रभाव सकारात्मक या नकारात्मक हो सकता है, जो व्यक्ति के जन्मकुण्डली और उस समय के विशिष्ट ग्रहों की स्थिति पर निर्भर करता है।

विंशोत्तरी दशा को वैदिक ज्योतिष में एक महत्वपूर्ण उपकरण माना जाता है, क्योंकि यह किसी व्यक्ति के जीवन में प्रमुख घटनाओं और परिवर्तनों की भविष्यवाणी करने के लिए एक विस्तृत और सटीक प्रणाली प्रदान करता है। ज्योतिषियों द्वारा करियर, रिश्ते, स्वास्थ्य, और किसी व्यक्ति के जीवन के अन्य पहलुओं के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है और यह भविष्य में मार्गदर्शन या अंतर्दृष्टि की तलाश करने वालों के लिए एक मूल्यवान उपकरण हो सकता है।



सूर्य दशा

28

(11:11:2011 To 05:12:2016)



सूर्य अन्तर

सूर्य	-----	--
चन्द्रमा	-----	--
मंगल	-----	--
राहु	-----	--
गुरु	-----	--
शनि	-----	--
बुध	-----	--
केतु	-----	--
शुक्र	-----	--



चन्द्रमा अन्तर

चन्द्रमा	-----	--
मंगल	-----	--
राहु	-----	--
गुरु	-----	--
शनि	-----	--
बुध	-----	--
केतु	-----	--
शुक्र	-----	--
सूर्य	-----	--



मंगल अन्तर

(11:11:2011 To 29:01:2012)		
मंगल	-----	--
राहु	-----	--
गुरु	-----	--
शनि	26-11-2011	00.00
बुध	14-12-2011	00.04
केतु	22-12-2011	00.09
शुक्र	12-01-2012	00.11
सूर्य	18-01-2012	00.17
चन्द्रमा	29-01-2012	00.19



राहु अन्तर

(29:01:2012 To 24:12:2012)		
राहु	19-03-2012	00.22
गुरु	01-05-2012	00.35
शनि	23-06-2012	00.47
बुध	08-08-2012	00.61
केतु	28-08-2012	00.74
शुक्र	21-10-2012	00.79
सूर्य	07-11-2012	00.94
चन्द्रमा	04-12-2012	00.99
मंगल	24-12-2012	01.06



गुरु अन्तर

(24:12:2012 To 12:10:2013)		
गुरु	31-01-2013	01.12
शनि	19-03-2013	01.22
बुध	29-04-2013	01.35
केतु	16-05-2013	01.46
शुक्र	04-07-2013	01.51
सूर्य	18-07-2013	01.64
चन्द्रमा	12-08-2013	01.68
मंगल	29-08-2013	01.75
राहु	12-10-2013	01.80



शनि अन्तर

(12:10:2013 To 23:09:2014)		
शनि	05-12-2013	01.92
बुध	24-01-2014	02.07
केतु	13-02-2014	02.20
शुक्र	12-04-2014	02.26
सूर्य	29-04-2014	02.42
चन्द्रमा	28-05-2014	02.46
मंगल	17-06-2014	02.54
राहु	08-08-2014	02.60
गुरु	23-09-2014	02.74



बुध अन्तर

(23:09:2014 To 31:07:2015)		
बुध	06-11-2014	02.87
केतु	24-11-2014	02.99
शुक्र	15-01-2015	03.04
सूर्य	31-01-2015	03.18
चन्द्रमा	25-02-2015	03.22
मंगल	16-03-2015	03.29
राहु	01-05-2015	03.34
गुरु	11-06-2015	03.47
शनि	31-07-2015	03.58



केतु अन्तर

(31:07:2015 To 05:12:2015)		
केतु	07-08-2015	03.72
शुक्र	28-08-2015	03.74
सूर्य	04-09-2015	03.80
चन्द्रमा	14-09-2015	03.81
मंगल	22-09-2015	03.84
राहु	11-10-2015	03.86
गुरु	28-10-2015	03.92
शनि	17-11-2015	03.96
बुध	05-12-2015	04.02



शुक्र अन्तर

(05:12:2015 To 05:12:2016)		
शुक्र	04-02-2016	04.07
सूर्य	23-02-2016	04.23
चन्द्रमा	24-03-2016	04.28
मंगल	14-04-2016	04.37
राहु	08-06-2016	04.43
गुरु	27-07-2016	04.58
शनि	23-09-2016	04.71
बुध	14-11-2016	04.87
केतु	05-12-2016	05.01

Note - All the Dates are indicating Dasha End Date.



चन्द्रमा दशा

(05:12:2016 To 05:12:2026)



चन्द्रमा अन्तर

(05:12:2016 To 05:10:2017)

चन्द्रमा	31-12-2016	05.07
मंगल	17-01-2017	05.14
राहु	04-03-2017	05.18
गुरु	14-04-2017	05.31
शनि	01-06-2017	05.42
बुध	14-07-2017	05.55
केतु	01-08-2017	05.67
शुक्र	20-09-2017	05.72
सूर्य	05-10-2017	05.86



मंगल अन्तर

(05:10:2017 To 06:05:2018)

मंगल	18-10-2017	05.90
राहु	19-11-2017	05.93
गुरु	17-12-2017	06.02
शनि	20-01-2018	06.10
बुध	19-02-2018	06.19
केतु	04-03-2018	06.27
शुक्र	08-04-2018	06.31
सूर्य	19-04-2018	06.41
चन्द्रमा	06-05-2018	06.43



राहु अन्तर

(06:05:2018 To 05:11:2019)

राहु	28-07-2018	06.48
गुरु	09-10-2018	06.71
शनि	03-01-2019	06.91
बुध	22-03-2019	07.15
केतु	23-04-2019	07.36
शुक्र	23-07-2019	07.45
सूर्य	19-08-2019	07.70
चन्द्रमा	04-10-2019	07.77
मंगल	05-11-2019	07.90



गुरु अन्तर

(05:11:2019 To 07:03:2021)

गुरु	09-01-2020	07.98
शनि	26-03-2020	08.16
बुध	03-06-2020	08.37
केतु	02-07-2020	08.56
शुक्र	21-09-2020	08.64
सूर्य	15-10-2020	08.86
चन्द्रमा	25-11-2020	08.93
मंगल	24-12-2020	09.04
राहु	07-03-2021	09.12



शनि अन्तर

(07:03:2021 To 05:10:2022)

शनि	06-06-2021	09.32
बुध	27-08-2021	09.57
केतु	30-09-2021	09.79
शुक्र	04-01-2022	09.88
सूर्य	02-02-2022	10.15
चन्द्रमा	22-03-2022	10.23
मंगल	25-04-2022	10.36
राहु	20-07-2022	10.45
गुरु	05-10-2022	10.69



बुध अन्तर

(05:10:2022 To 06:03:2024)

बुध	18-12-2022	10.90
केतु	17-01-2023	11.10
शुक्र	13-04-2023	11.18
सूर्य	09-05-2023	11.42
चन्द्रमा	21-06-2023	11.49
मंगल	21-07-2023	11.61
राहु	07-10-2023	11.69
गुरु	15-12-2023	11.90
शनि	06-03-2024	12.09



केतु अन्तर

(06:03:2024 To 05:10:2024)

केतु	18-03-2024	12.32
शुक्र	23-04-2024	12.35
सूर्य	03-05-2024	12.45
चन्द्रमा	21-05-2024	12.48
मंगल	03-06-2024	12.53
राहु	05-07-2024	12.56
गुरु	02-08-2024	12.65
शनि	05-09-2024	12.73
बुध	05-10-2024	12.82



शुक्र अन्तर

(05:10:2024 To 06:06:2026)

शुक्र	15-01-2025	12.90
सूर्य	14-02-2025	13.18
चन्द्रमा	06-04-2025	13.26
मंगल	11-05-2025	13.40
राहु	11-08-2025	13.50
गुरु	31-10-2025	13.75
शनि	04-02-2026	13.97
बुध	01-05-2026	14.23
केतु	06-06-2026	14.47



सूर्य अन्तर

(06:06:2026 To 05:12:2026)

सूर्य	15-06-2026	14.57
चन्द्रमा	30-06-2026	14.59
मंगल	11-07-2026	14.63
राहु	07-08-2026	14.66
गुरु	31-08-2026	14.74
शनि	29-09-2026	14.80
बुध	25-10-2026	14.88
केतु	05-11-2026	14.95
शुक्र	05-12-2026	14.98

Note - All the Dates are indicating Dasha End Date.



मंगल दशा

(05:12:2026 To 05:12:2033)



मंगल अन्तर

(05:12:2026 To 03:05:2027)

मंगल	14-12-2026	15.07
राहु	05-01-2027	15.09
गुरु	25-01-2027	15.15
शनि	18-02-2027	15.21
बुध	11-03-2027	15.27
केतु	20-03-2027	15.33
शुक्र	13-04-2027	15.35
सूर्य	21-04-2027	15.42
चन्द्रमा	03-05-2027	15.44



राहु अन्तर

(03:05:2027 To 21:05:2028)

राहु	30-06-2027	15.48
गुरु	20-08-2027	15.63
शनि	20-10-2027	15.77
बुध	13-12-2027	15.94
केतु	04-01-2028	16.09
शुक्र	08-03-2028	16.15
सूर्य	28-03-2028	16.32
चन्द्रमा	29-04-2028	16.38
मंगल	21-05-2028	16.46



गुरु अन्तर

(21:05:2028 To 27:04:2029)

गुरु	06-07-2028	16.53
शनि	29-08-2028	16.65
बुध	16-10-2028	16.80
केतु	05-11-2028	16.93
शुक्र	01-01-2029	16.98
सूर्य	18-01-2029	17.14
चन्द्रमा	15-02-2029	17.19
मंगल	07-03-2029	17.26
राहु	27-04-2029	17.32



शनि अन्तर

(27:04:2029 To 06:06:2030)

शनि	30-06-2029	17.46
बुध	27-08-2029	17.63
केतु	19-09-2029	17.79
शुक्र	26-11-2029	17.86
सूर्य	16-12-2029	18.04
चन्द्रमा	19-01-2030	18.10
मंगल	11-02-2030	18.19
राहु	13-04-2030	18.25
गुरु	06-06-2030	18.42



बुध अन्तर

(06:06:2030 To 03:06:2031)

बुध	27-07-2030	18.57
केतु	17-08-2030	18.71
शुक्र	17-10-2030	18.77
सूर्य	04-11-2030	18.93
चन्द्रमा	04-12-2030	18.98
मंगल	25-12-2030	19.06
राहु	17-02-2031	19.12
गुरु	06-04-2031	19.27
शनि	03-06-2031	19.40



केतु अन्तर

(03:06:2031 To 30:10:2031)

केतु	11-06-2031	19.56
शुक्र	06-07-2031	19.58
सूर्य	14-07-2031	19.65
चन्द्रमा	26-07-2031	19.67
मंगल	04-08-2031	19.70
राहु	26-08-2031	19.73
गुरु	15-09-2031	19.79
शनि	09-10-2031	19.84
बुध	30-10-2031	19.91



शुक्र अन्तर

(30:10:2031 To 30:12:2032)

शुक्र	09-01-2032	19.97
सूर्य	30-01-2032	20.16
चन्द्रमा	06-03-2032	20.22
मंगल	31-03-2032	20.32
राहु	03-06-2032	20.38
गुरु	30-07-2032	20.56
शनि	05-10-2032	20.72
बुध	05-12-2032	20.90
केतु	30-12-2032	21.07



सूर्य अन्तर

(30:12:2032 To 06:05:2033)

सूर्य	05-01-2033	21.13
चन्द्रमा	16-01-2033	21.15
मंगल	23-01-2033	21.18
राहु	11-02-2033	21.20
गुरु	28-02-2033	21.25
शनि	21-03-2033	21.30
बुध	08-04-2033	21.36
केतु	15-04-2033	21.40
शुक्र	06-05-2033	21.43



चन्द्रमा अन्तर

(06:05:2033 To 05:12:2033)

चन्द्रमा	24-05-2033	21.48
मंगल	06-06-2033	21.53
राहु	07-07-2033	21.57
गुरु	05-08-2033	21.65
शनि	08-09-2033	21.73
बुध	08-10-2033	21.82
केतु	20-10-2033	21.91
शुक्र	25-11-2033	21.94
सूर्य	05-12-2033	22.04

Note - All the Dates are indicating Dasha End Date.



राहु दशा

(05:12:2033 To 05:12:2051)



राहु अन्तर

(05:12:2033 To 17:08:2036)

राहु	02-05-2034	22.07
गुरु	11-09-2034	22.47
शनि	14-02-2035	22.83
बुध	03-07-2035	23.26
केतु	30-08-2035	23.64
शुक्र	10-02-2036	23.80
सूर्य	30-03-2036	24.25
चन्द्रमा	21-06-2036	24.38
मंगल	17-08-2036	24.61



गुरु अन्तर

(17:08:2036 To 11:01:2039)

गुरु	13-12-2036	24.77
शनि	30-04-2037	25.09
बुध	01-09-2037	25.47
केतु	23-10-2037	25.81
शुक्र	18-03-2038	25.95
सूर्य	30-04-2038	26.35
चन्द्रमा	12-07-2038	26.47
मंगल	01-09-2038	26.67
राहु	11-01-2039	26.81



शनि अन्तर

(11:01:2039 To 17:11:2041)

शनि	25-06-2039	27.17
बुध	19-11-2039	27.62
केतु	19-01-2040	28.02
शुक्र	10-07-2040	28.19
सूर्य	01-09-2040	28.66
चन्द्रमा	27-11-2040	28.81
मंगल	26-01-2041	29.04
राहु	01-07-2041	29.21
गुरु	17-11-2041	29.64



बुध अन्तर

(17:11:2041 To 05:06:2044)

बुध	29-03-2042	30.02
केतु	22-05-2042	30.38
शुक्र	24-10-2042	30.53
सूर्य	10-12-2042	30.95
चन्द्रमा	25-02-2043	31.08
मंगल	21-04-2043	31.29
राहु	07-09-2043	31.44
गुरु	09-01-2044	31.82
शनि	05-06-2044	32.16



केतु अन्तर

(05:06:2044 To 24:06:2045)

केतु	28-06-2044	32.57
शुक्र	31-08-2044	32.63
सूर्य	19-09-2044	32.80
चन्द्रमा	21-10-2044	32.86
मंगल	12-11-2044	32.94
राहु	09-01-2045	33.00
गुरु	01-03-2045	33.16
शनि	01-05-2045	33.30
बुध	24-06-2045	33.47



शुक्र अन्तर

(24:06:2045 To 24:06:2048)

शुक्र	24-12-2045	33.62
सूर्य	16-02-2046	34.12
चन्द्रमा	19-05-2046	34.27
मंगल	21-07-2046	34.52
राहु	02-01-2047	34.69
गुरु	28-05-2047	35.14
शनि	17-11-2047	35.54
बुध	20-04-2048	36.02
केतु	24-06-2048	36.44



सूर्य अन्तर

(24:06:2048 To 19:05:2049)

सूर्य	10-07-2048	36.62
चन्द्रमा	06-08-2048	36.66
मंगल	26-08-2048	36.74
राहु	14-10-2048	36.79
गुरु	27-11-2048	36.92
शनि	18-01-2049	37.04
बुध	06-03-2049	37.19
केतु	25-03-2049	37.31
शुक्र	19-05-2049	37.37



चन्द्रमा अन्तर

(19:05:2049 To 17:11:2050)

चन्द्रमा	03-07-2049	37.52
मंगल	04-08-2049	37.64
राहु	25-10-2049	37.73
गुरु	06-01-2050	37.95
शनि	03-04-2050	38.15
बुध	19-06-2050	38.39
केतु	21-07-2050	38.60
शुक्र	21-10-2050	38.69
सूर्य	17-11-2050	38.94



मंगल अन्तर

(17:11:2050 To 05:12:2051)

मंगल	09-12-2050	39.02
राहु	05-02-2051	39.08
गुरु	28-03-2051	39.24
शनि	28-05-2051	39.38
बुध	21-07-2051	39.54
केतु	12-08-2051	39.69
शुक्र	15-10-2051	39.75
सूर्य	03-11-2051	39.93
चन्द्रमा	05-12-2051	39.98

Note - All the Dates are indicating Dasha End Date.



गुरु दशा

(05:12:2051 To 05:12:2067)



गुरु अन्तर

(05:12:2051 To 23:01:2054)

गुरु	18-03-2052	40.07
शनि	20-07-2052	40.35
बुध	08-11-2052	40.69
केतु	23-12-2052	40.99
शुक्र	02-05-2053	41.12
सूर्य	10-06-2053	41.47
चन्द्रमा	14-08-2053	41.58
मंगल	28-09-2053	41.76
राहु	23-01-2054	41.88



शनि अन्तर

(23:01:2054 To 05:08:2056)

शनि	18-06-2054	42.20
बुध	27-10-2054	42.60
केतु	20-12-2054	42.96
शुक्र	23-05-2055	43.11
सूर्य	09-07-2055	43.53
चन्द्रमा	24-09-2055	43.66
मंगल	17-11-2055	43.87
राहु	04-04-2056	44.02
गुरु	05-08-2056	44.40



बुध अन्तर

(05:08:2056 To 11:11:2058)

बुध	01-12-2056	44.73
केतु	18-01-2057	45.05
शुक्र	05-06-2057	45.19
सूर्य	16-07-2057	45.56
चन्द्रमा	23-09-2057	45.68
मंगल	11-11-2057	45.87
राहु	15-03-2058	46.00
गुरु	03-07-2058	46.34
शनि	11-11-2058	46.64



केतु अन्तर

(11:11:2058 To 18:10:2059)

केतु	01-12-2058	47.00
शुक्र	27-01-2059	47.05
सूर्य	13-02-2059	47.21
चन्द्रमा	13-03-2059	47.26
मंगल	02-04-2059	47.33
राहु	23-05-2059	47.39
गुरु	07-07-2059	47.53
शनि	30-08-2059	47.65
बुध	18-10-2059	47.80



शुक्र अन्तर

(18:10:2059 To 18:06:2062)

शुक्र	28-03-2060	47.93
सूर्य	16-05-2060	48.38
चन्द्रमा	05-08-2060	48.51
मंगल	01-10-2060	48.73
राहु	24-02-2061	48.89
गुरु	04-07-2061	49.29
शनि	05-12-2061	49.64
बुध	22-04-2062	50.07
केतु	18-06-2062	50.44



सूर्य अन्तर

(18:06:2062 To 06:04:2063)

सूर्य	03-07-2062	50.60
चन्द्रमा	27-07-2062	50.64
मंगल	13-08-2062	50.71
राहु	26-09-2062	50.75
गुरु	04-11-2062	50.87
शनि	20-12-2062	50.98
बुध	30-01-2063	51.11
केतु	16-02-2063	51.22
शुक्र	06-04-2063	51.27



चन्द्रमा अन्तर

(06:04:2063 To 05:08:2064)

चन्द्रमा	17-05-2063	51.40
मंगल	14-06-2063	51.51
राहु	26-08-2063	51.59
गुरु	30-10-2063	51.79
शनि	15-01-2064	51.97
बुध	24-03-2064	52.18
केतु	22-04-2064	52.37
शुक्र	12-07-2064	52.44
सूर्य	05-08-2064	52.67



मंगल अन्तर

(05:08:2064 To 12:07:2065)

मंगल	25-08-2064	52.73
राहु	15-10-2064	52.79
गुरु	30-11-2064	52.93
शनि	23-01-2065	53.05
बुध	12-03-2065	53.20
केतु	01-04-2065	53.33
शुक्र	28-05-2065	53.39
सूर्य	14-06-2065	53.54
चन्द्रमा	12-07-2065	53.59



राहु अन्तर

(12:07:2065 To 05:12:2067)

राहु	21-11-2065	53.67
गुरु	18-03-2066	54.03
शनि	03-08-2066	54.35
बुध	05-12-2066	54.73
केतु	25-01-2067	55.07
शुक्र	20-06-2067	55.21
सूर्य	03-08-2067	55.61
चन्द्रमा	15-10-2067	55.73
मंगल	05-12-2067	55.93

Note - All the Dates are indicating Dasha End Date.



शनि दशा

33

(05:12:2067 To 05:12:2086)



शनि अन्तर

(05:12:2067 To 08:12:2070)

शनि	28-05-2068	56.07
बुध	31-10-2068	56.54
केतु	03-01-2069	56.97
शुक्र	05-07-2069	57.14
सूर्य	29-08-2069	57.65
चन्द्रमा	28-11-2069	57.80
मंगल	31-01-2070	58.05
राहु	15-07-2070	58.22
गुरु	08-12-2070	58.67



बुध अन्तर

(08:12:2070 To 18:08:2073)

बुध	27-04-2071	59.08
केतु	23-06-2071	59.46
शुक्र	04-12-2071	59.61
सूर्य	22-01-2072	60.06
चन्द्रमा	13-04-2072	60.20
मंगल	09-06-2072	60.42
राहु	04-11-2072	60.58
गुरु	15-03-2073	60.98
शनि	18-08-2073	61.34



केतु अन्तर

(18:08:2073 To 26:09:2074)

केतु	10-09-2073	61.77
शुक्र	17-11-2073	61.83
सूर्य	07-12-2073	62.02
चन्द्रमा	10-01-2074	62.07
मंगल	02-02-2074	62.16
राहु	04-04-2074	62.23
गुरु	28-05-2074	62.39
शनि	31-07-2074	62.54
बुध	26-09-2074	62.72



शुक्र अन्तर

(26:09:2074 To 26:11:2077)

शुक्र	07-04-2075	62.88
सूर्य	04-06-2075	63.40
चन्द्रमा	08-09-2075	63.56
मंगल	15-11-2075	63.83
राहु	06-05-2076	64.01
गुरु	08-10-2076	64.48
शनि	09-04-2077	64.91
बुध	20-09-2077	65.41
केतु	26-11-2077	65.86



सूर्य अन्तर

(26:11:2077 To 08:11:2078)

सूर्य	14-12-2077	66.04
चन्द्रमा	11-01-2078	66.09
मंगल	01-02-2078	66.17
राहु	25-03-2078	66.22
गुरु	10-05-2078	66.37
शनि	04-07-2078	66.49
बुध	22-08-2078	66.64
केतु	11-09-2078	66.78
शुक्र	08-11-2078	66.83



चन्द्रमा अन्तर

(08:11:2078 To 08:06:2080)

चन्द्रमा	26-12-2078	66.99
मंगल	29-01-2079	67.12
राहु	25-04-2079	67.22
गुरु	12-07-2079	67.45
शनि	11-10-2079	67.66
बुध	01-01-2080	67.92
केतु	04-02-2080	68.14
शुक्र	10-05-2080	68.23
सूर्य	08-06-2080	68.50



मंगल अन्तर

(08:06:2080 To 18:07:2081)

मंगल	02-07-2080	68.58
राहु	01-09-2080	68.64
गुरु	25-10-2080	68.81
शनि	28-12-2080	68.95
बुध	23-02-2081	69.13
केतु	19-03-2081	69.29
शुक्र	25-05-2081	69.35
सूर्य	15-06-2081	69.54
चन्द्रमा	18-07-2081	69.59



राहु अन्तर

(18:07:2081 To 24:05:2084)

राहु	21-12-2081	69.68
गुरु	09-05-2082	70.11
शनि	21-10-2082	70.49
बुध	17-03-2083	70.94
केतु	17-05-2083	71.35
शुक्र	06-11-2083	71.51
सूर्य	28-12-2083	71.99
चन्द्रमा	24-03-2084	72.13
मंगल	24-05-2084	72.37



गुरु अन्तर

(24:05:2084 To 05:12:2086)

गुरु	25-09-2084	72.53
शनि	18-02-2085	72.87
बुध	29-06-2085	73.27
केतु	22-08-2085	73.63
शुक्र	23-01-2086	73.78
सूर्य	11-03-2086	74.20
चन्द्रमा	27-05-2086	74.33
मंगल	20-07-2086	74.54
राहु	05-12-2086	74.69

Note - All the Dates are indicating Dasha End Date.



बुध दशा

(05:12:2086 To 05:12:2103)



बुध अन्तर

(05:12:2086 To 03:05:2089)

बुध	09-04-2087	75.07
केतु	30-05-2087	75.41
शुक्र	24-10-2087	75.55
सूर्य	07-12-2087	75.95
चन्द्रमा	18-02-2088	76.07
मंगल	09-04-2088	76.27
राहु	20-08-2088	76.41
गुरु	15-12-2088	76.77
शनि	03-05-2089	77.09



केतु अन्तर

(03:05:2089 To 30:04:2090)

केतु	24-05-2089	77.48
शुक्र	24-07-2089	77.53
सूर्य	11-08-2089	77.70
चन्द्रमा	10-09-2089	77.75
मंगल	01-10-2089	77.83
राहु	24-11-2089	77.89
गुरु	12-01-2090	78.04
शनि	10-03-2090	78.17
बुध	30-04-2090	78.33



शुक्र अन्तर

(30:04:2090 To 28:02:2093)

शुक्र	20-10-2090	78.47
सूर्य	10-12-2090	78.94
चन्द्रमा	07-03-2091	79.08
मंगल	06-05-2091	79.32
राहु	08-10-2091	79.48
गुरु	23-02-2092	79.91
शनि	05-08-2092	80.28
बुध	30-12-2092	80.73
केतु	28-02-2093	81.13



सूर्य अन्तर

(28:02:2093 To 05:01:2094)

सूर्य	16-03-2093	81.30
चन्द्रमा	11-04-2093	81.34
मंगल	29-04-2093	81.41
राहु	14-06-2093	81.46
गुरु	26-07-2093	81.59
शनि	13-09-2093	81.70
बुध	27-10-2093	81.84
केतु	14-11-2093	81.96
शुक्र	05-01-2094	82.01



चन्द्रमा अन्तर

(05:01:2094 To 06:06:2095)

चन्द्रमा	17-02-2094	82.15
मंगल	19-03-2094	82.27
राहु	05-06-2094	82.35
गुरु	12-08-2094	82.56
शनि	02-11-2094	82.75
बुध	15-01-2095	82.98
केतु	14-02-2095	83.18
शुक्र	11-05-2095	83.26
सूर्य	06-06-2095	83.50



मंगल अन्तर

(06:06:2095 To 02:06:2096)

मंगल	27-06-2095	83.57
राहु	20-08-2095	83.62
गुरु	07-10-2095	83.77
शनि	04-12-2095	83.91
बुध	24-01-2096	84.06
केतु	14-02-2096	84.20
शुक्र	15-04-2096	84.26
सूर्य	03-05-2096	84.43
चन्द्रमा	02-06-2096	84.48



राहु अन्तर

(02:06:2096 To 21:12:2098)

राहु	20-10-2096	84.56
गुरु	21-02-2097	84.94
शनि	19-07-2097	85.28
बुध	28-11-2097	85.68
केतु	21-01-2098	86.05
शुक्र	25-06-2098	86.19
सूर्य	11-08-2098	86.62
चन्द्रमा	27-10-2098	86.75
मंगल	21-12-2098	86.96



गुरु अन्तर

(21:12:2098 To 28:03:2101)

गुरु	10-04-2099	87.11
शनि	19-08-2099	87.41
बुध	14-12-2099	87.77
केतु	31-01-2100	88.09
शुक्र	18-06-2100	88.22
सूर्य	30-07-2100	88.60
चन्द्रमा	06-10-2100	88.71
मंगल	24-11-2100	88.90
राहु	28-03-2101	89.04



शनि अन्तर

(28:03:2101 To 05:12:2103)

शनि	30-08-2101	89.38
बुध	17-01-2102	89.80
केतु	15-03-2102	90.18
शुक्र	26-08-2102	90.34
सूर्य	14-10-2102	90.79
चन्द्रमा	04-01-2103	90.92
मंगल	02-03-2103	91.15
राहु	27-07-2103	91.30
गुरु	05-12-2103	91.71

Note - All the Dates are indicating Dasha End Date.



केतु दशा

35

(05:12:2103 To 05:12:2110)



केतु अन्तर

(05:12:2103 To 03:05:2104)

केतु	14-12-2103	92.07
शुक्र	08-01-2104	92.09
सूर्य	15-01-2104	92.16
चन्द्रमा	28-01-2104	92.18
मंगल	06-02-2104	92.21
राहु	28-02-2104	92.24
गुरु	19-03-2104	92.30
शनि	12-04-2104	92.35
बुध	03-05-2104	92.42



शुक्र अन्तर

(03:05:2104 To 03:07:2105)

शुक्र	13-07-2104	92.48
सूर्य	03-08-2104	92.67
चन्द्रमा	08-09-2104	92.73
मंगल	03-10-2104	92.83
राहु	06-12-2104	92.89
गुरु	01-02-2105	93.07
शनि	09-04-2105	93.22
बुध	08-06-2105	93.41
केतु	03-07-2105	93.57



सूर्य अन्तर

(03:07:2105 To 08:11:2105)

सूर्य	10-07-2105	93.64
चन्द्रमा	20-07-2105	93.66
मंगल	28-07-2105	93.69
राहु	16-08-2105	93.71
गुरु	02-09-2105	93.76
शनि	22-09-2105	93.81
बुध	10-10-2105	93.86
केतु	18-10-2105	93.91
शुक्र	08-11-2105	93.93



चन्द्रमा अन्तर

(08:11:2105 To 09:06:2106)

चन्द्रमा	26-11-2105	93.99
मंगल	08-12-2105	94.04
राहु	09-01-2106	94.07
गुरु	06-02-2106	94.16
शनि	12-03-2106	94.24
बुध	11-04-2106	94.33
केतु	24-04-2106	94.41
शुक्र	29-05-2106	94.45
सूर्य	09-06-2106	94.55



मंगल अन्तर

(09:06:2106 To 05:11:2106)

मंगल	18-06-2106	94.58
राहु	10-07-2106	94.60
गुरु	30-07-2106	94.66
शनि	22-08-2106	94.71
बुध	12-09-2106	94.78
केतु	21-09-2106	94.84
शुक्र	16-10-2106	94.86
सूर्य	23-10-2106	94.93
चन्द्रमा	05-11-2106	94.95



राहु अन्तर

(05:11:2106 To 23:11:2107)

राहु	01-01-2107	94.98
गुरु	21-02-2107	95.14
शनि	23-04-2107	95.28
बुध	16-06-2107	95.45
केतु	09-07-2107	95.60
शुक्र	11-09-2107	95.66
सूर्य	30-09-2107	95.83
चन्द्रमा	01-11-2107	95.88
मंगल	23-11-2107	95.97



गुरु अन्तर

(23:11:2107 To 30:10:2108)

गुरु	08-01-2108	96.03
शनि	02-03-2108	96.16
बुध	19-04-2108	96.31
केतु	09-05-2108	96.44
शुक्र	05-07-2108	96.49
सूर्य	22-07-2108	96.65
चन्द्रमा	19-08-2108	96.69
मंगल	08-09-2108	96.77
राहु	30-10-2108	96.83



शनि अन्तर

(30:10:2108 To 08:12:2109)

शनि	02-01-2109	96.97
बुध	28-02-2109	97.14
केतु	24-03-2109	97.30
शुक्र	30-05-2109	97.36
सूर्य	19-06-2109	97.55
चन्द्रमा	23-07-2109	97.60
मंगल	16-08-2109	97.70
राहु	15-10-2109	97.76
गुरु	08-12-2109	97.93



बुध अन्तर

(08:12:2109 To 05:12:2110)

बुध	29-01-2110	98.08
केतु	19-02-2110	98.22
शुक्र	20-04-2110	98.27
सूर्य	08-05-2110	98.44
चन्द्रमा	07-06-2110	98.49
मंगल	28-06-2110	98.57
राहु	22-08-2110	98.63
गुरु	09-10-2110	98.78
शनि	05-12-2110	98.91

Note - All the Dates are indicating Dasha End Date.



शुक्र दशा

(05:12:2110 To 05:12:2130)



शुक्र अन्तर

(05:12:2110 To 06:04:2114)

शुक्र	26-06-2111	99.07
सूर्य	26-08-2111	99.62
चन्द्रमा	05-12-2111	99.79
मंगल	14-02-2112	100.07
राहु	15-08-2112	100.26
गुरु	25-01-2113	100.76
शनि	06-08-2113	101.21
बुध	25-01-2114	101.73
केतु	06-04-2114	102.21



सूर्य अन्तर

(06:04:2114 To 06:04:2115)

सूर्य	24-04-2114	102.40
चन्द्रमा	25-05-2114	102.45
मंगल	15-06-2114	102.53
राहु	09-08-2114	102.59
गुरु	26-09-2114	102.74
शनि	23-11-2114	102.88
बुध	14-01-2115	103.03
केतु	04-02-2115	103.18
शुक्र	06-04-2115	103.23



चन्द्रमा अन्तर

(06:04:2115 To 05:12:2116)

चन्द्रमा	27-05-2115	103.40
मंगल	01-07-2115	103.54
राहु	30-09-2115	103.64
गुरु	21-12-2115	103.89
शनि	26-03-2116	104.11
बुध	20-06-2116	104.37
केतु	26-07-2116	104.61
शुक्र	05-11-2116	104.71
सूर्य	05-12-2116	104.98



मंगल अन्तर

(05:12:2116 To 04:02:2118)

मंगल	30-12-2116	105.07
राहु	04-03-2117	105.13
गुरु	30-04-2117	105.31
शनि	06-07-2117	105.47
बुध	05-09-2117	105.65
केतु	29-09-2117	105.82
शुक्र	09-12-2117	105.88
सूर्य	31-12-2117	106.08
चन्द्रमा	04-02-2118	106.14



राहु अन्तर

(04:02:2118 To 04:02:2121)

राहु	18-07-2118	106.23
गुरु	11-12-2118	106.68
शनि	03-06-2119	107.08
बुध	05-11-2119	107.56
केतु	08-01-2120	107.98
शुक्र	09-07-2120	108.16
सूर्य	02-09-2120	108.66
चन्द्रमा	02-12-2120	108.81
मंगल	04-02-2121	109.06



गुरु अन्तर

(04:02:2121 To 05:10:2123)

गुरु	14-06-2121	109.23
शनि	15-11-2121	109.59
बुध	02-04-2122	110.01
केतु	29-05-2122	110.39
शुक्र	07-11-2122	110.54
सूर्य	26-12-2122	110.99
चन्द्रमा	17-03-2123	111.12
मंगल	12-05-2123	111.34
राहु	05-10-2123	111.50



शनि अन्तर

(05:10:2123 To 05:12:2126)

शनि	06-04-2124	111.90
बुध	17-09-2124	112.40
केतु	24-11-2124	112.85
शुक्र	04-06-2125	113.03
सूर्य	01-08-2125	113.56
चन्द्रमा	05-11-2125	113.72
मंगल	12-01-2126	113.98
राहु	04-07-2126	114.17
गुरु	05-12-2126	114.64



बुध अन्तर

(05:12:2126 To 05:10:2129)

बुध	01-05-2127	115.07
केतु	30-06-2127	115.47
शुक्र	19-12-2127	115.63
सूर्य	09-02-2128	116.11
चन्द्रमा	06-05-2128	116.25
मंगल	05-07-2128	116.48
राहु	08-12-2128	116.65
गुरु	25-04-2129	117.07
शनि	05-10-2129	117.45



केतु अन्तर

(05:10:2129 To 05:12:2130)

केतु	30-10-2129	117.90
शुक्र	09-01-2130	117.97
सूर्य	31-01-2130	118.16
चन्द्रमा	07-03-2130	118.22
मंगल	01-04-2130	118.32
राहु	04-06-2130	118.39
गुरु	31-07-2130	118.56
शनि	06-10-2130	118.72
बुध	05-12-2130	118.90

Note - All the Dates are indicating Dasha End Date.

विस्तृत पंचागं विवरण

पंचागं ज्योतिष के पांच प्रमुख घटकों का सम्मिश्रण होता है- वार, तिथि, नक्षत्र, योग और करण, जो ज्योतिषियों को जातक के पंचाग फल की गणना करने में सहायता करता है। जातक के जन्म के समय इन पांच कारकों को ध्यान में रखते हुए ज्योतिषी जीवन के उतार-चढ़ाव को दर्शाते हुए एक स्पष्ट चित्र बना सकता है।



खर
संवत्सर



दक्षिण
अयन



हेमन्त
ऋतु



अग्रहन
चन्द्र मास



कृष्ण
पक्ष



शुक्रवार
वार



प्रतिपदा
तिथि



कृतिका
नक्षत्र



बल्लव
करण



वारियन
सूर्य सिद्धान्त योग



दिवा जन्म
दिवा / रात्रि जन्म



मकर
द्रेष्काण



ब्राह्मस्पत्य/संवत्सर में जन्म

आपका जन्म खर संवत्सर में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव मौजूद नहीं हैं, तो परिणाम बिल्कुल भी अनुकूल नहीं हो सकते हैं। यद्यपि आपका कद लम्बा, शारीरिक संरचना मजबूत व बलिष्ठ हो सकती है—फिर भी आप दिखने में बहुत आकर्षक नहीं हो सकते हैं। आपमें कटु शब्दों को तेज आवाज में बोलने की आदत हो सकती है— बिना किसी उद्देश्य के भी, जिससे लोग आपको नापसंद कर सकते हैं। आपमें शर्म का अभाव हो सकता है और आप तुनकमिजाज एवं झगड़ालू हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप कामुक और मलिन हो सकते हैं। आप केवल अपने जैसी सोच वाले लोगों के साथ क्षणिक संबंध बनाएंगे।



अयन में जन्म

आपका जन्म सूर्य के दक्षिणायन (यमयायन) में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रतिकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो संकेत अनुकूल नहीं हैं। आप कुछ हद तक दम्भी और हठी प्रकृति या असहिष्णु स्वभाव वाले व्यक्ति हो सकते हैं। आप कठोर हृदय वाले या कपटी हो सकते हैं। आप कृषि कार्य और/या मवेशियों के पालन से अपनी जीविकोपार्जन कर सकते हैं। साथ ही, आप कुछ ऐसे कार्यों को करने में संलग्न हो सकते हैं, जहां आपके द्वारा किए गए कार्यों की अपेक्षा आपको प्राप्त होने वाला पारिश्रमिक बिल्कुल भी सामंजस्यपूर्ण नहीं हो सकता है।



ऋतु में जन्म

आपका जन्म शरद ऋतु में हुआ है। यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो ये संकेत अनुकूल हैं। आपकी शारीरिक संरचना वातमय प्रकृति की हो सकती है— जिसके कारण आप अस्थिर मन और शीघ्र क्रोधित होने वाली प्रवृत्ति के हो सकते हैं। आप साहस और शक्ति की प्रतिमूर्ति होंगे और युद्ध आदि में जीत प्राप्त करने की आपमें एक प्रबल चाह विद्यमान होगी। आप अपने स्वयं के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए स्वयं के कार्य पर ध्यान देंगे, उत्तम मात्रा में धन संग्रह करेंगे और कई मूल्यवान वस्तुएं प्राप्त करेंगे। आप एक शुद्ध हृदय वाले व्यक्ति होंगे और सामान्य लोग आपके साथ आदर व सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे।

02

चन्द्र मास में जन्म

आपका जन्म मार्गशीर्ष/अग्रहायन मास (नवम्बर/दिसम्बर) में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रतिकारी प्रभाव मौजूद नहीं हैं, तो संकेत बहुत अनुकूल हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व और सुन्दर स्वरूप वाले होंगे। यद्यपि आप कुछ-कुछ कामुक और मौजमस्ती प्रिय हो सकते हैं, फिर भी आप शालीन बर्ताव और उत्तम नैतिक चरित्र वाले होंगे। आप बहुत बुद्धिमान होंगे एवं ललित कालाओं की किसी विधा में निपुणता हासिल कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेंगे एवं निरन्तर बढ़ती हुई समृद्धि के बीच जीवन—यापन करेंगे। आपका धार्मिक रुझान बहुत उत्कृष्ट होगा तथा आप कई तीर्थ केन्द्रों का भ्रमण करेंगे। अपने कुछ प्रशंसनीय परोपकारी कार्यों के लिए आप जीवन भर अकलंकित प्रतिष्ठा और सम्मान का आनन्द लेंगे।



पक्ष में जन्म

आपका जन्म कृष्ण पक्ष में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो ये संकेत अनुकूल नहीं हैं। आपकी शारीरिक संरचना कुछ-कुछ कमजोर हो सकती है और आप आसानी से रोगादि से ग्रसित हो सकते हैं। आप चंचल प्रकृति और अस्थिर स्वभाव वाले हो सकते हैं। आप पर शरारती और/या झगड़ालु होने का छाप लग सकती है। आप बहुत भावुक प्रकृति के हो सकते हैं, चीजों को उनके उचित परिपेक्ष्य में देखे बिना ही आप राई को पहाड़ बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप कामुक हो सकते हैं और अपने जीवनसाथी की खुशामद कर सकते हैं।



वार में जन्म

आपका जन्म शुक्रवार को हुआ है। दिवसपति शुक्र की स्थिति आपकी कुण्डली में काफी महत्वपूर्ण है। इसका फल-भाव में इसकी स्थिति के अनुसार— और भी अधिक महत्वपूर्ण होगा। सामान्यतः अन्य सारे संकेत अनुकूल हैं। आप अत्यंत बुद्धिमान और विद्वान व्यक्ति होंगे एवं हमेशा न्यायसंगत मार्ग का अनुसरण करेंगे। आप आकर्षक व्यक्तित्व, हंसमुख चेहरा और दिलकश बर्ताव से सम्पन्न होंगे एवं अपने इन गुणों से आप अपने से मिलने वाले व्यक्ति के मन पर अपनी एक अमिट छाप छोड़ने में सक्षम होंगे। आप सुन्दर और विलासितापूर्ण वस्तुओं— जिससे जीवन सजीव हो, के असाधारण रूप से शौकीन होंगे। आपको सफेद, क्रीम और चांदी जैसे चमकते रंग सर्वाधिक पसन्द होंगे।



दिवा / रात्रि में जन्म

आपका जन्म दिन के समय में हुआ है। ये संकेत अनुकूल हैं। आप सक्रिय, उर्जावान, बुद्धिमान और प्रतिभाशाली होंगे आपको अपने पिता से सद्गुण विरासत में प्राप्त होंगे, सुन्दर प्रभावशाली आँखें होंगी और आशावादी दृष्टिकोण होगा। आप अपने सराहनीय कार्यों के लिए जाने जाएंगे। आपकी आय उत्तम होगी और उच्च स्तरीय जीवन वाले लोगों से आपकी मित्रता होगी। आपके सद्गुणों और गुणों के लिए, सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे।



सूर्य सिद्धान्त योग में जन्म

सूर्य—सिद्धान्त के अनुसार आपका जन्म आर्यन योग में हुआ है। यह योग अनुकूल श्रेणी से संबंध रखता है। इस योग में जन्म होने के कारण, आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। जैसाकि नाम से प्रदर्शित होता है, कि आप मानवता, सद्गुणों, सहनशीलता और धैर्य की प्रतिमूर्ति होंगे। धन और उत्कृष्ट गुणात्मक योग्यताओं से सम्पन्न होने के अलावा, आप सम्य और विनम्र स्वभाव के व्यक्ति होंगे। आपकी निष्पक्ष प्रकृति और उदार स्वभाव के कारण लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे।



तिथि में जन्म

आपका जन्म प्रतिपदा या पहली तिथि को हुआ है। विद्वान होने व निर्णय की शक्ति से सम्पन्न होने के अतिरिक्त, अ सुन्दर व्यक्तित्व और उत्तम नैतिक चरित्र वाले भी होंगे। आप धनवान होंगे एवं ऊँचे तबके के लोगों से आपको सम्मा मिलेगा। आपका परिवार बड़ा हो सकता है और आपकी आय पर्याप्त नहीं हो सकती है— जैसाकि आपके वांछित गुण का नाश हो सकता है। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान दांव पर लग सकते हैं एवं आपकी लोकप्रियता कम हो सकती है।



करन में जन्म

आपका जन्म बलव करन में हुआ है। यह चर श्रेणी का दूसरा करन है। आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। आप स्वस्थ शारीरिक संरचना, आकर्षक व्यक्तित्व और सुन्दर स्वरूप वाले होंगे। इसके अतिरिक्त, आप बुद्धिमान, ज्ञानी अं विभिन्न विषयों में निपुण होंगे। आप ललित कलाओं की किसी शाखा में कुछ प्रवीणता हासिल कर सकते हैं। धन व सम्पदा के मामले में आप भाग्यवान होंगे और सदैव अपने रिश्तेदारों, मित्रों व शुभचिन्तकों से घिरे रहेंगे। आप कामुक प्रकृति के हो सकते हैं और आपके किसी अन्तरंग संबंध का खुलासा हो जाने के कारण आपके प्रतिष्ठित व्यक्तित्व प धब्बे लग सकते हैं।



नक्षत्र में जन्म

आपकी जन्मकुण्डली में, चंद्रमा कृतिका नक्षत्र में स्थित है। इस नक्षत्र में जन्म लेने के कारण, उज्ज्वल व आकर्षक व्यक्तित्व वाले होंगे। किन्तु आपको भूख अत्यधिक लग सकती है और पेटू अर्थात् अत्यधिक भोजन करने वाले हो सकते हैं। आप उर्जा व जोश से परिपूर्ण होंगे तथा फौजी मिजाज, नेतृत्व के गुणों और तार्किक विचारधारा वाले व्यक्ति हो सकते हैं। आप बहुत भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। आप ना तो सत्यनिष्ठ हो सकते हैं और ना ही आपमें कृतज्ञता का भाव हो सकता है। आप कुछ हद तक हठी और कठोर वाणी वाले हो सकते हैं। आप निरर्थक ढंग से बात कर सकते हैं, बिना किसी उद्देश्य के भटक सकते हैं और अधम कार्य कर सकते हैं। आपके रिश्तेदार और मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं।



द्रेष्काण में जन्म

आपकी कुण्डली में लग्न मकर राशि के प्रथम द्रेष्काण में स्थित है— जो स्वयं मकर द्रेष्काण के समकक्ष है। इस योग के कारण, आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपकी रंगत कुछ गहरी, चेहरा मनमोहक, चुम्बकीय स्वरूप और आकर्षक व्यक्तित्व होगा। आप अपने उदास मिजाज एवं विचारशील स्वभाव के साथ एक गंभीर प्रकार के व्यक्ति के रूप में जाने जाएंगे, जैसाकि आप पूर्ण रूप से अपने हितों के बारे में चिन्तन करेंगे, आप सोच-समझकर बोलने वाले एवं सभी प्रकार के ओछे कार्यों से घृणा करने वाले होंगे। जैसाकि आपकी चाह अपने आधार को बहुत मजबूती प्रदान करने की होगी, अतः आपका दृष्टिकोण बहुत व्यावहारिक होगा। आप अपने प्रयासों को वांछित दिशा में निर्देशित कर निश्चित रूप से अपने समकालीनों से आगे निकल जाएंगे। हालांकि, आवश्यकता पड़ने पर आप कुछ कलात्मक भी हो सकते हैं। एक पुरानी धारणा को नवीन संकल्पना का रूप देकर आप इसे सफलतापूर्वक प्रयोग कर सकते हैं।



लग्न दर्शन



आपका लग्न

मकर

वैदिक ज्योतिष में लग्न भाव को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक व्यक्ति के जन्म के समय जो राशि आसमान में उदित होती है, उसे व्यक्ति का लग्न कहा जाता है तथा उस भाव में जो राशि होती है उसे लग्न राशि कहा जाता है। लग्न भाव ज्योतिष के माध्यम से एक व्यक्ति के जीवन के सूक्ष्मतम क्षणों की गणना करने में सहायता करता है। जबकि वार्षिक, मासिक, साप्ताहिक एवं दैनिक भविष्यवाणी सूर्य राशि व चंद्र राशि के आधार पर किया जाता है।

सामान्य विशेषताएँ

आपकी लग्न राशि मकर है। इस राशि को भौतिक, प्रधान (चलायमान या तीव्र), उष्णकटिबंधीय राशि के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। कई अन्य नैसर्गिक गुणात्मक विशेषताएँ भी इसमें विद्यमान हैं। यह स्त्रीलिंग, पाशविक, उदासीन और हिंसक प्रकृति की राशि है।

इस लग्न में जन्म लेने के कारण आप परिष्कृत मस्तिष्क, परिवर्तनशील मिजाज, विनोदपूर्ण प्रकृति और निराश प्रवृत्ति के हो सकते हैं, किन्तु आप कुछ-कुछ स्वार्थी, पर्याप्त स्वेच्छाचारी और बहुत हठी हो सकते हैं तथा अपने उद्देश्यों के प्रति सजग और अपने कार्यों के प्रति वास्तव में सक्रिय होंगे। आप अत्यंत महात्वाकांक्षी और दूसरों पर शासन करने के जन्मजात इच्छुक होंगे। आप समायोजनीय होंगे और स्वयं को प्रत्येक स्थिति के अनुकूल बनाने में सक्षम होंगे। आप ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में निपुण होंगे।

आपको व्यवसाय की उत्तम समझ होगी और किसी भी व्यापार को प्रारम्भ करने से पहले उसके सभी पहलुओं को भली-भांति जांचने-परखने में सक्षम होंगे। आप गैरमिलनसार और एकांत प्रकृति के होंगे, किन्तु साथ ही आप बहुत युक्तिपूर्ण और अस्थिर होंगे। आपमें अपने विरोधी का कमजोर पक्ष खोजने की विचित्र क्षमता होगी और आप अपनी इस निपुणता का प्रयोग करके किसी भी आने वाले अवसर का उचित लाभ उठाने के लिए तत्पर रहेंगे। इन गुणों के कारण आप अपने सभी समकालीनों से आगे निकलने में सक्षम होंगे— भले ही उनमें से कुछ बाहर से अपेक्षाकृत अधिक योग्य प्रतीत हों। आपको साहित्य, दर्शन और विज्ञान में गहन रूचि होगी। यद्यपि आप सदगुणों व नैतिकता की प्रतिमूर्ति नहीं हो सकते हैं, फिर भी आपको अपने अनेकों मित्रों व शुभचिन्तकों से प्रशंसा व आभार प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपके अनेक समर्पित अनुयायी होंगे।



शारीरिक रूप और ब्यक्तित्व

आप अपेक्षाकृत छोटे कद के, कुछ-कुछ झुके हुए और रूखी संरचना वाले हो सकते हैं— किन्तु कुछ अंग विशिष्ट हो सकते हैं, जैसे भीतर को झुकी नाक, दृढ़ होंठ, छोटी ठोढ़ी, पतली गर्दन, छोटी लोलकी और कमजोर घुटने।



आपकी विशेषताएँ

आप लोकोपकारी और सहानुभूतिपूर्ण स्वभाव वाले व्यक्ति होंगे। आप एक अच्छे श्रोता होंगे और उत्तम सुझावों का अनुसरण करने में कभी नहीं हिचकिचाएंगे। आप शांत, स्थिर और चिरस्थायी होंगे। आप बहुत व्यावहारिक, अनुशासित और विश्वसनीय होंगे। आप रचनात्मक होंगे और आपकी सोच उत्पादक होगी।



नौकरी / ब्यवसाय

आप व्यापार और उद्योग में कार्यकारी/प्रबंधक, शिल्पकार(आक्रिटेक्ट), इंजीनियर, बिल्डर, नियोजक, निरीक्षक, बाजा विश्लेषक बन सकते हैं। आप जलीय या नौसैनिक उत्पादों और कृषि या बागवानी संबंधी वस्तुओं के व्यापार में उत्कृष्ट हो सकते हैं।



नकारात्मक लक्षण

आपमें आत्म विश्वास की कमी हो सकती है और आप निराशावादी होंगे। आप स्वयं को अलग तरीके का दिखाने का प्रयास करेंगे। आप धूर्त, प्रतिशोधपूर्ण और कर्कश हो सकते हैं।



विशेष गुण

- 1- आप व्यावहारिक, तार्किक और दृढ़ होंगे।
- 2- आपकी स्मृति बहुत तीक्ष्ण होगी और आप ज्ञान के विभिन्न भागों को सीखने में रूचि रखेंगे।



कुण्डली के लिए शुभ/अशुभ ग्रह

- 1- पंचमेश और दशमेश शुक्र सर्वाधिक शुभ ग्रह है।
- 2- नवमेश बुध और लग्नेश शनि शुभ ग्रह हैं।
- 3- चंद्रमा, मंगल और बृहस्पति अशुभ ग्रह हैं।
- 4- सूर्य और चंद्रमा मारकेश हैं।
- 5- सूर्य तटस्थ है।



मकर लग्न में जन्मे विशिष्ट ब्यक्ति

राजनेता— रामविलास पासवान, क्रिकेटर— सुनील गावस्कर, फिल्म अभिनेता— अशोक कुमार, वकील— राम जेट मलान रुस के पूर्ण प्रधानमंत्री— मार्शल बुगानिन, संत— स्वामी विवेकानन्द, ज्योतिषाचार्य— जे. कृष्णामूर्ति व बी. एम. सैनी, ची का माओत्से तुंग।



आपकी राशि

मेष

वैदिक ज्योतिष में कुण्डली परीक्षण के लिए सूर्य राशि की अपेक्षा चंद्र राशि को अधिक महत्व दिया जाता है। वैदिक ज्योतिष कहता है कि जन्मकुण्डली में यदि चंद्रमा लग्न की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली है, तो लग्न या लग्न राशि के स्थान पर चंद्र राशि को केन्द्र मानकर अध्ययन करना चाहिए। चंद्र कुण्डली व्यक्ति के अनेक गुप्त रहस्यों को उजागर करती है, जिसे सूर्य कुण्डली के माध्यम से उजागर नहीं किया जा सकता है।



मानसिक अवस्था

आपकी कुण्डली में चंद्रमा मेष राशि में स्थित है, जो मंगल द्वारा संचालित होता है। यह चलायमान और आग्नेय राशि है। आप संवेगी, स्वतंत्र, आत्मनिर्भर तथा आशावादी हो सकते हैं। आप उग्र तथा कुछ-कुछ आक्रामक स्वभाव के हो सकते हैं। आप विनम्र या आज्ञाकारी बिल्कुल भी नहीं हो सकते हैं, तथा परम्परा और रीति-रिवाजों को अधिक महत्त्व नहीं देंगे। आप परिवर्तशील एवं चंचल हो सकते हैं तथा आप धैर्यवान नहीं होंगे। आपका स्वभाव चिड़चिड़ा होगा, एवं आप जल्द गुस्सा हो जाएंगे। आप दूसरों के द्वारा दी गई सलाह नहीं मानेंगे और सदा अपने विचारों को मान्यता देंगे। आपमें एक विशेष आकर्षण होगा, जो दूसरों को प्रभावित करने में आपकी मदद करेगा। आप अपने दायरे में लोकप्रियता अर्जित करेंगे और आपके अनेक प्रशंसक व मित्र होंगे।

आपमें दूसरों में जागरूकता लाने की क्षमता होगी, जिससे आप बड़ी संख्या में लोगों को अपने नियंत्रण में रखने में सक्षम होंगे। अपने विशिष्ट गुणों के कारण आप जल्दी ही अपनी पहचान बनायेंगे तथा आप किसी विभाग, कार्यालय या किसी संगठन के अध्यक्ष बन सकते हैं। यदि आपको अपने कार्यस्थल पर कोई विशेषाधिकार प्राप्त नहीं होता है, आप शीघ्र ही अपने लिए नए रास्तों की तलाश कर लेंगे। छोटी आयु में ही आप निश्चित रूप से उत्तम स्थिति हासिल कर लेंगे। यद्यपि आपको किसी भी प्रकार की गोपनीयता या गुट पसन्द नहीं होगी, फिर भी आपके व्यवसाय में किसी प्रकार की गोपनीयता बनाए रखने की जरूरत हो सकती है। रहस्यमय चीजें आपको पूरी तरह आकर्षित करेंगी एवं तंत्र-मंत्र व गूढ़ विषयों में आपकी गहरी रुचि विकसित हो सकती है।

आप में अद्भुत जीवन शक्ति होगी। लेकिन आपको समय-समय पर कुछ छोटी दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ सकता है। बचपन में किसी दुर्घटना के फलस्वरूप आपके सिर या चेहरे पर निशान हो सकता है। आपको कुछ अधि गर्मी महसूस हो सकती है या आप बुखार से पीड़ित हो सकते हैं। आप महिला समुदाय के प्रति आकर्षित होंगे और छोटी उम्र में ही आपकी इच्छानुसार आपके द्वारा पसन्द किए गये व्यक्ति से आपका विवाह हो सकता है। आपको शिशुओं से भी बहुत लगाव होगा और आपकी पहली संतान आपको अत्यंत प्रिय होगी। यदि आपकी कुण्डली में संशोधनकारी ग्रह उपस्थित नहीं है, तो माता-पिता में से किसी एक के साथ आपके गहरे मतभेद हो सकते हैं या किशोरावस्था में ही परिस्थितिवश उनसे अलग होना पड़ सकता है।



यह अंतर्दृष्टिपूर्ण रिपोर्ट आपके अद्वितीय चारित्रिक गुणों की गहरी समझ प्रदान करती है, जिससे व्यक्तिगत विकास और आत्म-जागरूकता संभव होती है। इस भविष्यवाणी के महत्व को जानें -

- (1) आपकी अनुपम शक्तियों, कमजोरियों, और व्यवहारिक प्रवृत्तियों की गहरी समझ बढ़ाने में।
- (2) व्यक्तिगत विकास और आत्म-सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में, जो आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान में वृद्धि करता है।
- (3) अपनी पारस्परिक शैली और भावनात्मक आवश्यकताओं को समझकर संबंधों और संवाद को बेहतर बनाने में।
- (4) आपकी वास्तविक प्रेरणाओं और जीवन के उद्देश्य का पता लगाने में, जो आपको संतोषजनक और असली जीवन पथ की ओर मार्गदर्शन करता है।
- (5) अपने व्यक्तिगत और पेशेवर लक्ष्यों को अपनी प्राकृतिक प्रतिभाओं और क्षमताओं के साथ समन्वित करने में, जो सफलता और संतुष्टि सुनिश्चित करता है।
- (6) आपको अपने अद्वितीय गुणों को गले लगाने और सूचित निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने में, जो अंततः आत्म-स्वीकृति और खुशी की ओर ले जाता है।



आपके आंतरिक संसार की एक झलक : आपका अद्वितीय ब्यक्तित्व

आप अत्यंत प्रेरित होते हैं और अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता की जोरदार इच्छा रखते हैं। आप कठिनाई से नहीं डरते और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रयास करने के लिए तत्पर होते हैं।

आप अपने अनुशासन और आत्म-नियंत्रण के लिए प्रसिद्ध हैं। आप प्रलोभन का विरोध कर सकते हैं और अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कठोर अनुशासन का पालन कर सकते हैं।

आप अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेते हैं तथा विश्वसनीय और भरोसेमंद होते हैं। आपको प्रायः अपने परिवार या सामाजिक दायरे में चढ़ान के रूप में देखा जाता है।

आपका जीवन के प्रति दृष्टिकोण व्यावहारिक और यथार्थवादी होता है। आप अत्यधिक कल्पनाशीलता या अत्यधिक रोमांटिक आदर्शों की ओर प्रवृत्त नहीं होते हैं।

आप प्रायः एकाकी या दूरस्थ प्रतीत हो सकते हैं, लेकिन आप सिर्फ अपनी भावनाओं से घिरे हुए और सतर्क होते हैं। आप गोपनीयता की कदर करते हैं तथा अपनी अंतर्निहित भावनाओं एवं विचारों को खुद तक ही रखना पसंद करते हैं।

मकर लग्न के पुरुष उन लोगों के प्रति अत्यंत निष्ठावान और प्रतिबद्ध होते हैं, जिनकी परवाह करते हैं। आप दीर्घकालिक संबंधों की कदर करते हैं और उन्हें बनाए रखने में समय

और प्रयास लगाने के लिए तत्पर होते हैं।

आपका परंपरा के प्रति मजबूत संबंध होता है तथा आप स्थिरता व सुरक्षा की कदर करते हैं। नवीनतम धाराओं या शौक से आपके प्रभावित होने की संभावना नहीं है।

आप आत्म-निर्भरता और स्वतंत्रता को महत्व देते हैं। आप उन लोगों में से नहीं हैं जो अपनी सफलता के लिए दूसरों पर निर्भर रहते हैं तथा आप अपने भाग्य को खुद ही नियंत्रित करना पसन्द करते हैं।

स्वास्थ्य सुख



मनुष्य के जीवन में सुख-दुख का आना जाना तो सदैव लगा रहता है परन्तु सामान्यतः देखा जाए तो उसे सबसे अधिक कष्ट उसके शारीरिक अस्वस्थता के समय ही होता है। यदि शारीरिक रूप से व्यक्ति अस्वस्थ है तो उसके आस-पास का वातावरण कितना ही सुखमय क्यों न हो उससे उसको किसी प्रकार के सुख की अनुभूति नहीं होती। कहा जाता है कि जान है तो जहान है। वास्तविकता भी यही है कि व्यक्ति यदि स्वस्थ रहेगा तभी उसका जीवन जीवंत माना जाएगा, तभी उसे जीवन के अन्य सुखों का भरपूर आनन्द प्राप्त होगा अन्यथा जीवन के किसी भी प्रकार के सुख से वह वंचित रह जाएगा। इसलिए स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना और उसके लिए सभी प्रकार के चिकित्सीय व आवश्यक होने पर ज्योतिषिय उपाय आदि भी करना चाहिए। चिकित्सा के बिना स्वास्थ्य का ठीक हो पाना संभव नहीं हो सकता, परन्तु कई बार ऐसा होता है कि चिकित्सीय उपचार का व्यक्ति के रोग पर कोई असर ही नहीं होता ऐसी स्थिति में यदि ग्रहों की दशा को देखकर उपचार के साथ-साथ ज्योतिषिय उपाय भी किया जाय तो संभवतः रोग से निजात शीघ्रता से पाया जा सके।



यह आपके स्वास्थ्य और आरोग्य के लिए भविष्यवाणी है, जो आपके विशिष्ट नक्षत्र पर आधारित है। यह व्यक्तिगत रिपोर्ट महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जो आपके उत्तम स्वास्थ्य को बनाए रखने और संतुलित जीवन जीने में मदद करती है। इस भविष्यवाणी का महत्व समझें

-

- (1) आपकी संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करके, जो आपके स्वास्थ्य के सकारात्मक प्रबंधन और समय रहते हस्तक्षेप की अनुमति देती है।
- (2) आपकी अंतर्निहित शक्तियाँ और कमजोरियाँ प्रकट करना, जो आपको शारीरिक, मानसिक, और भावनात्मक स्वास्थ्य का समर्थन करने वाले जीवनशैली की दिशा में मार्गदर्शन करती है।
- (3) आपके नक्षत्र की अद्वितीय विशेषताओं के अनुरूप, व्यक्तिगत आहार और व्यायाम की सिफारिशें देना।
- (4) आपके तनाव प्रबंधन और क्षमता को बढ़ावा देना, जिससे आपका जीवन संतुलित और सार्थक बने।
- (5) लाभप्रद आदतों और दिनचर्याओं पर मार्गदर्शन प्रदान करना, जिससे आप ऊर्जा और दीर्घायु को बनाए रख सकें।
- (6) आपको आपके स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के बारे में सूचित निर्णय लेने में सशक्त बनाना, जो अंततः आपको एक खुश, स्वस्थ जीवन की ओर ले जाता है।



शारीरिक स्वास्थ्य और ऊर्जा का स्तर

आपके पास एक मजबूत शारीरिक संरचना और पुष्ट स्वास्थ्य होता है। आपके पास उत्तम शारीरिक शक्ति और जीवन शक्ति है। आप आमतौर पर शारीरिक रूप से सक्रिय और फूर्तिले भी होते हैं, तथा खेल व व्यायाम जैसी उच्च ऊर्जा वाली गतिविधियों की ओर आपका रुझान होता है। हालाँकि, आपको आँखों से संबंधित समस्याएँ हो सकती हैं और आँखों के उत्तम स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।



मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिरता

तिका नक्षत्र मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक स्थिरता से जुड़ा है। आपके पास तेज दिमाग और स्पष्ट सोच है। आप आमतौर पर भावनात्मक रूप से स्थिर होते हैं और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। हालाँकि, आप क्रोध और अधीरता के शिकार हो सकते हैं, जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। अपने मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आपको योग और ध्यान जैसी तनाव प्रबंधन तकनीकों का अभ्यास करना चाहिए।



आहार और पोषण की आवश्यकताएं

आपके पास एक मजबूत पाचन तंत्र है और आप विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों को पचा सकते हैं। हालाँकि, आपको मसालेदार और तैलीय खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए जो अपच और एसिडिटी का कारण बन सकते हैं। अपनी ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने के लिए प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों के साथ-साथ बहुत सारे ताजे फल और सब्जियों के साथ संतुलित आहार लेने की सलाह दी जाती है।



फिटनेस और व्यायाम

आप आमतौर पर शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हैं और शारीरिक व्यायाम का आनंद लेते हैं। आपको अपने स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बनाए रखने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि में संलग्न होना चाहिए। अपनी शारीरिक फिटनेस को बनाए रखने में मदद करने के लिए उच्च तीव्रता वाले व्यायाम, जैसे दौड़ना, भारोत्तोलन और मार्शल आर्ट की सलाह दी जाती है।



तनाव प्रबंधन और आराम की तकनीकें

आप अपनी अधीरता और आसानी से निराश होने की प्रवृत्ति के कारण तनाव और चिंता का शिकार हो सकते हैं। योग और ध्यान का नियमित अभ्यास आपको तनाव को प्रबंधित करने और आंतरिक शांति प्राप्त करने में मदद कर सकता है। आप अपने मन और शरीर को शांत करने के लिए प्राणायाम जैसे गहरी साँस लेने के व्यायाम भी कर सकते हैं।



नींद का पैटर्न और गुणवत्ता

आपमें देर से सोने और जल्दी उठने की प्रवृत्ति हो सकती है। अपने स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बनाए रखने के लिए आपके लिए पर्याप्त नींद लेना महत्वपूर्ण है। एक नियमित नींद कार्यक्रम और शांतिपूर्ण नींद के वातावरण की सलाह दी जाती है। बेहतर नींद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आप सोने से पहले विश्राम तकनीकों का भी अभ्यास कर सकते हैं, जैसे पढ़ना या सुखदायक संगीत सुनना।



आध्यात्मिक वृद्धि और आंतरिक सामंजस्य

.तिका नक्षत्र आध्यात्मिक विकास और आंतरिक सद्भाव से जुड़ा है। आपको आंतरिक शांति और सद्भाव प्राप्त करने के लिए ध्यान, जप और प्रार्थना जैसे नियमित आध्यात्मिक अभ्यासों में संलग्न होना चाहिए। आप अपने आध्यात्मिक स्व से जुड़ने के लिए पवित्र स्थानों पर भी जा सकते हैं या धर्मार्थ गतिविधियाँ कर सकते हैं।



अच्छे स्वास्थ्य के लिए सुझाव

अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आपको संतुलित आहार लेना चाहिए, नियमित शारीरिक गतिविधियों में संलग्न होना चाहिए, तनाव प्रबंधन तकनीकों का अभ्यास करना चाहिए, पर्याप्त नींद लेनी चाहिए और आध्यात्मिक अभ्यासों में संलग्न होना चाहिए। आपको अपनी आंखों की देखभाल भी करनी चाहिए और अच्छी व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए।



अच्छे स्वास्थ्य के उपाय

आपके लिए अच्छे स्वास्थ्य के कुछ उपायों में लाल मूंगा रत्न धारण करना, भगवान कार्तिकेय की

दैनिक पूजा करना और .तिका नक्षत्र मंत्र का जाप करना शामिल है। आपकी जन्म कुंडली के आधार पर व्यक्तिगत उपायों के लिए किसी ज्योतिषी से परामर्श करने की सलाह दी जाती है। सकारात्मक कार्मिक संतुलन बनाए रखने के लिए आपको दान के नियमित कार्य भी करने चाहिए।

शिक्षा, विद्या और विद्वता



प्राचीन समय में शिक्षा का स्वरूप वर्तमान शिक्षा से पूर्णतया भिन्न था। तब शिक्षा को अर्थोपार्जन का माध्यम मानकर ज्ञान व मोक्ष प्राप्ति का माध्यम माना जाता था। इसलिए उस समय की शिक्षा में इस प्रकार की प्रतियोगिता नहीं थी जो कि वर्तमान समय की शिक्षा में दृष्टिगोचर होती है। इस वैज्ञानिक युग में जिस गति विकास हुआ उसी गति से अर्थोपार्जन के लिए अनेकोंके स्रोत खुलते चले गए एवं इस विकास की गति को अत्यधिक गति प्रदान के लिए शिक्षा का महत्व दिन प्रतिदिन बढ़ता चला गया। आज स्थिति यह है कि यदि वं अशिक्षित रह जाता है तो उसे निश्चित तौर पर इस विकसित युग में अविकसित होकर ही जीना पड़ेगा। शिक्षा प्राप्त करना भी अब उतना आसान नहीं है। इस क्षेत्र में प्रतियोगिता ही एक मात्र बाधा नहीं है बल्कि अन्य अनेक बाधाएं भी हैं। वर्तमान शिक्षा प्रणाली तो ऐसी हो गई है कि उससे धनोपार्जन का माध्यम बनाने के लिए पहले उसमें धन का निवेश करना भी आवश्यक है। ऐसी बाधाएं तो सामाजिक तौर पर सबको पार करनी पड़ें हैं, परन्तु जीवन में व्यक्तिगत रूप से भी कई बार शिक्षा के मार्ग में बाधाएं आने लगती हैं। इन बाधाओं के कारण व्यक्ति का भविष्य बाधित होता है, उसका विकास बाधित होता है या संक्षिप्त में कहा जाए तो उसके जीवन का प्रत्येक क्षेत्र प्रभावित होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि वह या उसकी संतान उच्च से उ शिक्षा ग्रहण कर सके, किन्तु इन बाधाओं के कारण सबके लिए ऐसा संभव नहीं होता। ज्योतिषशास्त्र की दृष्टि से व्यक्ति के शिक्षा में आने वाली बाधाओं में भी ग्रहों का प्रभाव समाहित होता है। ग्रहों के प्रतिकूल होने की दशा में शिक्षा बाधित होती है। इसलिए इन बाधाओं से सचेत रहने के लिए इसके बारे में जानना भी आवश्यक है।



शिक्षा और सीखने की क्षमता

यह भविष्यवाणियां आपकी शिक्षा के लिए हैं, जो आपके विशिष्ट नक्षत्र के आधार पर हैं। यह व्यक्तिगत रिपोर्ट महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करती है जो आपको शैक्षिक परिदृश्य को समझने और अपने शैक्षिक प्रयासों में सफलता प्राप्त करने में सहायता करती है। इस भविष्यवाणी का महत्व समझें -

- (1) आपकी नैसर्गिक शिक्षण शैली, शक्तियाँ और कमजोरियाँ पहचानने में, जिससे आपके शैक्षिक अनुभव सफल और आनंदमय हो सकें।
- (2) अपने शिक्षा संबंधी लक्ष्यों को अपनी प्राकृतिक प्रतिभाओं और क्षमताओं के साथ समन्वित करने में, जिससे पूर्णता और पुरस्कार प्राप्त हो सकें।
- (3) अधिकतम उपयुक्त विषयों और अध्ययन क्षेत्रों का पता लगाने में, जिससे आप अपने चुने हुए क्षेत्र में समृद्ध और उत्कृष्ट हो सकें।
- (4) संभावित चुनौतियों का पता लगाने और आपकी शैक्षिक यात्रा में किसी भी बाधाओं को पार करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने में।
- (5) आपकी प्रेरणा, एकाग्रता और संकल्प को बढ़ावा देने में, जिससे आपका शैक्षिक प्रदर्शन सुधर सके और व्यक्तिगत विकास हो सके।
- (6) आपको अपनी शिक्षा के बारे में सूचित निर्णय लेने में सशक्त बनाने में, जो अंततः आपको सफलता और संतुष्टि की ओर ले जाता है।



स्वभाविक योग्यता

आपमें नेतृत्व, संवाद, और निर्णय लेने की स्वाभाविक प्रतिभाएं हैं। आपमें न्याय और निष्पक्षता की एक मजबूत भावना है, और आप तटस्थ होकर निर्णय ले सकते हैं। आपमें एक स्वाभाविक करिश्मा भी होता है जो लोगों को आपकी ओर आकर्षित करता है।



अध्ययन की शैली

आपकी शिक्षण शैली प्रतिस्पर्धात्मक होती है। आप चुनौतियों और प्रतियोगिता के माध्यम से सबसे अच्छी तरह सीखते हैं। आपकी याददाश्त तेज होती है और आप आसानी से जानकारी को याद कर सकते हैं।



सर्वोत्तम विषय

कानून, राजनीति, और व्यवस्थापन से संबंधित विषय आपके लिए सर्वश्रेष्ठ होते हैं। आपमें विज्ञान और इंजीनियरिंग की ओर भी स्वाभाविक झुकाव होता है।



विद्याध्ययन का सरल मार्ग

आप विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन आपको उस शैक्षिक पथ का अनुसरण करना चाहिए जो आपकी स्वाभाविक प्रतिभाओं और रुचियों के साथ मेल खाता है। आप कानून,

राजनीति, व्यवसाय प्रबंधन, या इंजीनियरिंग में करियर बनाने पर विचार कर सकते हैं।



उपाय

आप अपने ध्यान और एकाग्रता को बेहतर बनाने के लिए योग और ध्यान का अभ्यास करके लाभ उठा सकते हैं। आप अपनी नैसर्गिक प्रतिभाओं को बढ़ाने के लिए माणिक या गोमेद जैसे रत्न पहन सकते हैं।



विद्याध्ययन में कठिनाइयाँ

आप असहिष्णुता और अधीरता से संघर्ष कर सकते हैं, जो दूसरों के साथ संघर्ष का कारण बन सकती है। आप काम और जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने में संघर्ष कर सकते हैं तथा अपने करियर पर अतःअधिक ध्यान केंद्रित करने वाले बन सकते हैं।



सर्वोत्तम सुझाव

इन चुनौतियों को पार करने के लिए, आपको दूसरों के प्रति सहानुभूति और धैर्य विकसित करने पर काम करना चाहिए। आपको स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और अपने करियर लक्ष्यों का उपभोग होने देना चाहिए। इसके अतिरिक्त, आप अपनी स्वाभाविक प्रतिभाओं को निखारने करने के लिए नेतृत्व एवं सार्वजनिक रूप से बोलने के अवसरों की तलाश कर सकते हैं।

नौकरी, ब्यापार और ब्यवसाय



भौतिक संसार में रहते हुए मनुष्य की अनेक आवश्यकताओं का जन्म होता है। जिन्हें पूरा करने के लिए उसे विभिन्न प्रकार के कार्य व व्यवसाय को अपनाना पड़ता है। सभी प्रकार की जरूरतों को पूर्ण करने हेतु मनुष्य का आर्थिक रूप से सुदृढ़ होना आवश्यक है। जबकि वर्तमान समय में इस तरह की परिस्थिति व प्रतिस्पर्द्धा का माहौल बन गया है कि सभी एक दूसरे से आर्थिक व सामाजिक स्तर पर आगे निकलना चाहते हैं। ऐसी परिस्थिति में कोई बहुत आगे निकल जाता है तथा कोई इतना पिछे रह जाता है कि उसके लिए अपनी आम जरूरतों को पूरा कर पाना भी कठिन होने लगता है। जीवन का प्रत्येक पक्ष किसी न किसी रूप से आर्थिक पक्ष से अवश्य जुड़ा हुआ है। ऐसे में व्यवसाय, नौकरी आदि में किसी भी प्रकार की बाधा आना जीवन में कठिनाई उत्पन्न कर देता है। ये बाधाएं किसी भी प्रकार की हो सकती हैं जैसे किसी प्रकार की कोई व्यापारिक दुर्घटना, हानि, ऋण में वृद्धि, शत्रुओं द्वारा किया षडयंत्र आदि। यद्यपि बाह्य तौर पर इन्हें परिस्थितिजन्य माना जाता है, परन्तु ज्योतिषशास्त्र के अनुसार इस प्रकार की बाधाएं ग्रहों के प्रतिकूल प्रभावों के कारण उत्पन्न होती हैं। यदि व्यक्ति अपनी जन्मकुण्डली में स्थित ग्रहों के प्रतिकूल प्रभावों को समय रहते जान कर उसके लिए उपाय करे तो संभवतः वह इन बाधाओं को दूर करने में सफल भी हो सकता है।



आपका व्यावसाय, कार्यक्षेत्र और जॉब प्रोफाइल

यह भविष्यवाणी आपके व्यावसायिक जीवन या करियर के लिए है, जो आपके जन्म नक्षत्र पर आधारित है। यह व्यक्तिगत रिपोर्ट महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करती है जो आपको व्यावसायिक परिवेश में संचालन करने और करियर में सफलता प्राप्त करने में सहायता करती है। इस भविष्यवाणी के महत्व को निम्नलिखित बातों से समझिए -

- (1) आपकी अन्तर्निहित व्यावसायिक शक्तियों और कमजोरियों की पहचान करना, आपको सबसे उपयुक्त करियर पथ की ओर मार्गदर्शन करना।
- (2) विभिन्न उद्योगों में सफलता और विकास की आपकी क्षमताओं को उजागर करना, आपके लिए एक पूर्णतः संतोषप्रद व पुरस्कृत व्यावसायिक यात्रा सुनिश्चित करना।
- (3) आपके नक्षत्र की अद्वितीय विशेषताओं के अनुसार, प्रभावशाली संचार, टीमवर्क और नेतृत्व पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करना।
- (4) आपके करियर में संभावित चुनौतियों को उजागर करना और आपके व्यावसायिक जीवन में किसी भी बाधा को दूर करने के उपाय प्रदान करना।
- (5) आपकी निर्णय क्षमता, रचनात्मकता, और अनुकूलन क्षमता को बढ़ावा देना, जो बेहतर प्रदर्शन और नौकरी संतुष्टि प्रदान करेगी।
- (6) आपको सशक्त करना ताकि आप अपने व्यावसाय, काम, या नौकरी के बारे में सूचित निर्णय ले सकें, जो अंततः सफलता और संपूर्णता की ओर ले जाता है।



जॉब प्रोफाइल

आपको अपने नेतृत्व कौशलों के लिए जाना जाता है और आप उन नौकरियों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं जिनमें आपको टीमों का नेतृत्व और प्रबंधन करने की आवश्यकता होती है। आप महत्वाकांक्षी, प्रेरित हैं और दबाव में अच्छी तरह काम कर सकते हैं। आपके लिए उपयुक्त जॉब प्रोफाइल में प्रबंधन पद, उद्यमी, सैन्य कर्मी, पुलिस अधिकारी, सर्जन, डॉक्टर, इंजीनियर, और वैज्ञानिक शामिल हैं।



कार्यक्षेत्र का वातावरण

आपके लिए कार्य वातावरण गतिशील और चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, जिसमें विकास और सीखने के लिए प्रचुर अवसर हों। आप ऐसे माहौल में सफल होते हैं जहां आप नेतृत्व कर सकते हैं और स्थितियों को संभाल सकते हैं, लेकिन आप टीम-आधारित वातावरण की भी सराहना करते हैं।



कौशल और योग्यताएं

आपके पास उत्कृष्ट संवाद और नेतृत्व कौशल हैं, और आप तेजी से सीखने वाले हैं। आप विवरणों पर ध्यान देने वाले हैं और जटिल कार्यों को कुशलतापूर्वक संभाल सकते हैं। प्रबंधन पदों के लिए, आपके पास व्यापार प्रशासन में डिग्री होनी चाहिए, जबकि चिकित्सा पेशेवरों के लिए, चिकित्सा या संबंधित क्षेत्र में डिग्री आवश्यक है। इसके अलावा, आप विज्ञापन और मीडिया जैसे

रचनात्मक क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं।



कार्य के घंटे

आपको अपने कठिन परिश्रम और समर्पण के लिए जाना जाता है। आप लंबे समय तक काम कर सकते हैं और दबाव को अच्छी तरह से संभाल सकते हैं। आप शिट में काम करने में सहज हैं, जो आपको अपातकालीन चिकित्सा सेवाओं और पुलिस बल जैसे पेशेवरों के लिए उपयुक्त बनाता है।



करियर में उन्नति

अपने नेतृत्व कौशल और परिश्रमी स्वभाव से आप अपने करियर में शीर्ष स्थानों तक पहुंच सकते हैं। आप सफल उद्यमी, सीईओ, और अपने क्षेत्र के नेता बन सकते हैं।



करियर में चुनौतियां

आप आवेगी हो सकते हैं और जल्दी-बाजी में निर्णय ले सकते हैं। आप ज़िद्दी भी हो सकते हैं और दूसरों पर को शासन करने की प्रवृत्ति हो सकती है, जो कार्यस्थल में संघर्ष का कारण बन सकती है। आपको अधिक धैर्यशाली होना और दूसरों के साथ मिलकर काम करना सीखना होगा।



पुरस्कार और सम्मान

आप अपने कठिन परिश्रम और समर्पण के लिए पुरस्कृत होते हैं। आप अपने करियर में महान सफलता प्राप्त कर सकते हैं और अपने क्षेत्र में शीर्ष स्थानों तक पहुंच सकते हैं। आप अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं और आरामदायक जीवनशैली का आनंद ले सकते हैं।

धन – संपत्ति



मनुष्य का जीवन मिलने के बाद उसकी आवश्यकताएं विभिन्न रूप धारण करके उसके समक्ष आ खड़ी होती हैं और इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उसे किसी न किसी रूप में धन की आवश्यकता जरूर पड़ती है। मनुष्य का वर्तमान हो अथवा भविष्य आर्थिक पक्ष से अधिक प्रभावित होता है। यदि व्यक्ति का आर्थिक पक्ष सुदृढ़ है तो उसकी अनेक समस्याएं आसानी से दूर हो जाती हैं, परन्तु यह आवश्यक नहीं सबकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ ही हो। किसी के पास अपार धन होता है तो कोई धन के अभाव में अपना जीवन बहुत ही कठिनाई में व्यतीत करता है। जीवन में धन से जुड़ी हुई बाधाएं अनेक रूप में आती हैं। यह आवश्यक नहीं कि जिसके पास धनार्जन के अच्छे साधन हो अथवा जिसका व्यापार व आय अधिक हो उसे धन का कभी अभाव नहीं होता, एवं जिसकी आय कम होती है उसे ही धन बाधा का सामना करना पड़ता है। धन संबंधी बाधा तो किसी के भी जीवन में किसी भी स्वरूप में आ सकती है। ऐसी परिस्थिति जब व्यक्ति को धन की आवश्यकता हो और उसके पास प्रत्यक्ष रूप से धन उपलब्ध न हो तो उसे धन बाधा कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस प्रकार की परिस्थितियां ग्रहों के योग से निर्मित होती हैं। यही कारण है कि एक ही माता-पिता की दो संतान माता-पिता द्वारा समान रूप से धन वितरण करने के बाद भी कोई धनवान व कोई गरीब हो जाती है। इसलिए इन ग्रहों के योग को जानना व्यक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है।



आपकी वित्तीय स्थिरता और आर्थिक विकास

यह आपके धन और वित्त के संदर्भ में भविष्यवाणी है, जो आपके नक्षत्र पर आधारित है। यह व्यक्तिगत रिपोर्ट महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करती है जो आपको वित्तीय परिदृश्य को समझने और आर्थिक सफलता प्राप्त करने में मदद करती है। इस भविष्यवाणी के महत्व को समझें -

- (1) आपकी नैसर्गिक वित्तीय शक्तियों और कमजोरियों को समझने के लिए, जो आपको सूचित वित्तीय निर्णयों की दिशा में मार्गदर्शन करती है।
- (2) आपके धन सृजन और संचय की संभावनाओं का पता लगाने, जो आपको अपने वित्तीय अवसरों का अधिकतम उपयोग करने का सामर्थ्य प्रदान करती है।
- (3) निवेश के लिए सबसे शुभ समयावधियों की पहचान करने, जो आपके वित्तीय प्रयासों में सफलता और वृद्धि सुनिश्चित करती है।
- (4) आपके नक्षत्र की अद्वितीय विशेषताओं के अनुसार बजट बनाने, बचत, और वित्तीय योजना पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करने।
- (5) संभावित वित्तीय चुनौतियों का पता लगाना और आपके धन संबंधी यात्रा में किसी भी बाधा को दूर करने के उपाय प्रदान करना।
- (6) आपको अपने पैसे और वित्त के बारे में सूचित निर्णय लेने में सशक्त बनाना, जो अंततः वित्तीय स्थिरता और समृद्धि की दिशा में ले जाता है।



आपकी वित्तीय क्षमता

आपके पास पैसे कमाने और प्रबंधन करने की प्राकृतिक प्रतिभा है। आपकी मजबूत कार्य नीति है और आप वित्तीय रूप से सफल होने के लिए प्रेरित हैं। अपने कठिन परिश्रम, दृढ़ता, और बुद्धिमतापूर्ण निवेश संबंधी निर्णय लेने की क्षमता के माध्यम से वित्तीय सफलता प्राप्त करने की क्षमता रखते हैं।



धन और समृद्धि

आपको अपने जीवन में वित्तीय समृद्धि का अनुभव होने की संभावना है। आपके पास सफल व्यवसाय और निवेश करने का कौशल और विशेषज्ञता है। आपको वित्तीय प्रबंधन की उत्तम समझ है और आप ठोस वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम हैं। आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने और धन संचय करने में सक्षम हैं।



वित्तीय लक्षण और विशेषताएं

आप अपने मजबूत नेतृत्व कौशलों और जोखिम लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। आप अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हैं और वित्तीय रूप से सफल होने के लिए प्रेरित होते हैं। आपके पास उत्तम वित्तीय प्रबंधन कौशल हैं और आप बुद्धिमान निवेश निर्णय लेने में सक्षम हैं। आप अत्यधिक अनुकूलनीय हैं और बदलती हुई बाजार की स्थितियों को समझने में सक्षम हैं।



वित्तीय दृष्टिकोण को बेहतर कैसे बनायें ?

अपने वित्तीय दृष्टिकोण को सुधारने के लिए, आपको अपने चुने हुए क्षेत्र में अपने कौशल और विशेषज्ञता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आपको नए अवसरों का पता लगाने और संगणित जोखिम लेने के लिए दिमाग खुला रखना चाहिए। आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक सम्पूर्ण निवेश पोर्टफोलियो बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए।



धन प्रबंधन के सुझाव

आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए और अपने व्यय का प्रबंधन करने के लिए एक बजट बनाना चाहिए। आपको अपनी खर्च की आदतों पर ध्यान देना चाहिए और अधिक खर्च करने से बचना चाहिए। आपको पैसे बचाने और दीर्घकालिक विकास की संभावना वाले संपत्ति में निवेश करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आपको निवेश निर्णय लेते समय वित्तीय विशेषज्ञों की सलाह लेनी चाहिए।



वित्तीय सफलता में सुधार के लिए उपाय

आपको अपनी वित्तीय सफलता को बढ़ाने के लिए उपाय करने से लाभ हो सकता है। आप मंत्र जप, रत्न पहनने, और अपने अधिपति देवता को प्रसन्न करने के लिए अनुष्ठान कर सकते हैं। ये उपाय किसी भी वित्तीय बाधाओं को दूर करने और आपकी वित्तीय सफलता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।



निवेश की योजनाएं

आप उच्च प्रतिफल प्रदान करने वाले संपत्ति में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं, जैसे कि शेयर और म्यूचुअल फंड। आपको अपनी जोखिम सहनशीलता का ध्यान रखना चाहिए और निवेश निर्णय लेते समय वित्तीय विशेषज्ञों की सलाह लेनी चाहिए। आपको जोखिम कम करने और लाभों को अधिकतम करने के लिए अपने निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लानी चाहिए।



दीर्घकालिक वित्तीय वृद्धि के लिए योजनाएं

आपको अपने रिटायरमेंट लक्ष्यों और परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा समेत एक दीर्घकालिक वित्तीय योजना बनानी चाहिए। आपको अपने वित्तीय दायित्वों, जैसे कि ऋण भुगतान के प्रति सतर्क रहना चाहिए और अपने कर्जों को चुकता करने की एक योजना बनानी चाहिए। आपको अपनी वित्तीय योजना की समीक्षा करनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर इसे समायोजित करना चाहिए, ताकि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सही पथ पर रह सकें।

मकान/आवास सुख



मनुष्य का जीवन प्राप्त होने के बाद उसके जीवन में तरह-तरह की जरूरतें आती हैं, परन्तु जो मूलभूत आवश्यकताएं हैं उनमें से सबसे पहले वह भोजन और फिर वस्त्र के बारे में सोचता है और जब उसे पूरा कर लेता है तो उसके बाद उसे अपने रहने के लिए एक ऐसे आवास की जरूरत महसूस होती है जिसमें वह सुख-शांति से अपने परिवार के साथ रह सके। चूंकि प्रत्येक व्यक्ति की यह इच्छा होती है कि उसके पास उसका स्वयं का घर व सभी प्रकार की भौतिक सुख सुविधाएं हों, परन्तु वास्तव में सब कुछ हासिल कर पाना इतना आसान भी नहीं होता है। इन्हें प्राप्त करने में अनेक बाधाएं आती हैं। किसी के जीवन में ये बाधाएं अधिक होती हैं तो किसी में कुछ कम एवं किसी को बहुत आसानी से सब कुछ उपलब्ध हो जाता है। ज्योतिष में इसी उतार-चढ़ाव के खेल को ग्रहों व भाग्य का खेल कहा जाता है जो कि सबका अलग-अलग होने के कारण सबको अलग-अलग परिस्थितियों में जीवन व्यतीत करना पड़ता है।



घर, मकान, या निवास स्थल के लिए सुझाव

ये आपके घर, मकान, या निवास स्थल के लिए भविष्यवाणी हैं, जो आपके नक्षत्र (तारा) के आधार पर तैयार की गई हैं, यह आपके रहन-सहन को ग्रहों के प्रभाव से कैसे प्रभावित करते हैं, इसका पता लगाने का एक महत्वपूर्ण उपकरण है। इस 2 से 3 पृष्ठीय विश्लेषण में आपके जन्म नक्षत्र का गहरा अध्ययन किया गया है, जिसमें देखा गया है कि आपके घर का माहौल आपकी सफलता, खुशी, और सामान्य कल्याण कैसे प्रभावित करता है। नक्षत्रों के आधार पर भविष्यवाणी के महत्व को समझें -

- (1). अपनी प्राकृतिक ऊर्जा के साथ समन्वित एक घर बनाने से संतुलित और उत्साहजनक वातावरण बनेगा।
- (2). अपने जीवन लक्ष्यों के साथ अपने घर को समन्वित करके आपको समृद्ध होने और व्यक्तिगत कठिनाइयों को पार करने में सहायता करना।
- (3). आपके घर में संवाद और पारिवारिक संबंधों को सुधारने तथा शांति व सामंजस्य को बढ़ावा देने में मदद करना।
- (4). संभावित समस्याओं की पहचान करने और आपके घर से जुड़ी किसी भी बाधा को दूर करने हेतु समाधान प्रदान करना।
- (5). एक ऐसा माहौल बनाना जो शारीरिक, मानसिक, और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा दे, ताकि स्वास्थ्य और कल्याण को अधिकतम किया जा सके।
- (6). ज्योतिषीय और भौगोलिक चर के आधार पर आपके घर का आदर्श स्थान प्रकट करना।
- (7). स्थानान्तरण या नवीनीकरण करने का सबसे शुभ समय बताना, ताकि सुचारु संक्रमण और सकारात्मक परिणाम सुनिश्चित किया जा सके।
- (8). आवासीय लेआउट, रंग, और इंटीरियर डिजाइन पर व्यक्तिगत सलाह देना, ताकि सकारात्मक प्रभावों को अधिकतम किया जा सके और नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सके।
- (9). अपने नक्षत्र की विशेषताओं के साथ अपने निवास को मिलान करने से आपका आध्यात्मिक सम्बंध मजबूत होगा।
- (10). आपको ऐसे समझदार चुनाव करने में सक्षम बनाना जो आपकी जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं तथा आपको उपलब्धि और संतोष की ओर ले जाएं।



घर, मकान, या निवास स्थल का स्वामित्व

आपको जीवन में किसी न किसी समय अपनी स्वयं की संपत्ति होने की संभावना है। आप मेहनती और महत्वाकांक्षी होते हैं, जो आपको संपत्ति स्वामित्व के अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करते हैं। हालांकि, आपको संपत्ति निवेश करते समय सतर्क रहना चाहिए और किसी भी निर्णय लेने से पहले पूरी तरह से जांच-पड़ताल करना चाहिए।



इंटीरियर डिजाइन

आपके पास सौन्दर्य के प्रति एक गहन दृष्टि होती है और आप अपने घर के लिए आधुनिक और सादगीपूर्ण आन्तरिक सजावट को पसंद कर सकते हैं। आप शायद पेड़-पौधे या प्राकृतिक चित्रण कला के तत्वों को अपने घर की सजावट में शामिल करना पसंद कर सकते हैं।



आपके घर के लिए सही जगह

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, आपके लिए दक्षिण या दक्षिण-पूर्व दिशा में स्थित एक घर में रहना सर्वश्रेष्ठ होता है। इसके अलावा आपको कब्रिस्तानों या श्मशानघाटों के पास के घरों से बचने की सलाह दी जाती है।



परिवार की रहन-सहन की व्यवस्था

आप अपनी स्वतंत्रता और गोपनीयता को महत्व देते हैं, लेकिन आपको परिवार की भी मजबूत समझ होती है। आप अपने निकटतम परिवार के साथ रहना पसंद कर सकते हैं या अपने विस्तारित परिवार के आने जाने के लिए एक अलग रहने की जगह रख सकते हैं।



घर की देखभाल

आप अपने घर का रखरखाव करने के मामले में जिम्मेदार और परिश्रमी होते हैं। आप अपने घर की दिखावाट और साफ-सफाई में गर्व महसूस कर सकते हैं, और नियमित रूप से मरम्मत और रखरखाव करते हैं।



घर में सुधार

आप घर में सुधार की ओर आकृष्ट होते हैं और अपनी रहन-सहन की जगहों को उन्नत बनाने में निवेश करना पसंद करते हैं। आप अपने घरों को अधिक कुशल और सुविधाजनक बनाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी और उपकरणों में निवेश करना पसंद कर सकते हैं। आप प्राकृतिक दृश्यों वाले और घर से बाहर रहने का स्थान बनाने में भी रुचि रख सकते हैं।



रियल एस्टेट में निवेश

आपको व्यापार की अच्छी समझ होती है और आप अचल संपत्ति निवेश में सफल हो सकते हैं। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि आप कोई भी महत्वपूर्ण निवेश करने से पहले बाजार के रुझानों का गहन अनुसंधान और विश्लेषण करें।



किराए की संपत्तियां

आप किराए हेतु संपत्तियों में निवेश करना पसंद कर सकते हैं, क्योंकि यह एक स्थिर आय का स्रोत प्रदान कर सकता है। आप संभवतः कई संपत्तियों के प्रबंधन और रखरखाव की चुनौती का आनंद भी ले सकते हैं।



अच्छे घर/मकान/निवास के लिए युक्तियाँ

(1). .त्तिका नक्षत्र अग्नि से संबंधित होता है, अग्नि के तत्वों को जैसे कि उज्ज्वल रंग, मोमबत्तियाँ, और चिमनी को शामिल करने से घर में एक जोशपूर्ण व स्वागत योग्य वातावरण बन

सकता है।

(2). सूर्य इस नक्षत्र का शासक ग्रह हैं, इसलिए प्राकृतिक प्रकाश को घर में प्रवेश करने देना महत्वपूर्ण है। बड़ी खिड़कियाँ, स्काईलाइट, और कांच के दरवाजे प्राकृतिक प्रकाश को अधिक लाने में मदद कर सकते हैं।

(3). .त्तिका नक्षत्र सफाई और व्यवस्था के लिए जाना जाता है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि घर को बिखराव मुक्त और सुव्यवस्थित रखें। नियमित सफाई और अव्यवस्था हटाने से सकारात्मक और ऊर्जावान वातावरण बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

(4). लाल और सुनहरा रंग .त्तिका नक्षत्र के लिए शुभ होते हैं। इन रंगों को सजावट में शामिल करना, जैसे कि पर्दों, तकियों, या कलात्मक कार्यों में, इस नक्षत्र की सकारात्मक ऊर्जाओं को बढ़ावा दे सकता है।



अच्छे घर/मकान/निवास के लिए उपाय

(1). सूर्य .त्तिका नक्षत्र का शासक ग्रह हैं, इसलिए सूर्य की पूजा या उपासना करने से इस नक्षत्र की ऊर्जाओं को शांत करने और घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने में मदद मिल सकती है।

(2). वास्तु शास्त्र प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला का विज्ञान है और यह सद्भावपूर्ण आवासीय स्थल बनाने में मदद कर सकता है। वास्तु उपायों का उपयोग करना जैसे कि उत्तर या पूर्व दिशा में एक दर्पण लगाना या उत्तर-पश्चिम दिशा में विंड चाइम्स लटकाना, घर में सकारात्मक ऊर्जाओं को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

(3). नीम के पेड़ को शुद्धिकरण गुणों के लिए जाना जाता है और यह घर से नकारात्मक ऊर्जाओं को हटाने में मदद कर सकता है। घर के उत्तर-पश्चिम दिशा में एक नीम का पेड़ लगाने से सकारात्मक ऊर्जाओं को लाने और नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर करने में मदद मिल सकती है।

(4). सूरज को सूर्योदय के समय जल चढ़ाने से .त्तिका नक्षत्र की ऊर्जाओं को शांत करने और घर में सकारात्मकता और समरसता लाने में मदद मिल सकती है।

ज्योतिषीय उपचार

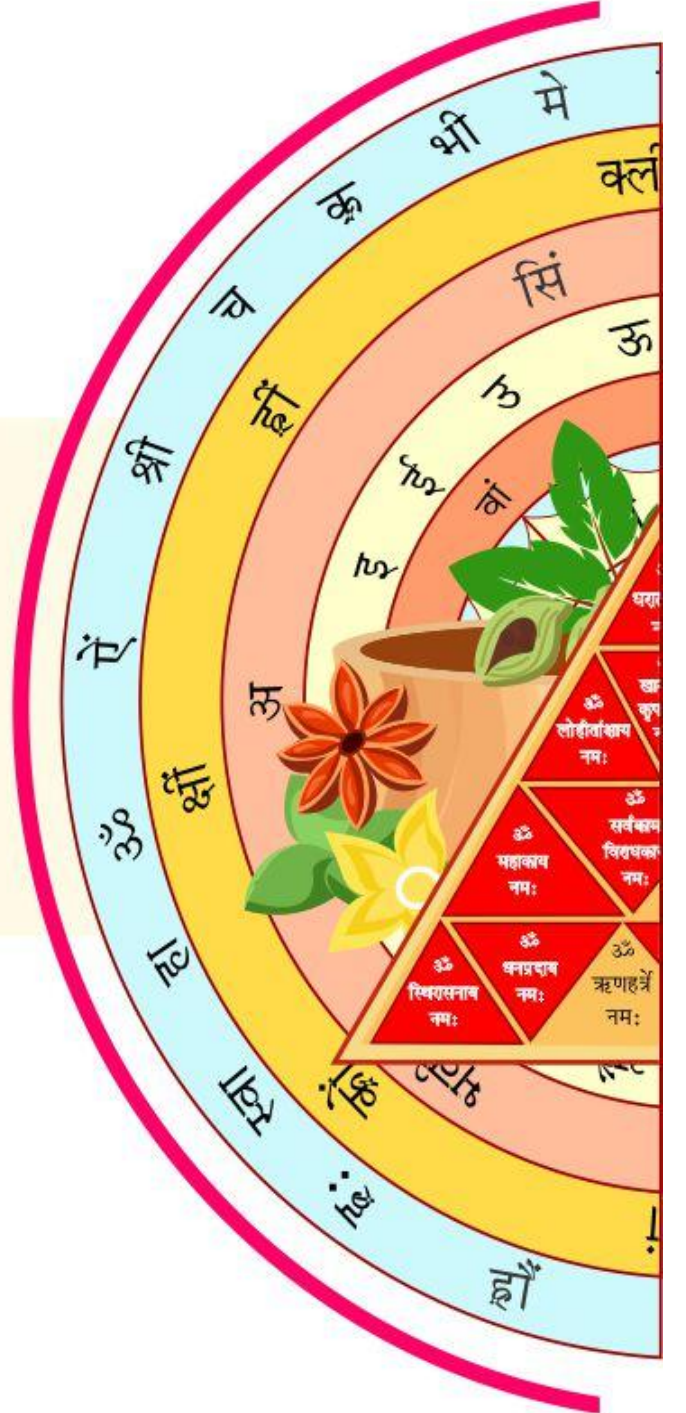
Name - sample

Date - 11/11/2011 Time - 11:11:00

POB - khatu (rajasthan) INDIA

Longitude - 084:10:00 E

Latitude - 025:45:00 N



Acko Astro

www.ackoastro.com, ackoastro@gmail.com

Contact = +91 8657171000



आप अपने अनुशासन, महत्वाकांक्षा और व्यावहारिकता के लिए जाने जाते हैं। सुबह की प्रार्थना और अनुष्ठानों में शामिल होने से आपकी ऊर्जा को संचालित करने और दिन के लिए एक सकारात्मक टोन सेट करने में मदद मिल सकती है। यहां आपके लिए कुछ सुझाई गई सुबह की प्रार्थनाएं और अनुष्ठान दिए गए हैं -



सुबह में क्या करें

1

ध्यान और प्राणायाम

मन को शांत करने और अपनी ऊर्जा को संतुलित करने के लिए अपने दिन की शुरुआत ध्यान और प्राणायाम जैसे कि अनुलोम-विलोम या भ्रामरी से करें।

2

सूर्य नमस्कार

सूर्य के प्रति आभार व्यक्त करने और शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण में वृद्धि के लिए प्रतिदिन सूर्य नमस्कार का अभ्यास करें।

3

शनि देव की पूजा करें

चूंकि शनि मकर राशि का स्वामी ग्रह है, इसलिए शनि से जुड़े देवता शनि की पूजा करने से अनुशासन, दृढ़ता और नकारात्मक प्रभावों से सुरक्षा मिल सकती है। शनि स्तोत्र का पाठ करें या शनि गायत्री मंत्र का जाप करें -

ओम काकध्वजाय विद्महे खड्ग हस्ताय धीमही तन्नो मंदः प्रचोदयात् ॥

4

नवग्रह स्तोत्रम

नवग्रह स्तोत्रम का पाठ नौ ग्रह देवताओं का आशीर्वाद लेने और ग्रहों के किसी भी बुरे प्रभाव को शांत करने के लिए करें।

5

भगवान गणेश की प्रार्थना

विघ्नहर्ता भगवान गणेश से प्रार्थना करें कि आपका दिन निर्विघ्न और सफल रहे -

वक्रतुंड महाकाय सूर्य कोटि समाप्रभा ।

निर्विघ्नम कुरु मे देवा सर्व कार्येषु सर्वदा ॥



भगवान शिव की पूजा करें

भगवान शिव की पूजा करने से आप लाभान्वित हो सकते हैं, जो अनुशासन और दृढ़ संकल्प का प्रतीक हैं। शिव तांडव स्तोत्रम, शिव महिम्न स्तोत्रम का पाठ करें या शिव गायत्री मंत्र का जाप करें -

ओम तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमही तन्नो रुद्र प्रचोदयात ॥



योग का अभ्यास करें

शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण में वृद्धि के लिए दैनिक योग अभ्यास करें। ताड़ासन, वीरभद्रासन और उत्तानासन जैसे आसन आपके लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकते हैं।



पवित्र ग्रंथों को पढ़ें या सुनं

दिव्य मार्गदर्शन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए अपने दिन की शुरुआत भगवद गीता, उपनिषद या पतंजलि के योग सूत्र जैसे पवित्र ग्रंथों के अंशों को पढ़कर या सुनकर करें।



कृतज्ञता का अभ्यास करें

अपने जीवन में सभी आशीर्वादों के लिए ब्रह्मांड को धन्यवाद देते हुए कुछ क्षण कृतज्ञता में बिताएं। इन सुबह की प्रार्थनाओं और अनुष्ठानों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से आपको व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विकास के लिए अपने सहज गुणों का उपयोग करने में मदद मिल सकती है।



वेशभूषा और पहनावा



क्लासिक और पेशेवर

आप ऐसे कपड़ों की शैलियों को पसंद करते हैं जो क्लासिक, पेशेवर और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री से बने हों।



बनवाया और सिलवाया गया

स्ट्रक्चर्ड डिज़ाइन और अच्छी तरह से सिलवाए गए कट्स वाले कपड़ों का चुनाव करें जो आपके अनुशासित और संगठित स्वभाव को दर्शाते हों।



कालातीत और बहुमुखी

ऐसे कपड़े चुनें जो सदाबहार और बहुमुखी हों, विभिन्न अवसरों और वातावरण के लिए उपयुक्त

हों, जैसा कि आप प्रायः व्यावहारिकता और स्थायित्व की सराहना करते हैं।



रंग



1 गहरा नीला

मकर राशि का स्वामी ग्रह शनि है, इसलिए गहरा नीला आपके लिए विशेष रूप से शुभ रंग है। यह अनुशासन, जिम्मेदारी और स्थिरता का प्रतिनिधित्व करता है।



2 काला

यह परिष्कृत और सुरुचिपूर्ण रंग भी आपके लिए अनुकूल हो सकता है, क्योंकि यह अधिकार, शक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।



3 अर्थ टोन

अपने व्यावहारिक और जमीन से जुड़े स्वभाव को दर्शाने के लिए जमीनी रंग जैसे ब्राउन, ग्रे और अलिव ग्रीन को अपनाएं।



4 गहरे और शांत रंग

मैरून, नेवी और चारकोल जैसे गहरे और शांत रंगों का चुनाव करें, जो आपके लिए संतुलन और संस्कार ला सकते हैं।



जीवन शैली



1 अनुशासन और संगठन

अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के लिए एक अनुशासित और संगठित दृष्टिकोण विकसित करें, क्योंकि आपमें प्रायः प्रबल आत्म-नियंत्रण और दृढ़ता की शक्ति विद्यमान होती है।



2 लक्ष्य-निर्धारण और महत्वाकांक्षा

यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करने और उनके प्रति लगन से काम करने पर ध्यान दें, क्योंकि आपमें प्रायः सफलता और उपलब्धि के लिए एक मजबूत संचालन शक्ति होती है।



3 व्यावसायिक विकास

पेशेवर विकास और उन्नति के अवसरों की तलाश करें, जैसा कि आप प्रायः अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं और अपनी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं।

4 वित्तीय योजना और उत्तरदायित्व

वित्त के लिए एक जिम्मेदार और व्यावहारिक दृष्टिकोण बनाए रखें, दीर्घकालिक योजना और बुद्धिमतापूर्ण निवेश पर ध्यान केंद्रित करें।

5 नेटवर्किंग और कनेक्शन बनाना

संपर्कशील आयोजन और संबंध बनाने के अवसरों में व्यस्त रहें जो आपके पेशेवर विकास और सफलता का समर्थन कर सकें।

6 सचेतन और संतुलन

अपने दिमाग को शांत करने और अपनी अनुशासित ऊर्जा को संतुलित करने में मदद के लिए ध्यान और सचेतन क्रिया का अभ्यास करें।

7 परिवार और परंपरा

परिवार के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने और परंपराओं को कायम रखने पर ध्यान दें, क्योंकि आप प्रायः स्थिरता और निरंतरता को महत्व देते हैं।



क्या है कालसर्प योग ?



जब कुण्डली में सारे ग्रह राहु और केतु के अंशों के बीच में आ जाते हैं, तो कुण्डली को कालसर्प योग से ग्रसित माना जाता है। यदि एक भी ग्रह राहु और केतु के अंशों के बाहर रह जाता है, तो पूर्ण कालसर्प योग नहीं माना जाएगा। हालांकि, सारे ग्रह केतू और राहु के अंशों के बीच में आ जायें, तो भी आंशिक कालसर्प योग माना जाएगा।

कालसर्प योग का सामान्य प्रभाव-

- 1- किसी भी शुभ और महत्वपूर्ण कार्य को करते समय परेशानियों का सामना करना।
- 2- मानसिक तनाव।
- 3- आत्मविश्वास में कमी।
- 4- स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां।
- 5- गरीबी और धन की कमी।
- 6- व्यापार में घाटा और नौकरी में परेशानी।
- 7- उत्तेजना और बेकार की चिंताएं।
- 8- मित्रों और शुभचिन्तकों से मनमुटाव।
- 9- मित्रों और शुभचिन्तकों की तरफ से विश्वासघात।
- 10- मित्रों, शुभचिन्तकों और रिश्तेदारों की ओर से किसी भी तरह का सहयोग नहीं प्राप्त होना।

आपकी कुण्डली में कालसर्प योग मौजूद नहीं है।



मांगलिक दोष (कुज दोष)



मांगलिक दोष (कुज दोष) निर्धारण के नियम

**लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजः।
मन्गलिक दोषवान्नारी पुंसां स्त्रीविनाशिनी।।**

यदि कुण्डली में मंगल लग्न से पहले, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में स्थित हो तो मंगल दोष या कुज दोष का निर्माण होता है।

यदि कुण्डली में मंगल चंद्रमा से पहले, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में स्थित हो तो मंगल दोष या कुज दोष का निर्माण होता है।

यदि कुण्डली में मंगल शुक से पहले, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में स्थित हो तो मंगल दोष या कुज दोष का निर्माण होता है।

आपकी कुण्डली में मांगलिक दोष (कुज दोष)

आपकी कुण्डली में, मंगल लग्न से आठवीं राशि में स्थित है। आपकी कुण्डली में कुज दोष (या मांगलिक दोष) उपस्थित है।

आपकी जन्मकुण्डली में, मंगल सिंह राशि में स्थित है, जहां मंगल कोई दोष उत्पन्न नहीं करता है। यह एक अपवाद है, जहां पर कुज दोष को जांचने की कोई आवश्यकता ही नहीं है। आप मांगलिक दोष से मुक्त हैं- आप मंगली नहीं हैं।

मांगलिक दोष (कुज दोष) का प्रभाव

मंगल दोष के प्रभाव से विवाह में देरी हो सकती है या विवाह होने में कई बाधाओं का सामना

करना पड़ सकता है। विवाह होने के बाद वर या वधू या दोनों को शारीरिक, मानसिक या आर्थिक रूप से कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके प्रभाव से आपसी मतभेद/विवाद हो सकते हैं, एक-दूसरे पर दोषारोपण कर सकती हैं तथा तलाक की भी नौबत आ सकती है। दोष का प्रभाव अधिक होने की स्थिति में विवाहित दम्पति में से किसी की या दोनों की सेहत अक्सर खराब रह सकती है या अकाल मृत्यु के भी शिकार हो सकते हैं।



मांगलिक दोष (कुज दोष) का उपाय



मंगल दोष को दूर करने के लिए वैदिक ज्योतिष से निम्न उपाय करें :-

मंगलवार (सूर्योदय से अगले दिन सूर्योदय तक) को उपवास करें। दिन के दौरान नमक का सेवन ना करें और यदि संभव हो, तो केवल तरल पदार्थों जैसे, चाय, कॉफी, दूध फलों का रस एवं दही आदि का ही सेवन करें। शाम के समय रोली से किसी थाली में एक त्रिकोण बनायें एवं पंचोपचार (लाल चंदन, लाल फल, धूप, दीपक एवं भोज्य पदार्थ) से पूजा करें। उसके बाद सूर्यास्त से पहले गेहूं के आटे की रोटी, घी एवं गुड़ का सेवन करें।

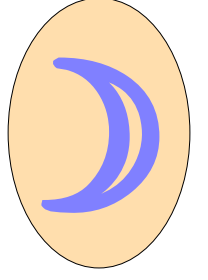
मंगल दोष का प्रभाव अधिक होने की स्थिति में लगातार 108 दिनों तक रोज 21 बार मंगल चंडिका स्त्रोत का पाठ करें। सुबह में पूर्वाभिमुख बैठकर पंचमुखी दीपक जलायें एवं अपने इष्ट देव तथा मंगल की पंचोपचार से पूजा करें और निम्नलिखित मंत्र का जाप करें।

रक्ष रक्ष जगन्मातर्देवि मंगलचंडिके । हारिके विपदां शरो हर्षमंगलकारिके ॥
 हर्षमंगलदक्षे च हर्षमंगलदायिके । शुभे मंगलदक्षे च शुभे मंगलचंडिके ॥
 मंगले मंगलाहं च सर्वमंगलमंगले । सदा मंगलदे देवि सर्वेषां मंगलालये ॥

केमुद्रम योग

ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः सोमाय नमः। (11000 बार)

दधिशंखतुशाराभं क्षीरोदोर्णवसभवम् नवम्।
भाशिनं भवत्या भाम्भोर्मुकुटभुशणम्॥



क्या है केमुद्रम योग ?

आपकी कुण्डली में केमुद्रम योग प्रभावी नहीं है।
आपको इस योग से संबंधित कोई उपाय की
आवश्यकता नहीं है।

उपाय क्या करें ?

- (1) रुद्राष्टक का निरन्तर जप करें।
- (2) सुबह केसर और दूध का सेवन करें।
- (3) पंचामृत से भगवान शिव का अभिषेक करें।
- (4) चांद की रौशनी में सफेद वस्त्र पहन कर गायत्री मंत्र का जाप करें।
- (5) रात को सोते समय सफेद चंदन का लेप करें।
- (6) अपनी मां से और सभी मां जैसी व्यक्ति से आर्शीवाद लेते रहे।
- (7) विधवा औरतो की यथासंभव सहायता करते रहे।
- (8) गरीब लोगों को दूध का दान करें।



सूर्य ग्रह का उपाय

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य ग्रह को ग्रहों का राजा माना जाता है। जीवन में मान-सम्मान, नौकरी और समृद्धिशाली जीवन जीने के लिए सूर्य देव की कृपा जरूरी होती है और उनका आशीर्वाद पाने के लिए सूर्य ग्रह के बीज मंत्र का जप करना चाहिए।



बीज मंत्र 1

ॐ सूर्याय नमः

Every morning, one should offer water to the Sun and chant this mantra.



तान्त्रिक मंत्र

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः

Om hraam hreem hroum sah suryaya namah.



बीज मंत्र 2

ॐ घृणिः सूर्याय नमः

Om Ghrinih Suryaya Namah.



गायत्री मंत्र

**ॐ भास्कराय विद्महे महातेजाय धीमहि ।
तन्नोः सूर्यः प्रचोदयात् ॥**

Om Bhaskaraya Vidmahe Mahatejaya Dhimahi,
Tanno Suryah Prachodayat.



व्रत और उपवास

सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए सूर्य के गोचर, महादशा या अंतर्दशा के दौरान रविवार का व्रत (उपवास) रखना चाहिए। व्रत (उपवास) की शुरुआत ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष के पहले रविवार से करना चाहिए। यह व्रत (उपवास) कम से कम 12 और अधिकतम 30 रविवार को रखना चाहिए। व्रत (उपवास) के दौरान खाने में गेहूँ के आटे की चपाती, गुड़, हलवा, घी का उपयोग करना चाहिए। नमक का प्रयोग बिल्कुल ना करें। खाना सूर्यास्त से पहले खाना चाहिए। यदि आप लाल कपड़ा पहन कर एवं अपनी ललाट पर लाल चंदन का लेप लगाकर सूर्य के बीज मंत्र या तान्त्रिक मंत्र का 5 माला (540) जप करें तो व्रत (उपवास) का फल अधिक लाभदायक होगा। अंत में हवन के साथ पूर्णाहुति करें एवं ब्राह्मणों को यथाशक्ति अन्न, धन एवं भोजन का दान करें।



जड़ों का प्रयोग

जड़ों को ग्रह से संबंधित दिन में किसी शुभ मुहूर्त में उखाड़ कर लायें। किसी भी जड़ को उखाड़ने से पहले शाम में उसे विधिवत धूप जलाकर एवं जड़ में जल डालकर निमंत्रित करें, फिर अगले दिन सूर्योदय से पहले बिना किसी औजार के उखाड़ें। जड़ को किसी औजार से काटना नहीं चाहिए।

सूर्य के लिए बेल की जड़ या बेंत की जड़ गुलाबी रंग के कपड़े में सिलकर रविवार या कृतिका, उत्तराफाल्गुनी अथवा उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में सूर्योदय के समय अपने गले, भुजा, जब या कमर में सुविधानुसार धारण करें।



स्नान और दान

आप रविवार के दिन सुबह में गेहूँ, साबुत मसूर, गुड़, तांबे की कोई वस्तु एवं लाल फूल का दान करें। आप अपने स्नान के जल में केसर या इलायची पीसकर या इसका इत्र डालें।



हवन

अनिष्ट ग्रहों के कुफल को शांत करने के लिए हवन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हवन में प्रयुक्त सामग्री काफी लाभदायक होती है। इनसे ग्रह शांति के साथ-साथ आस-पास का वातावरण भी पवित्र होता है। हवन सामग्री में कई तरह की जड़ी-बूटियां मिली होती हैं, जिनसे इसका भस्म भी काफी लाभदायक हो जाता है और कुछ रोगों को समूल नष्ट भी कर सकता है।

सामग्री- खस, मधु, नागरमोथा, अमलतास, छोटी इलायची।
जड़ी- बेल मूल एवं कमल बेंत की जड़।



चन्द्रमा ग्रह का उपाय

कुंडली में चंद्र दोष होने से कलह, मानसिक विकार, माता-पिता की बीमारी, दुर्बलता, धन की कमी जैसी समस्याएं सामने आती हैं। चंद्रमा मन का कारक ग्रह होता है। कुंडली में चंद्र को मजबूत बनाने के लिए चंद्र ग्रह के बीज मंत्र का जप करना चाहिए।



बीज मंत्र 1

ॐ सोमाय नमः

This mantra should be chanted every Monday while sitting in front of a Shivalinga.



तान्त्रिक मंत्र

ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः सोमाय नमः

Om shraam shreem shraum sah chandramase namah.



बीज मंत्र 2

ॐ सों सोमाय नमः

Om Som Somaya Namah.



गायत्री मंत्र

**ॐ क्षीरपुत्राय विद्महे मृतात्वाय धीमहि ।
तन्नोः चंद्रः प्रचोदयात् ॥**

Om Ksheeraputraya Vidmahe Mritatvaya Dhimahi,
Tannam Chandrah Prachodayat.



व्रत और उपवास

चंद्रमा के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए सोमवार का व्रत रखना चाहिए। व्रत की शुरुआत ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष के पहले सोमवार से करनी चाहिए। यह व्रत कम से कम 10 और अधिकतम 54 सोमवार को रखनी चाहिए। व्रत तोड़ने से पहले आपको सफेद कपड़े पहनना चाहिए एवं अपने ललाट पर सफेद चंदन का लेप लगाना चाहिए। चंद्रमा को सफेद फूल अर्पित करें और चंद्रमा के बीज मंत्र या तान्त्रिक मंत्र का 3 या 11 माला का जप करें। अपने खाने में नमक, दही, चावल, घी एवं गुड़ का प्रयोग ना करें। अंतिम सोमवार को हवन के साथ पूर्णाहूति करें एवं गरीबों के बीच खाना वितरित करें।



जड़ों का प्रयोग

जड़ों को ग्रह से संबंधित दिन में किसी शुभ मुहूर्त में उखाड़ कर लायें। किसी भी जड़ को उखाड़ने से पहले शाम में उसे विधिवत धूप जलाकर एवं जड़ में जल डालकर निमंत्रित करें, फिर अगले दिन सूर्योदय से पहले बिना किसी औजार के उखाड़ें। जड़ को किसी औजार से काटना नहीं चाहिए।

चंद्रमा के लिए खिरनी की जड़ को सफेद रंग के कपड़े में सिलकर सोमवार या रोहिणी, हस्त या श्रवण नक्षत्र में पूर्णिमा की रात में गले, जेब, भुजा या कमर में सुविधानुसार धारण करें।



स्नान और दान

चंद्रमा के लिए शुद्ध देशी घी से भरकर नया बर्तन, सफेद वस्त्र, गन्ना, दूध, चावल, चांदी, शंख, कपूर, छोटी इलायची, चीनी, चंदन, कांसे का बर्तन इत्यादि का दान करना चाहिए। नहाते समय नहाने के पानी में थोड़ा सा दूध या दही डालकर नहाने से चंद्रमा प्रसन्न होते हैं।



हवन

अनिष्ट ग्रहों के कुफल को शांत करने के लिए हवन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हवन में प्रयुक्त सामग्री काफी लाभदायक होती है। इनसे ग्रह शांति के साथ-साथ आस-पास का वातावरण भी पवित्र होता है। हवन सामग्री में कई तरह की जड़ी-बूटियां मिली होती हैं, जिनसे इसका भस्म भी काफी लाभदायक हो जाता है और कुछ रोगों को समूल नष्ट भी कर सकता है।

सामग्री- लाल चंदन, कपूर, अगर, तगर, केसर, गोरोचन।
जड़ी - खिरनी की जड़।



मंगल ग्रह का उपाय

मंगल साहस और पराक्रम का कारक ग्रह है। कुंडली में मंगल के कमजोर होने पर उसके साहस और ऊर्जा में निरंतर कमी रहती है। मंगल को मजबूत करने के लिए मंगल ग्रह के बीज मंत्र का जप करना चाहिए।



बीज मंत्र 1

ॐ भौमाय नमः

This mantra is chanted for the planet Mars. It should be chanted on Tuesdays.



तान्त्रिक मंत्र

ॐ क्रां क्रीं क्राँ सः भौमाय नमः

Om kraam kreem kraum sah bhaumaaya namah.



बीज मंत्र 2

ॐ अंगारकाय नमः

Om Om Angarakaya Namah.



गायत्री मंत्र

ॐ अंगारकाय विदिमहे वाणेशाय धीमहि । तन्नोः भौम प्रचोदयात् ॥

Om Angarakaya Vidmahe Vaneshaya Dhimahi,
Tanno Bhaumah Prachodayat.



व्रत और उपवास

मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए मंगलवार का व्रत रखना चाहिए। व्रत की शुरुआत ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष के पहले मंगलवार से करनी चाहिए। यह व्रत कम से कम 21 और अधिकतम 45 मंगलवार रखनी चाहिए। अगर संभव हो तो आप पूरी जीवन्तगी भी इस व्रत को रख सकते हैं। व्रत के दिन केवल गुड़ का हलवा खाना बेहतर होगा। आप अपनी शक्ति के अनुसार गरीबों के बीच भी हलवा वितरित कर सकते हैं। व्रत तोड़ने से पहले आपको लाल कपड़ा पहनना चाहिए और मंगल के बीज मंत्र या तान्त्रिक मंत्र का अपने उपलब्ध समयानुसार 1, 5 या 7 माला का जप करना चाहिए। सांड को गुड़ खिलाना चाहिए। इस व्रत को रखने से आप ऋणमुक्त होंगे, संतान की प्राप्ति होगी एवं अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। अंतिम मंगलवार को हवन के साथ पूर्णाहूति करें एवं लाल कपड़ा, तांबा, गुड़ एवं नारियल गरीबों के बीच दान करें।



जड़ों का प्रयोग

जड़ों को ग्रह से संबंधित दिन में किसी शुभ मुहूर्त में उखाड़ कर लायें। किसी भी जड़ को उखाड़ने से पहले शाम में उसे विधिवत धूप जलाकर एवं जड़ में जल डालकर निमंत्रित करें, फिर अगले दिन सूर्योदय से पहले बिना किसी औजार के उखाड़ें। जड़ को किसी औजार से काटना नहीं चाहिए।

मंगल के लिए अनन्त मूल या नागफनी (गो जिह्वा संगमुसी नाग जिह्वा) की जड़ को लाल रंग के कपड़े में सिलकर मंगलवार या मृगशिरा, चित्रा या घनिष्ठा नक्षत्र में सूर्योदय के समय गले, जब, भुजा या कमर में सुविधानुसार धारण करें।



स्नान और दान

लाल फूल, लाल चंदन, घी, गेहूँ, मसूर, या ताम्बे के बर्तन में सुपारी भरकर दान करने से मंगल प्रसन्न होते हैं। मंगल की प्रसन्नता व लिए स्नान करते समय जल में बेलपत्र या लाल चंदन डालकर स्नान करना चाहिए।



हवन

अनिष्ट ग्रहों के कुफल को शांत करने के लिए हवन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हवन में प्रयुक्त सामग्री काफी लाभदायक होती है। इनसे ग्रह शांति के साथ-साथ आस-पास का वातावरण भी पवित्र होता है। हवन सामग्री में कई तरह की जड़ी-बूटियां मिली होती हैं, जिनसे इसका भस्म भी काफी लाभदायक हो जाता है और कुछ रोगों को समूल नष्ट भी कर सकता है।

सामग्री- सोंठ, चमेली का तेल, कुमकुम।

जड़ी- सौंफ की जड़, नाग जिह्वा, अनन्त मूल।



बुध ग्रह का उपाय

जीवन में तरक्की और प्रसिद्धि पाने के लिए कुंडली में बुध का मजबूत होना आवश्यक है। बौद्धिक नजरिए से सबसे प्रबल ग्रह होता है। कुंडली में बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए बुध ग्रह के बीज मंत्र का जप करना चाहिए।



बीज मंत्र 1

ॐ बुधाय नमः

This mantra should be chanted every Wednesday. You can chant it in Lord Ganesha's temple.



तान्त्रिक मंत्र

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

Om braam breem braum sah budhaaya namah.



बीज मंत्र 2

ॐ बुं बुधाय नमः

Om Bum Budhaya Namah.



गायत्री मंत्र

**ॐ सौम्यरुपाय विद्महे वाणेशाय धीमहि ।
तन्नोः बुधः प्रचोदयात् ॥**

Om Saumyarupaya Vidmahe Vaneshaya Dhimahi,
Tanno Budhah Prachodayat.



व्रत और उपवास

बुध के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए बुधवार का व्रत रखना चाहिए। व्रत की शुरुआत ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष के पहले बुधवार से करनी चाहिए। यह व्रत कम से कम 21 और अधिकतम 45 बुधवार को रखनी चाहिए। व्रत के दिन स्नान के बाद आपको हरे रंग का वस्त्र पहनना चाहिए और बुध के बीज मंत्र या तान्त्रिक मंत्र का 3 या 17 माला का जप करना चाहिए। इसके बाद मूंग दाल के आटे का हलवा या लड्डू या गुड़ से बनी कोई चीज गरीबों में बांटें और खुद भी खाएँ। व्रत के अंतिम बुधवार को हवन के साथ पूर्णाहुति करें। इस व्रत से आप शैक्षणिक क्षेत्र या व्यावसायिक मामलों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि अमावस्या के दिन व्रत रखने से बुध ग्रह अनुकूल हो जाता है।



जड़ों का प्रयोग

जड़ों को ग्रह से संबंधित दिन में किसी शुभ मुहूर्त में उखाड़ कर लायें। किसी भी जड़ को उखाड़ने से पहले शाम में उसे विधिवत धूप जलाकर एवं जड़ में जल डालकर निमंत्रित करें, फिर अगले दिन सूर्योदय से पहले बिना किसी औजार के उखाड़ें। जड़ को किसी औजार से काटना नहीं चाहिए।

बुध के लिए विधारा की जड़ या भारंगी की जड़ (बिदायरे जड़ या वर धारा जड़) को हरे वस्त्र में सिलकर बुधवार या आश्लेषा, ज्येष्ठा या रेवती नक्षत्र में सुबह के समय अपने गले, जब, भुजा या कमर में धारण करें।



स्नान और दान

आपको स्नान के जल में साबुत चावल या सोने का कोई आभूषण डालकर स्नान करना चाहिए। बुध की प्रसन्नता के लिए चांदी या हाथी दांत से बनी कोई वस्तु, नीला कपड़ा, घी या मूंग दान करना चाहिए।



हवन

अनिष्ट ग्रहों के कुफल को शांत करने के लिए हवन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हवन में प्रयुक्त सामग्री काफी लाभदायक होती है। इनसे ग्रह शांति के साथ-साथ आस-पास का वातावरण भी पवित्र होता है। हवन सामग्री में कई तरह की जड़ी-बूटियां मिली होती हैं, जिनसे इसका भस्म भी काफी लाभदायक हो जाता है और कुछ रोगों को समूल नष्ट भी कर सकता है।

सामग्री— विधारा मूल, देवदार की जड़, सफेद सरसों।
जड़ी— भारंगी की जड़।



गुरु ग्रह का उपाय

वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्याओं के लिए इस मंत्र का जप करना चाहिए। कुंडली में बृहस्पति के शुभ प्रभाव से धन लाभ, सुख-सुविधा, सौभाग्य, लंबी आयु आदि मिलता है। कुंडली में देवगुरु बृहस्पति की मजबूती के लिए जातकों को गुरु बीज मंत्र का जप करना चाहिए।



बीज मंत्र 1

ॐ बृहस्पतये नमः

This mantra should be chanted while sitting in front of a Shivalinga. It should be chanted every Thursday.



तान्त्रिक मंत्र

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रीं सः गुरुवे नमः

Om graam greem graum sah gurave namah.



बीज मंत्र 2

ॐ ब्रं बृहस्पतये नमः

Om Bram Brihaspataye



गायत्री मंत्र

**ॐ गुरुदेवाय विद्महे वाणेशाय धीमहि ।
तन्नोः गुरुः प्रचोदयात् ॥**

Om Gurudevaya Vidmahe Vaneshaya Dhimahi,
Tanno Guru Prachodayat.



व्रत और उपवास

बृहस्पति के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए गुरुवार का व्रत रखना चाहिए। व्रत की शुरुआत ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष के पहले गुरुवार से करनी चाहिए। यह व्रत कम से कम 21 गुरुवार और अधिकतम 3 साल तक प्रत्येक गुरुवार को रखनी चाहिए। व्रत के दिन स्नान के बाद आपको पीले रंग का वस्त्र पहनना चाहिए और बृहस्पति के बीज मंत्र या तान्त्रिक मंत्र का 3 या 11 माला का जप करना चाहिए। बृहस्पति को पीले फूल अर्पित करना चाहिए। इस दिन केवल बेसन के लड्डू (गुड़ से बना) या केसरिया या पीला रंग लिए मीठा चावल गरीबों के बीच बांटना चाहिए एवं खुद भी खाना चाहिए। व्रत के अंतिम गुरुवार को हवन के साथ पूर्णाहुति करें एवं गरीब ब्राह्मणों के बीच भोजन (पीला रंग लिए खाना) बांटें। इस व्रत को करने से आप बुद्धिमान, विद्वान एवं धनवान होंगे। अगर कोई अविवाहित कन्या इस व्रत को करे तो जल्द शादी की संभावना होती है।



जड़ों का प्रयोग

जड़ों को ग्रह से संबंधित दिन में किसी शुभ मुहूर्त में उखाड़ कर लायें। किसी भी जड़ को उखाड़ने से पहले शाम में उसे विधिवत धूप जलाकर एवं जड़ में जल डालकर निमंत्रित करें, फिर अगले दिन सूर्योदय से पहले बिना किसी औजार के उखाड़ें। जड़ को किसी औजार से काटना नहीं चाहिए।

बृहस्पति के लिए हल्दी की गांठ या केले की जड़ को पीले कपड़े में सिलकर बृहस्पतिवार या पुनर्वसु, विशाखा या पूर्व भाद्रपद नक्षत्र में शाम के समय अपने गले, जेब, भुजा या कमर में धारण करें।



स्नान और दान

स्नान करते समय जल में बड़ी इलायची, पीली सरसों के दाने डालकर स्नान करने से बृहस्पति जनित दोषों का निवारण होता है। बृहस्पति की प्रसन्नता के लिए हल्दी, पीला कपड़ा, पीला अन्न, नमक, मेंहदी या नींबू का दान करना चाहिए।



हवन

अनिष्ट ग्रहों के कुफल को शांत करने के लिए हवन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हवन में प्रयुक्त सामग्री काफी लाभदायक होती है। इनसे ग्रह शांति के साथ-साथ आस-पास का वातावरण भी पवित्र होता है। हवन सामग्री में कई तरह की जड़ी-बूटियां मिली होती हैं, जिनसे इसका भस्म भी काफी लाभदायक हो जाता है और कुछ रोगों को समूल नष्ट भी कर सकता है।

सामग्री- हल्दी, सूखा गुलाब।
जड़ी- केले की जड़।



शुक्र ग्रह का उपाय

कुंडली में शुक्र ग्रह के मजबूत होने पर सभी तरह के ऐशो-आराम की सुविधा मिलती है और इसे मजबूत करने के लिए जातकों को शुक्र बीज मंत्र का जाप करना चाहिए।



बीज मंत्र 1

ॐ शुक्राय नमः

This mantra should be chanted every Friday while sitting in front of a Shivalinga.



तान्त्रिक मंत्र

ॐ द्रां द्रीं द्रौम सः शुक्राय नमः

Om draam dreem draum sah shukraaya namah.



बीज मंत्र 2

ॐ शुं शुक्राय नमः

Om Shum Shukraya Namah.



गायत्री मंत्र

**ॐ भृगुसुताय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि ।
तन्नोः शुक्रः प्रचोदयात् ।।**

Om Bhargusutaya Vidmahe Divyadehaya Dhimahi,
Tanno Shukrah Prachodayat.



व्रत और उपवास

शुक्र के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए शुक्रवार का व्रत रखना चाहिए। व्रत की शुरुआत ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष के पहले शुक्रवार से करनी चाहिए। यह व्रत कम से कम 21 गुरुवार और अधिकतम 31 शुक्रवार को रखनी चाहिए। व्रत के दिन स्नान के बाद आपको सफेद रंग का वस्त्र पहनना चाहिए और शुक्र के बीज मंत्र या तान्त्रिक मंत्र का 3 या 21 माला का जप करना चाहिए। व्रत के दिन मीठा चावल या दूध से बना पदार्थ खुद खाना चाहिए एवं एक आंख वाले आदमी या सफेद गाय को खिलाना चाहिए। व्रत के अंतिम शुक्रवार को हवन के साथ पूर्णाहूति करें। इसके बाद चांदी, सफेद कपड़े, खीर आदि गरीबों के बीच दान करना चाहिए। इस व्रत को करने से शुक्र अनुकूल होगा और आपको आर्थिक लाभ हो सकता है तथा आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल होगा।



जड़ों का प्रयोग

जड़ों को ग्रह से संबंधित दिन में किसी शुभ मुहूर्त में उखाड़ कर लायें। किसी भी जड़ को उखाड़ने से पहले शाम में उसे विधिवत धूप जलाकर एवं जड़ में जल डालकर निमंत्रित करें, फिर अगले दिन सूर्योदय से पहले बिना किसी औजार के उखाड़ें। जड़ को किसी औजार से काटना नहीं चाहिए।

शुक्र ग्रह के लिए अनार, सरपोंखा या अरण्ड मूल की जड़ को सफेद कपड़े में सिलकर शुक्रवार या भरणी, पूर्व फाल्गुनी या उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में दोपहर के समय अपने गले, भुजा, जब या कमर में धारण करें।



स्नान और दान

स्नान करते समय जल में छोटी इलायची, नींबू का रस अथवा इत्र मिलाकर स्नान करने से शुक्र प्रसन्न होते हैं। शुक्र के लिए बासमती चावल, घी, चांदी, सफेद वस्त्र, सफेद चंदन, कपूर, धूप और अगरबत्ती, इत्र और रेशमी वस्त्र का यथाशक्ति दान करना चाहिए।



हवन

अनिष्ट ग्रहों के कुफल को शांत करने के लिए हवन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हवन में प्रयुक्त सामग्री काफी लाभदायक होती है। इनसे ग्रह शांति के साथ-साथ आस-पास का वातावरण भी पवित्र होता है। हवन सामग्री में कई तरह की जड़ी-बूटियां मिली होती हैं, जिनसे इसका भस्म भी काफी लाभदायक हो जाता है और कुछ रोगों को समूल नष्ट भी कर सकता है।

सामग्री- सरपोंखों, अनार की जड़, सूखे आंवले।
जड़ी- अरंडे की जड़।



शनि ग्रह का उपाय

ज्योतिष में शनि देव को कर्म फलदाता के नाम से जाना जाता है। यदि कुंडली में शनि ग्रह भारी होता है तो जिंदगी में परेशानियां बनी रहती हैं। इन परेशानियों को दूर करने के लिए शनि बीज मंत्र का जाप करना चाहिए।



बीज मंत्र 1

ॐ शनैश्चराय नमः

Every Saturday, sit in front of Lord Shani and chant this mantra.



तान्त्रिक मंत्र

ॐ प्रां प्रीं प्रोम सः शनै नमः

Om praam preem praum sah shanaishcharaaya



बीज मंत्र 2

ॐ शं शनैश्चराय नमः

Om Sham Shanaischaraya



गायत्री मंत्र

**ॐ शिरोरुपाय विद्महे मृत्युरुपाय धीमहि ।
तन्नोः सौरिः प्रचोदयात ॥**

Om Shirorupaya Vidmahe Mrityurupaya Dhimahi,
Tanno Saurih Prachodayat.



व्रत और उपवास

शनि के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए शनिवार का व्रत रखना चाहिए। व्रत की शुरुआत ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष के पहले शनिवार से करनी चाहिए। व्रत के दिन स्नान के बाद आपको काले रंग का वस्त्र पहनना चाहिए और शनि के बीज मंत्र या तान्त्रिक मंत्र का 3 या 19 माला का जप करना चाहिए। उसके बाद साफ पानी, काले तिल का बीज, काला या नीला फूल, लौंग, गंगाजल, चीनी एवं दूध एक बर्तन में लेकर पूर्वाभिमुख होकर पीपल की जड़ में डालें। इस दिन केवल उड़द दाल एवं तेल से बनी कोई भोज्य सामग्री खानी चाहिए एवं दान करनी चाहिए। व्रत के अंतिम दिन हवन के साथ पूर्णाहुति करें और तेल से बनी कोई चीज, काला कपड़ा, चमड़े का जूता आदि दान करना चाहिए। इस व्रत को करने से आपको झगड़े एवं वाद-विवाद में सफलता प्राप्त होगी। फैक्ट्री मालिक एवं लोहे या स्टील का कारोबार करने वालों को काफी सफलता प्राप्त होगी।



जड़ों का प्रयोग

जड़ों को ग्रह से संबंधित दिन में किसी शुभ मुहूर्त में उखाड़ कर लायें। किसी भी जड़ को उखाड़ने से पहले शाम में उसे विधिवत धूप जलाकर एवं जड़ में जल डालकर निमंत्रित करें, फिर अगले दिन सूर्योदय से पहले बिना किसी औजार के उखाड़ें। जड़ को किसी औजार से काटना नहीं चाहिए।

शनि के लिए बिछुआ की जड़ नीले कपड़े में सिलकर शनिवार या पुष्य, अनुराधा या उत्तर भाद्रपद नक्षत्र में दोपहर के समय अपने गले, जेब, भुजा या कमर में धारण करें।



स्नान और दान

स्नान करते समय जल में धान का छिलका, जड़ सहित दूब अथवा काला तिल डालकर स्नान करने से शनि जनित दोषों का नाश होता है। शनि की प्रसन्नता के लिए बड़ी ईलायची, जायफल, लौंग, काला या नीला कपड़ा, मोटे अनाज, काली तिल, लोहे का सामान, गूगल और साबूत उड़द का अपनी शक्ति अनुसार दान करना चाहिए।



हवन

अनिष्ट ग्रहों के कुफल को शांत करने के लिए हवन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हवन में प्रयुक्त सामग्री काफी लाभदायक होती है। इनसे ग्रह शांति के साथ-साथ आस-पास का वातावरण भी पवित्र होता है। हवन सामग्री में कई तरह की जड़ी-बूटियां मिली होती हैं, जिनसे इसका भस्म भी काफी लाभदायक हो जाता है और कुछ रोगों को समूल नष्ट भी कर सकता है।

सामग्री- काला तिल, काला उड़द, बिछुआ की जड़।
जड़ी- धतुरे की जड़।



राहु ग्रह का उपाय

राहु एक छाया ग्रह है। तनाव को कम करने के लिए राहु मंत्र का जप करना चाहिए। कुंडली में यदि राहु अशुभ स्थिति में है, तो व्यक्ति को आसानी से सफलता नहीं मिलती है। राहु को मजबूत करने के लिए राहु बीज मंत्र का जप करना चाहिए।



बीज मंत्र 1

ॐ राहवे नमः

Every Saturday, chant the mantras for these planets. Chant the mantras while sitting in front of Lord Shani's idol.



तान्त्रिक मंत्र

ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः

Om bhraam bhreem bhraum sah rahave namah.



बीज मंत्र 2

ॐ रां राहुवे नमः

Om Ram Rahuve Namah.



गायत्री मंत्र

ॐ शिरोरुपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि । तन्नोः राहुः प्रचोदयात् ॥

Om Shirorupaya Vidmahe Amriteshaya Dhimahi,
Tanno Rahu Prachodayat.



व्रत और उपवास

राहु के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए शनिवार का व्रत रखना चाहिए। व्रत की शुरुआत ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष के पहले शनिवार से करनी चाहिए। यह व्रत कम से कम 18 शनिवार को रखनी चाहिए। व्रत के दिन स्नान के बाद आपको काले रंग का वस्त्र पहनना चाहिए और शनि के बीज मंत्र या तान्त्रिक मंत्र का 3 या 18 माला का जप करना चाहिए। इसके बाद जल, हरी घास एवं कुश एक बर्तन में लेकर पीपल की जड़ में डालना चाहिए। इस दिन केवल मीठी चपाती खुद भी खानी चाहिए एवं दान भी करनी चाहिए। रात में पीपल की जड़ में दीपक जलाना चाहिए। इस व्रत को करने से शत्रुओं पर विजय, सरकार से सहयोग एवं राहु-केतु जनित रोगों से मुक्ति प्राप्त होती है।



जड़ों का प्रयोग

जड़ों को ग्रह से संबंधित दिन में किसी शुभ मुहूर्त में उखाड़ कर लायें। किसी भी जड़ को उखाड़ने से पहले शाम में उसे विधिवत धूप जलाकर एवं जड़ में जल डालकर निमंत्रित करें, फिर अगले दिन सूर्योदय से पहले बिना किसी औजार के उखाड़ें। जड़ को किसी औजार से काटना नहीं चाहिए।

राहु के लिए मलय चंदन की जड़ की माला बुधवार या शनिवार या आर्द्रा, स्वाति या शतभिषा नक्षत्र में शाम 4 बजे के आस-पास अपने गले, भुजा, जेब या कमर में धारण करें।



स्नान और दान

स्नान करते समय जल में कुश या सरकण्डा, नीम के पत्ते या फल, नागरमोथा आदि डालकर स्नान करने से राहु जनित दोषों का निवारण होता है। राहु की प्रसन्नता के लिए ऊन का कपड़ा, जटादार पानी वाला नारियल, कम्बल एवं पेठा बांस की टोकरी में धातु का बना सर्प रखकर दान करना चाहिए।



हवन

अनिष्ट ग्रहों के कुफल को शांत करने के लिए हवन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हवन में प्रयुक्त सामग्री काफी लाभदायक होती है। इनसे ग्रह शांति के साथ-साथ आस-पास का वातावरण भी पवित्र होता है। हवन सामग्री में कई तरह की जड़ी-बूटियां मिली होती हैं, जिनसे इसका भस्म भी काफी लाभदायक हो जाता है और कुछ रोगों को समूल नष्ट भी कर सकता है।

सामग्री- चंदन की लकड़ी।
जड़ी- अष्टगन्ध मूल।



केतु ग्रह का उपाय

केतु एक छाया ग्रह है, जिसका अपना कोई वास्तविक रूप नहीं है। यदि कुंडली में केतु की स्थिति कमजोर होती है तो यह जिंदगी को बदतर बना देता है। जीवन में कलह बना रहता है। ऐसे में कलह से बचने के लिए इस केतु बीज मंत्र का जाप करना चाहिए।



बीज मंत्र 1

ॐ केतवे नमः

Every Saturday, chant the mantras for these planets. Chant the mantras while sitting in front of Lord Shani's idol.



तान्त्रिक मंत्र

ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः

Om sraam sreem sraum sah ketave namah.



बीज मंत्र 2

ॐ के केतवे नमः

Om Ke Ketave Namah.



गायत्री मंत्र

ॐ गदाहस्ताय विद्महे अमृतेशाय धीमहि । तन्नोः केतुः प्रचोदयात् ॥

Om Gadahastaya Vidmahe Amriteshaya Dhimahi,
Tanno Ketu Prachodayat.



व्रत और उपवास

केतु के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए शनिवार का व्रत रखना चाहिए। व्रत की शुरुआत ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष के पहले शनिवार से करनी चाहिए। यह व्रत कम से कम 18 शनिवार को रखनी चाहिए। व्रत के दिन स्नान के बाद आपको काले रंग का वस्त्र पहनना चाहिए और शनि के बीज मंत्र या तान्त्रिक मंत्र का 3 या 18 माला का जप करना चाहिए। इसके बाद जल, हरी घास एवं कुश एक बर्तन में लेकर पीपल की जड़ में डालना चाहिए। इस दिन केवल मीठी चपाती खुद भी खानी चाहिए एवं दान भी करनी चाहिए। रात में पीपल की जड़ में दीपक जलाना चाहिए। इस व्रत को करने से शत्रुओं पर विजय, सरकार से सहयोग एवं राहु-केतु जनित रोगों से मुक्ति प्राप्त होती है।



जड़ों का प्रयोग

जड़ों को ग्रह से संबंधित दिन में किसी शुभ मुहूर्त में उखाड़ कर लायें। किसी भी जड़ को उखाड़ने से पहले शाम में उसे विधिवत धूप जलाकर एवं जड़ में जल डालकर निमंत्रित करें, फिर अगले दिन सूर्योदय से पहले बिना किसी औजार के उखाड़ें। जड़ को किसी औजार से काटना नहीं चाहिए।

केतु के लिए असगन्ध की जड़ को काले या पीले कपड़े में सिलकर बृहस्पतिवार या अश्विनी, मघा या मूल नक्षत्र में अपने गले, भुजा, जेब या कमर में धारण करें।



स्नान और दान

स्नान करते समय जल में कुश या सरकण्डा, नीम के पत्ते या फल, नागरमोथा एवं खुशबुदार इत्र आदि डालकर स्नान करें। केतु की प्रसन्नता के लिए रंग-बिरंगे कम्बल, कस्तूरी, बिस्तर, मुँह देखने का शीशा, साबुत उड़द, लाल अनार आदि को बांस की टोकरी में रखकर दान करना चाहिए।



हवन

अनिष्ट ग्रहों के कुफल को शांत करने के लिए हवन एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हवन में प्रयुक्त सामग्री काफी लाभदायक होती है। इनसे ग्रह शांति के साथ-साथ आस-पास का वातावरण भी पवित्र होता है। हवन सामग्री में कई तरह की जड़ी-बूटियां मिली होती हैं, जिनसे इसका भस्म भी काफी लाभदायक हो जाता है और कुछ रोगों को समूल नष्ट भी कर सकता है।

सामग्री- सात अनाज (उड़द, मूंग, गेहूँ, चना, जौ, चावल, कंगनी)।
जड़ी- वट वृक्ष की जड़।




लग्न देवता
लग्नेश पर आधारित
शनि देव
ॐ शं शनैश्चराय नमः





इष्ट देवता
पंचमेश पर आधारित
लक्ष्मी जी
ॐ लक्ष्मी नमः

यदि आप लग्न देवता और इष्ट देवता के बीज मंत्रों का जाप करते हैं और उनके संबंधित दिन पर व्रत रखते हैं, तो आपके जीवन की हर समस्या का समाधान स्वतः ही आपके समक्ष आ जाएगा और जीवन में सफलता के द्वार खलते जाएंगे।




आपको किस ग्रह के मंत्र का जाप करना चाहिए?

<p>लग्नाधिपति</p>  <p>शनि</p> <p>ॐ शं शनैश्चराय नमः</p>	<p>पंचमेश</p>  <p>शुक्र</p> <p>ॐ शुं शुक्राय नमः</p>	<p>दशाधिपति</p>  <p>चन्द्रमा</p> <p>ॐ सों सोमाय नमः</p>	<p>भुक्ति अधिपति</p>  <p>बुध</p> <p>ॐ बुं बुधाय नमः</p>
---	---	--	--

यदि आप लग्नेश के बीज मंत्र का जाप करते हैं तो आपका स्वास्थ्य सदैव उत्तम रहेगा क्योंकि लग्नेश को स्वास्थ्य का कारक माना जाता है। 5वें घर के अधिपति को इष्ट ग्रह कहा जाता है, यदि आप इष्ट ग्रह के बीज मंत्र का जाप करते हैं तो आपका बुद्धि और बल बढ़ेगा, अपने बुद्धि और बल के माध्यम से आप अपने सारे कार्य सम्पन्न कर सकते हैं। जिस ग्रह की महादशा चल रही है, उसके मंत्र से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। जिस ग्रह की अंतर्दशा चल रही है, उसके मंत्र से वर्तमान समय की घटनाएं सकारात्मक होंगी।



आपको किस ग्रह का दान करना चाहिए?

<p>ग्रह का दान</p>  <p>मंगल</p>	<p>लग्नेश शनि से शत्रुता और एकादश भाव का स्वामी होने के कारण मंगल एक शक्तिशाली अशुभ ग्रह बन जाता है।</p>
--	--

सप्ताह के उस दिन उस ग्रह से संबंधित दान करें, जैसे मंगलवार को मंगल, शनिवार को शनि और गुरुवार को बृहस्पति। दान की सूची से, आप प्रति सप्ताह 50 रुपये तक कोई भी एक वस्तु दान कर सकते हैं। किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को दान दें।

अशुभ ग्रहों से संबंधित दान करने से हमारे ऊपर पड़ने वाले उनके नकारात्मक प्रभाव समाप्त हो जाते हैं। परिणामस्वरूप अशुभ ग्रह अपनी दशा या अन्तर्दशा में हमें बुरा फल नहीं देते, और यदि हम दान करने के साथ-साथ उन ग्रहों के बीज मंत्रों का जाप भी कर रहे हैं तो उस अशुभ ग्रह के परिणाम भी सकारात्मक ही आएंगे।

यदि आप किसी दिन बीज मंत्र का जाप करना भूल जाते हैं तो आप अगले दिन उसकी पूर्ति कर सकते हैं, उदाहरण के लिए अगले दिन 2 माला जाप करें। यदि अंतर अधिक हो तो एक माला अतिरिक्त जप कर बीज मंत्रों को पूरा करें।

आप किसी भी मंत्र में महारत हासिल कर सकते हैं। इसके बाद आपको सप्ताह के उस दिन संबंधित ग्रह के बीज मंत्र का जाप करना चाहिए, उदाहरण के लिए, यदि आपने बुध के बीज मंत्र में महारत हासिल कर ली है, तो आपको इसमें महारत हासिल करने के बाद हर बुधवार को मंत्र की एक माला का जाप करना चाहिए। इससे इसकी ऊर्जा बनी रहेगी।



वैदिक ज्योतिष, लाल किताब और कार्मिक प्रथाओं से नक्षत्र स्वामी पर आधारित उपचार हमें ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं के साथ संरेखित करने में मदद करते हैं, जिससे हमारे जीवन के प्रति दृष्टिकोण में सुधार होता है। ये अनुरूप उपाय नकारात्मक प्रभावों को कम करते हैं, सकारात्मकता को बढ़ाते हैं और हमें ग्रहों की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सशक्त बनाते हैं। अंततः, वे व्यक्तियों को अपने भाग्य को संचालित करने की अनुमति देकर आत्म-जागरूकता, सद्भाव और संतुष्टि को बढ़ावा देते हैं।



आपका नक्षत्र
कृतिका (1)



नक्षत्राधिपति
सूर्य

इन वैदिक उपायों को अपनायें

- (1). अपने दिन की शुरुआत सूर्य नमस्कार से करें, जो 12 योग मुद्राओं का एक क्रम है, जिनमें से प्रत्येक के शरीर के लिए विशिष्ट लाभ हैं। अधिकतम लाभ के लिए सूर्योदय के दौरान इसका अभ्यास करें।
- (2). सूर्य का रक्त माणिक है। अपने दाहिने हाथ की अनामिका में सोने में प्रमाणित, उच्च गुणवत्ता वाला माणिक पहनें। यह सूर्य के प्रभाव को मजबूत करने और आपकी जीवन शक्ति को बढ़ाने में मदद कर सकता है।
- (3). सूर्योदय के समय गायत्री मंत्र का 108 बार जाप करें। यह शक्तिशाली मंत्र सूर्य को समर्पित है और माना जाता है कि यह स्वास्थ्य और दीर्घायु में सुधार करता है।
- (4). रविवार का व्रत, सूर्य को समर्पित दिन, सूर्य को प्रसन्न कर सकता है और आपके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।
- (5). प्रातःकाल तांबे के बर्तन में जल लेकर सूर्य को अर्पित करना एक प्राचीन प्रथा है जो आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।
- (6). लाल या अन्य चमकीले रंग पहनने से, विशेष रूप से रविवार को, सूर्य का सकारात्मक प्रभाव बढ़ सकता है।
- (7). अपने समग्र स्वास्थ्य और आरोग्यता में सुधार के लिए, सूर्य यंत्र की पूजा करें, जो सूर्य से जुड़ा एक शक्तिशाली रहस्यमय चित्र है। इसको अपने घर या कार्यस्थल पर स्थापित करके लाल फूल और धूप से पूजा की जा सकती है।
- (8). प्रत्येक सुबह सूर्य देव को समर्पित स्तोत्र, आदित्य हृदयम स्तोत्र का पाठ करें। ऐसा कहा जाता है कि यह कांतिमय स्वास्थ्य प्रदान करता है और भय को दूर करता है।



वैदिक ज्योतिष, लाल किताब और कार्मिक प्रथाओं से नक्षत्र स्वामी पर आधारित उपचार हमें ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं के साथ संरेखित करने में मदद करते हैं, जिससे हमारे जीवन के प्रति दृष्टिकोण में सुधार होता है। ये अनुरूप उपाय नकारात्मक प्रभावों को कम करते हैं, सकारात्मकता को बढ़ाते हैं और हमें ग्रहों की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सशक्त बनाते हैं। अंततः, वे व्यक्तियों को अपने भाग्य को संचालित करने की अनुमति देकर आत्म-जागरूकता, सद्भाव और संतुष्टि को बढ़ावा देते हैं।



आपका नक्षत्र कृतिका (1)



नक्षत्राधिपति सूर्य

इन लाल किताब के उपायों को अपनायें

- (1). लाल किताब में सूर्य को एक शक्तिशाली खगोलीय पिंड माना गया है। अपने दिन की शुरुआत सूर्योदय के समय प्रार्थना करके करें। इससे आपके दिन में सकारात्मकता और ऊर्जा आएगी।
- (2). प्रतिदिन सुबह सूर्य को तांबे के लोटे में कुछ लाल फूल डालकर जल चढ़ाएं। यह अभ्यास जीवन में बाधाओं को दूर करने और समृद्धि लाने में मदद करेगा।
- (3). रविवार के दिन अपनी जेब में लाल कपड़े का टुकड़ा रखना या लाल रंग के कपड़े पहनना लाभकारी होता है। इससे आप पर सूर्य का सकारात्मक प्रभाव बढ़ सकता है।
- (4). रविवार के दिन गेहूं का दान करना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। सुनिश्चित करें कि मात्रा लाल किताब के सुझाव के अनुसार 1.25 किलोग्राम के गुणकों में हो।
- (5). सूर्य की स्थिति को मजबूत करने के लिए रविवार के दिन बहते पानी (जैसे नदी) में गुड़ और एक तांबे का सिक्का डालें।
- (6). लाल किताब के अनुसार रविवार के दिन नमक से परहेज करना फायदेमंद साबित हो सकता है।
- (7). वैदिक ज्योतिष में सूर्य पिता का भी प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए आपको अपने पिता और अन्य बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए।
- (8). विशेष रूप से रविवार के दिन गाय को गेहूं की रोटी खिलाएं। यह सूर्य की .पा पाने का अचूक उपाय है।
- (9). लाल चंदन की माला पहनने या जेब में लाल चंदन रखने से लाभ होता है। यह सौभाग्य लाता है और बुराई से बचाता है।



वैदिक ज्योतिष, लाल किताब और कार्मिक प्रथाओं से नक्षत्र स्वामी पर आधारित उपचार हमें ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं के साथ संरेखित करने में मदद करते हैं, जिससे हमारे जीवन के प्रति दृष्टिकोण में सुधार होता है। ये अनुरूप उपाय नकारात्मक प्रभावों को कम करते हैं, सकारात्मकता को बढ़ाते हैं और हमें ग्रहों की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सशक्त बनाते हैं। अंततः, वे व्यक्तियों को अपने भाग्य को संचालित करने की अनुमति देकर आत्म-जागरूकता, सद्भाव और संतुष्टि को बढ़ावा देते हैं।



आपका नक्षत्र कृतिका (1)



नक्षत्राधिपति सूर्य

इन कार्मिक के उपायों को अपनायें

- (1). अपने दिन की शुरुआत और अंत आभार व्यक्त करके करें। यह उतना ही सरल हो सकता है जितना कि ज़ोर से यह कहना कि आप किसके लिए आभारी हैं, या आप .तज्ञता पत्रिका रखना पसंद कर सकते हैं। अपने भावों में सूर्य की ऊर्जा और मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त करना याद रखें।
- (2). सबसे सरल और सबसे शक्तिशाली कार्मिक उपचारों में से एक है बदले में कुछ भी अपेक्षा किए बिना खुलकर देना। यह धर्मार्थ दान, स्वयंसेवा, या यहां तक कि किसी जरूरतमंद पड़ोसी की मदद के रूप में भी हो सकता है।
- (3). यह एक प्रमुख कर्म अभ्यास है। नाराजगी छोड़ें और उन लोगों को माफ कर दें जिन्होंने आपके साथ अन्याय किया है। इसका मतलब यह नहीं है कि आपको भूलना होगा या लोगों को आपको नुकसान पहुंचाते रहने देना होगा। इसका अर्थ है पिछली घटनाओं से जुड़ी नकारात्मक ऊर्जा को दूर करना।
- (4). प्रत्येक दिन कुछ क्षण प्रार्थना करने या दूसरों के लिए भलाई की कामना करने में बिताएं। इसमें परिवार, दोस्त या यहां तक कि वे लोग भी शामिल हो सकते हैं जिनसे आपकी नहीं बनती।
- (5). प्रतिदिन ध्यान करें. दिन में केवल 10 मिनट का समय भी आपके समग्र कल्याण और सकारात्मक कर्म प्रकट करने की आपकी क्षमता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।
- (6). अपने विचारों, शब्दों और कार्यों से कोई नुकसान न पहुंचाने का सचेत प्रयास करें। इसमें न केवल शारीरिक क्षति बल्कि भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक क्षति भी शामिल है।
- (7). आप अपने जीवन में जो बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे सुदृढ़ करने के लिए प्रतिदिन सकारात्मक स्वीकृति का प्रयोग करें। उदाहरण के लिए, आप स्वीकृति कर सकते हैं 'मैं सकारात्मक ऊर्जा और अच्छे कर्म का स्रोत हूँ।
- (8). दयालुता के अनियमित .त्यों का अभ्यास करें। उसके लिए कुछ भी भव्य होना जरूरी नहीं है, बस मुस्कुराहट, एक दयालु शब्द, या एक छोटा सा उपकार जैसे छोटे कार्य बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।
- (9). याद रखें कि आपका खुद के साथ रिश्ता दूसरों के साथ आपके रिश्तों की दिशा तय करता है। अपने आप के साथ दयालुता, सम्मान और धैर्य के साथ व्यवहार करें, ठीक वैसे ही जैसे आप दूसरों के साथ करते हैं।



Disclaimer

(1) Please note that an astrological prediction is just an opinion of the astrologer on the basis of the Horoscope and has no scientific authenticity. These predictions are based upon the characteristics, placements, aspects, associations, strengths, weaknesses of the planets and the ability, command over the astrology subject and experience and competence of the astrologer in the Indian Vedic Astrology.

(2) Recommendation for astrological remedies such as gemstones, mantras, yantras etc are often prescribed after diligent study of the client's birth chart and with due exercise of his prudence and judgment. It must be clearly understood that every such prescription is accompanied by a prescribed method and procedure, which is expected to be followed by our clients with diligence MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) is not responsible for any claims for negative functioning of any prescription of astrological remedy provided. The remedies you receive should not be used as a substitute for advice, programs, or treatment that you would normally receive from a licensed professional, such as lawyer, doctor, psychiatrist, or financial advisor.

(3) The spiritual and material benefits stated with respect to various astrological forecasts, mantras, yantras, pujas, stones or any other spiritual items as well as other products and services are as per the ancient Indian Scriptures and literature. However, as the socio-economic and religious circumstances have changed a lot since then, neither MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) can be held responsible for non functioning or non fructification of the stated result

(4) MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) makes no guarantees or representations vis-a-vis the accuracy or consequence of any aspect of the astrological remedy and predictive advice imparted and cannot be held accountable for any interpretation, action, or use that may be made because of information given.

(5) MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) ensures complete confidentiality of customer's identity, birth details and the prediction details. MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) further ensures that no use will be made of the information that may come to the knowledge of the management of the site or revealed in the horoscope of the customer. Such information will only be used to communicate to the customer or will be retained in the databank for referencing purpose if you may need to consult in future.

(6) Any type of Legal Claim shall be limited to any amounts you may have paid to MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) shall have no other Liability except to the extent permitted by applicable law. In no event will MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) be liable for any indirect, consequential, incidental, special, multiple, punitive, or similar damages.

(7) MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) reserves the right to change, modify, add or delete portions of the Terms of Use at any time. Your continued use following any changes in the terms indicates your acceptance to the changes.